वूमेन एक्सप्रेस

www.womenexpress.in

Email: thewomenexpress@gmail.com

Women Express tv

● वर्ष 8 ● अंक 127 ● हिन्दी दैनिक ● नई दिल्ली शनिवार 11 जुलाई 2020 ● पृष्ठ 8 ● मूल्य 1 रूपया ● डाक पंजीयन DL (E)-20/5448/2017-19

गैंगस्टर विकास दुबे एनकाउंटर में ढेर

कानपुर से 17 किमी पहले भौती इलाके में विकास की गाड़ी पलटी, एनकाउंटर में छाती पर लगीं गोलियां, अस्पताल में मौत हो गई

(विशेष संवाददाता)

कानपुर । उत्तर प्रदेश के कानपुर में आठ पुलिसकर्मियों की हत्या का मुख्य आरोपी विकास दुबे शुक्रवार सुबह भौंती क्षेत्र के पास पुलिस मुठभेड़ में मार गिराया गया। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक दिनेश कुमार पी ने पत्रकारों को बताया कि विकास को गुरूवार को उज्जैन के महाकाल क्षेत्र में गुरूवार को गिरफ्तार किया गया था।

उसे ट्रांजिट रिमांड पर सुरक्षा बल कानपुर लेकर आ रहे थे कि भौंती क्षेत्र के पास वाहन पलट गया जिससे पुलिस और एसटीएफ के चार जवान घायल हो गये। उन्होंने बताया कि जवानो के घायल होते ही विकास ने एक जवान की पिस्टल लेकर भागने का प्रयास किया।

पुलिस टीम ने उसे घेर कर आत्मसमर्पण करने के लिये कहा लेकिन वह नहीं माना और पुलिस टीम पर जान से मारने की नियत से फायर करने लगा। पुलिस द्वारा आत्मरक्षार्थ जवाबी फायरिंग की गयी जिसमें विकास घायल हो गया। उसे लाला लाजपत राय अस्पताल ले जाया गया जहां डाक्टरों ने इलाज के दौरान उसे मृत घोषित कर दिया।

सूत्रों ने बताया कि सुबह साढ़े छह बजे के करीब विकास को ले जा रहा वाहन संचेडी क्षेत्र के बाराजोड़ टोल प्लाजा से पास हुआ जिसके पीछे मीडियाकर्मियों के वाहन थे जिन्हें टोल प्लाजा के पास चेकिंग के नाम पर रोका गया। पत्रकारों की रोके जाने को लेकर एक पुलिस अधिकारी से करीब 20 मिनट तक तक बहस हुई जिसके बाद सभी वाहनो को जाने दिया गया। आगे जाकर कानपुर नगर की सीमा में दाखिल होने के कुछ ही मीटर की दूरी पर विकास का वाहन

पलटा हुआ था हालांकि तब तक हिस्ट्रीशीटर को घायल अवस्था में पुलिस अस्पताल ले जा चुकी थी।

पुलिस के मुताबिक वाहन पलटते ही विकास पुलिस जवानो की पिस्टल छीन कर खेतों की ओर भागा था। खेत पर गिरे खून के निशान पुलिस के दावे की पुष्टि कर रहे थे। विकास के सीने और कमर में गोलियों के निशान देखे गये हैं। सूत्रों ने बताया कि गुरूवार को मध्यप्रदेश के उज्जैन में गिरफ्तार हुए विकास को पुलिस अभिरक्षा में सड़क मार्ग से कानपुर ला रहा था।

उसे सुबह दस बजे अदालत में पेश करना था। संचेडी क्षेत्र तक सब कुछ ठीक ठाक था लेकिन बर्रा और भौंती क्षेत्र की सीमा के नजदीक किसान नगर में पीएसआईटी इंस्टीट्यूट के पास पुलिस का वाहन पलट गया। गौरतलब है कि कानपुर में चैबेपुर के बिकरू गांव में पिछली दो जुलाई की रात को विकास और उसके साथियों ने आठ पुलिसकर्मियों की गोली मार कर हत्या कर दी थी। इस सिलसिले में पुलिस अब तक विकास के पांच साथियों को ढेर कर चुकी है।

विकास की कल उज्जैन के महाकालेश्वर मंदिर से नाटकीय ढंग से गिरफ्तारी की गयी थी। पुलिस दल उसे लेने चार्टर प्लेन से उज्जैन गया था लेकिन वापसी में उसे सड़क मार्ग से लाने का फैसला किया गया।

विकास दुबे को गुरुवार सुबह उज्जैन मंदिर में करीब 9 बजे गिरफ्तार किया गया था। डरा हुआ हिस्ट्रीशीटर गिरफ्तारी के वक्त चिल्ला रहा था कि मैं विकास दुबे हूं, कानपुर वाला। इसके बाद पुलिस उसे पहले महाकाल थाना, पुलिस कंट्रोल रूम, नरवर थाना और फिर पुलिस ट्रेनिंग सेंटर लेकर गई।

यहां उससे करीब दो घंटे तक पूछताछ की गई। इस बीच, खबर आ रही है कि विकास की पत्नी ऋचा, उसके बेटे और नौकर को लखनऊ में हिरासत में लिया गया था।

एलईडी के उपयोग से देश में 24 हजार करोड़ की बचतः मोदी

(विशेष संवाददाता)

रीवा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा है कि एलईडी के बल्ब के उपयोग से देश में लगभग 24 हजार करोड़ रुपये की बचत हो रही है। मध्य प्रदेश रीवा में स्थापित एशिया की सबसे सौर उर्जा परियोजना रीवा अल्टा मेगा सोलर परियोजना का लोकार्पण करते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि पहले एलईडी बल्ब के उपयोग की लोग जरुरत महसूस करते थे, मगर महंगी होने के कारण उसे खरीद नहीं पाते थे। अब इस बल्ब की कीमत दस गुना कम हुई है। इसी का नतीजा है कि देश मे अब तक 36 करोड़ एलईडी बल्ब वितरित किया जा चुके है।

एक करोड़ सड़क बत्ती में इसका उपयोग हो रहा है। मात्र एलईडी के उपयोग से बिजली की खपत में आई कमी का जिक्र करते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने कहा एलईडी के उपयोग से हर साल 24 हजार करोड़ रुपये की बचत हो रही है। इतना ही नहीं पर्यावरण की रक्षा में भी मदद मिल रही है।

मोदी ने परियोजना राष्ट्र को समर्पित करते हुए कहा कि रीवा की पहचान पहले नर्मदा नदी और सफेद बाघ के कारण थी मगर अब सौर उर्जा के संयंत्र के कारण होगी। इसके साथ ही राज्य में अन्य परियोजनाओं के शुरू होने से मध्य प्रदेश सस्ती और साफ सुथरी बिजली का हब बन जाएगा। इससे किसान, गरीब और मध्यम वर्ग को सस्ती बिजली मिलेगी।

उन्होंने कहा कि सौर उर्जा आने वाली सदी की ऊर्जा का बड़ा मध्यम बनने वाली है। यह उर्जा श्योर, प्योर व सिक्योर भी है। आत्म निर्भर भारत के लिए बिजली की आत्म निर्भरता आवश्यक है। इसमें सौर उर्जा बहुत बड़ी भूमिका निभाने वाली है।

यह परियोजना में स्थित सौर पार्क (कुल क्षेत्रफल 1500 हेक्टेयर) के अंदर 250 मेगावट की तीन सौर इकाइयां स्थित हैं।

प्रत्येक इकाई 500 हेक्टेयर भूमि पर स्थापित है। सौर पार्क को मध्यप्रदेश ऊर्जा विकास निगम मर्यादित तथा सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम सोलर एनर्जी कर्पोरेशन ऑफ इण्डिया की संयुक्त कम्पनी रीवा अल्ट्रा मेगा सोलर लिमिटेड (आरयूएमएसएल) द्वारा विकसित किया गया है। यह सौर उर्जा परियोजना की क्षमता 750 मेगावाट है। इसमे तीन इकाईयां 250250 मेगावाट की है। इस परियोजना की 24 प्रतिशत बिजली दिल्ली मैट्रो को दी जाएगी। यह एशिया की सबसे बड़ी सौर उर्जा परियोजना है।

पटना AIIMS अब बना कोविड अस्पताल

पटना। पटना एम्स को कोविड 19 के इलाज के लिए डेडीकेटेड अस्पताल के रूप में चिह्नित किया गया है। बिहार स्वास्थ्य विभाग के अपर सचिव कौशल किशोर ने बताया कि कोरोना पॉजिटिवों के इलाज के लेकर पटना एम्स के मेडिकल सुप्रीटेंडेंट द्वारा स्वास्थ्य विभाग को यह प्रस्ताव दिया गया था। इसे देखते हुए विभाग ने एम्स को कोरोना पॉजिटिवों के इलाज के लिए डेडीकेटेड अस्पताल के रूप में घोषित कर दिया है। यह घोषणा केंद्रीय मंत्री रविशंकर प्रसाद की आज की गई अपील के बाद हुई है। बिहार स्वास्थ्य विभाग के मुताबिक, कोविड19 के इलाज के लिए डेडीकेटेड अस्पताल के रूप चिह्नित होने के बाद पटना एम्स में भर्ती सामान्य मरीजों की संख्या में कमी लाने के लिए एम्स प्रशासन अपने स्तर से कार्रवाई करेगा। ताकि यहां कोरोना संक्रमित ज्यादा से ज्यादा मरीजों को भर्ती किया जा सके। इससे पहले पटना में कोरोना संक्रमित मरीजों की संख्या में लगातार हो रही बढ़ोतरी पर केंद्रीय मंत्री रविशंकर प्रसाद ने बिहार के स्वास्थ्य मंत्री मंगल पांडे से बात की।

CISCE के 10वीं और 12वीं कक्षाओं के परिणाम घोषित

इस बार नहीं जारी हुयी मेरिट सूची, 99.34 प्रतिशत विद्यार्थी सफल

(विशेष संवाददाता)

नयी दिल्ली , 10 जुलाई । काउंसिल फॉर इंडियन स्कूल सिर्टिफिकेट एग्जामिनेशन (सीआईएससीई) बोर्ड ने शुक्रवार को 10वीं और 12वीं कक्षाओं के परिणाम घोषित कर दिए। इसके साथ ही उसने इस साल असाधारण परिस्थितियों को देखते हुए मेरिट सूची प्रकाशित नहीं करने का फैसला किया। इस बार 10वीं कक्षा की परीक्षा में 99.34 प्रतिशत विद्यार्थी सफल रहे जो पिछले साल की तुलना में 0.8 प्रतिशत अधिक है। वहीं 12वीं कक्षा की परीक्षा में 96.84 प्रतिशत उम्मीदवार सफल रहे। इसमें पिछले साल की अपेक्षा मामूली वृद्धि दर्ज की गई है।

बोर्ड ने कोविड19 मामलों में वृद्धि के कारण अपनी लंबित परीक्षाओं को रद्द कर दिया था और परिणाम की गणना एक वैकल्पिक मूल्यांकन योजना के आधार पर की गयी है। सीआईएससीई के मुख्य कार्यकारी और सचिव गेरी अराथून ने कहा कि असाधारण परिस्थितियों को देखते हुए इस साल 2020 की परीक्षाओं के लिए मेरिट सूची प्रकाशित नहीं की जाएगी। उन्होंने कहा, यह साल कोविड19 महामारी और राष्ट्रीय और राज्यों के कइ लॉकडाउन के कारण सबके लिए विशेष रूप से कठिन रहा है।

बोर्ड ने पिछले सप्ताह कोरोना वायरस मामलों में वृद्धि के मद्देनजर लंबित परीक्षाओं को रद्द किए जाने के बाद दोनों कक्षाओं के लिए एक वैकल्पिक मूल्यांकन योजना की घोषणा की थी। घोषित नतीजों के अनुसार, कक्षा 10 की परीक्षा में कुल 2,06,525 उम्मीदवार सफल रहे है वहीं 1,377 उम्मीदवार असफल रहे हैं। इस परीक्षा को भारतीय माध्यमिक शिक्षा प्रमाणपत्र (आईसीएसई) भी कहा जाता है। कक्षा 12 की परीक्षा में 85,611 परीक्षार्थी सफल हुए हैं जबकि 2,798 विद्यार्थी असफल रहे हैं।

अराथून ने कहा, इस बिदु पर, हम अपने उम्मीदवारों की सराहना करना चाहते हैं, जिन्होंने इस संकट की अवधि के दौरान अनुकरणीय धैर्य का प्रदर्शन किया... शेष विषयों की संभावित विलंबित परीक्षा के लंबे इंतजार की पीड़ा का सामना किया। आपके धैर्य और दृढ़ता की प्रशंसा की जानी चाहिए। आईसीएसई परीक्षा 61 लिखित विषयों में आयोजित की जाती है जिनमें 22 भारतीय भाषाएं हैं, नौ विदेशी भाषाएं और दो शास्त्रीय भाषाएं हैं।

परीक्षा में कुल 2,341 स्कूलों के उम्मीदवार शामिल हुए। आईएससी परीक्षा (12वीं) 51 लिखित विषयों में आयोजित की जाती है, जिनमें से 15 भारतीय भाषाएं हैं, छह विदेशी भाषाएं हैं और एक शास्त्रीय भाषा है।

परीक्षा में कुल 1,125 स्कूलों के छात्र शामिल हुए। कोरोना वायरस के कारण पहले स्थगित कर दी गयी परीक्षाएं एक से 14 जुलाई के बीच होने वाली थीं। लेकिन बाद में कोविड19 मामलों में वृद्धि को देखते हुए परीक्षाएं रद्द कर दी गयीं। जो छात्र अपनी परीक्षा का पुनर्मूल्यांकन चाहते हैं, वे 16 जुलाई तक आवेदन कर सकते हैं।

भारत में कोविड मृत्यु दर गिरकर 2.72 प्रतिशत हुई

पहली बार एक दिन में कोरोना के 26 हजार से अधिक मामले

(विशेष संवाददाता)

नई दिल्ली । केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने शुक्रवार को कहा कि भारत में कोविड 19 से होने वाली मृत्यु दर एक महीने पहले 2.82 थी जो अब गिरकर 2.72 प्रतिशत हो गई है जो कई अन्य देशों के मुकाबले कम है।उसने कहा कि 30 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में मृत्यु दर राष्ट्रीय औसत से कम है।

मंत्रालय ने कहा कि साथ ही स्वस्थ होने की दर में वृद्धि हुई है और शुक्रवार तक 62.42 प्रतिशत मरीज स्वस्थ हुए। 18 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में स्वस्थ होने की दर राष्ट्रीय औसत से अधिक रही।इसमें कहा गया है, ''राष्ट्रीय स्तर पर मृत्यु दर गिरकर 2.72 प्रतिशत रह गई। यह दुनिया में कई देशों की मृत्यु दर से कम है। देश में कोविड19 प्रबंधन का ध्यान मृत्यु दर कम रखने पर रहा है।''मंत्रालय ने कहा कि केंद्र सरकार के सहयोग और दिशा निर्देशों से राज्यों तथा केंद्र शासित प्रदेशों ने बुजुर्ग लोगों और विभिन्न बीमारियों से पीड़ित लोगों की पहचान करने जैसे कई कदम उठाए और उन्हें विशेष देखभाल मुहैया कराई।उसने कहा कि जिन 30 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में मृत्यु दर राष्ट्रीय औसत से कम रही उनमें केरल (0.41),

झारखंड (0.71), बिहार (0.82), तेलंगाना (1.07), तमिलनाडु (1.39), हरियाणा (1.48), राजस्थान (2.18), पंजाब (2.56) और उत्तर प्रदेश (2.66) शामिल हैं।

मणिपुर, नगालैंड, दादरा और नगर हवेली तथा दमन और दीव, मिजोरम, अंडमान और निकोबार द्वीप, सिक्किम में मृत्यु दर शून्य रही।वहीं 18 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में स्वस्थ होने की दर राष्ट्रीय औसत से अधिक रही। इनमें पश्चिम बंगाल (64.94), उत्तर प्रदेश (65.28), ओडिशा (66.13), झारखंड (68.02), पंजाब (69.26), बिहार (70.40), गुजरात (70.72), मध्य प्रदेश (74.85), हरियाणा (79.91), राजस्थान (75.65) और दिल्ली (76.81) शामिल हैं। शुक्रवार को भारत में एक दिन में कोविड19 के सर्वाधिक 26,506 मामले आने के साथ ही संक्रमितों की संख्या 7,93,802 पर पहुंच गई जबकि 24 घंटों में 475 लोगों की मौत के साथ मृतकों की संख्या 21,604 पर पहुंच गई।मंत्रालय ने बताया कि 24 घंटे के दौरान 19,138 मरीज स्वस्थ हो गए। इसके साथ ही शुक्रवार तक कुल 4,95,515 मरीज इस संक्रामक बीमारी से उबर गए।उसने कहा, ''कोविड19 से स्वस्थ होने वाले मरीजों की संख्या बढ़ रही है। स्वस्थ होने वाले लोगों की दर आज 62.42 प्रतिशत है।''देश में अब भी 2,76,682 लोग संक्रमित हैं और सभी चिकित्सीय निगरानी में हैं।मंत्रालय ने कहा कि स्वस्थ होने की दर में सुधार राज्यों तथा केंद्र शासित प्रदेशों के साथ मिलकर केंद्र द्वारा उठाए सक्रिय कदमों का नतीजा है।उसने कहा, ''तेजी से जांच करने से मरीजों का जल्दी पता चलने, हल्के लक्षण वाले मरीजों को घर पर पृथकवास में रखने, गंभीर मामलों से प्रभावी तौर से निपटने, अस्पताल का बुनियादी ढांचा सुधारने और राज्यों तथा केंद्र शासित प्रदशों के बीच समन्वय से देश में मरीजों के स्वस्थ होने की दर में सुधार हुआ।''देश में शुक्रवार तक 1,218 कोविड अस्पताल हैं, 2,705 कोविड स्वास्थ्य केंद्र हैं और 10,301 कोविड देखभाल केंद्र हैं।

देश में तेजी से बढ़ रहे कोरोना संक्रमण के पिछले 24 घंटों में 26,506 मामले सामने आये हैं जो अब तक एक दिन में सर्वाधिक हैं। केन्द्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय की ओर से शुक्रवार को जारी आंकड़ों के मुताबिक देश भर में पिछले 24 घंटों के दौरान कोरोना संक्रमण के 26,506 नये मामले सामने आये हैं जिससे संक्रमितों की संख्या 7,93,802 हो गयी है। इससे एक दिन पहले सर्वाधिक 24,879 मामले सामने आये थे।

संक्रमण के तेजी से बढ़ रहे मामलों के बीच राहत की बात यह है कि इससे स्वस्थ होने वाले लोगों की संख्या भी बढ़ी है तथा इस दौरान 19,135 रोगी स्वस्थ हुए हैं, जिन्हें मिलाकर अब तक कुल 4,95,513 लोग रोगमुक्त हो चुके हैं। देश में अभी कोरोना संक्रमण के 2,76,685 सक्रिय मामले हैं।

चीन पस्त, पूर्वी लद्दाख से सभी सैनिकों को पीछे हटाने को राजी

(विशेष संवाददाता)

नई दिल्ली । 5 मई से 5 जुलाई की दो महीने की लंबी अवधि तक तमाम तरह के हथकंडे अपनाकर भी भारत पर दबाव बनाने में बुरी तरह नाकाम रहा चीन अब शांति का राग अलापने लगा है। पूर्वी लद्दाख में वास्तविक नियंत्रण रेखा पर धौंस दिखाकर भारतीय क्षेत्र पर कब्जा करने का सपना देख रहे चीन को भारत से तो मुंहतोड़ जवाब मिला ही, विश्व बिरादरी में भी उसके खिलाफ जबर्दस्त माहौल बन गया। अब चीन समझ चुका है कि वो अपने ही फेंके जाल में बुरी तरह फंस गया तो सीमा पर शांति और संयम की दुहाई देने लगा। यही वजह है कि उसने भारत के साथ दोबारा अमन की बहाली की प्रक्रिया तेज कर दी है।

इसी सिलसिले में चीन ने भारत के साथ पूर्वी लद्दाख में सीमा विवाद पर राजनयिक स्तर की वार्ता की और वास्तविक नियंत्रण रेखा पर शांति पूरी तरह बहाल करने के लिए क्षेत्र से सैनिकों के पूरी तरह पीछे हटने पर सहमति जताई। भारतीय विदेश मंत्रालय ने इसकी जानकारी देते हुए कहा कि भारत चीन सीमा मामलों पर परामर्श और समन्वय के लिए कार्य प्रणाली की रूपरेखा के तहत वार्ता आयोजित की गई। मंत्रालय ने बताया कि दोनों पक्षों ने द्विपक्षीय समझौतों तथा प्रोटोकॉल के अनुरूप सीमावर्ती

क्षेत्रों में अमनचैन पूरी तरह बहाल करने के लिए एलएसी के आसपास सैनिकों के पूरी तरह पीछे हटने की बात दोहराई।

विदेश मंत्रालय ने एक बयान में कहा, उन्होंने इस बात पर भी सहमति जताई कि द्विपक्षीय संबंधों के समग्र विकास के लिए सीमावर्ती क्षेत्रों में दीर्घकालिक अमनचैन बनाए रखना जरूरी है। वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से हुई बातचीत में भारतीय पक्ष की अगुवाई विदेश मंत्रालय में संयुक्त सचिव (पूर्वी एशिया) ने की, वहीं चीनी पक्ष का नेतृत्व चीन के विदेश मंत्रालय में सीमा और समुद्री विभाग के महानिदेशक ने किया। मंत्रालय ने कहा, उन्होंने भारतचीन सीमावर्ती क्षेत्रों में हालात की समीक्षा की जिसमें पश्चिमी क्षेत्र में एलएसी पर जारी सैनिकों के पीछे हटने की प्रक्रिया की प्रगति की समीक्षा भी शामिल है।

उसने कहा कि दोनों पक्षों ने सहमति जताई कि वरिष्ठ कमांडरों के बीच हुई सहमतियों को गंभीरता से लागू करने की जरूरत है। भारत और चीन की सेनाओं के बीच पूर्वी लद्दाख में पिछले करीब आठ सप्ताह से कई जगहों पर गतिरोध की स्थिति बनी हुई है। पिछले महीने गलवान घाटी में हिंसक झड़प में 20 भारतीय सैनिकों के शहीद होने के बाद तनाव और बढ़ गया। चीनी सेना ने पिछले पांच दिन में भारतीय सेना के साथ सहमतियों के अनुरूप गतिरोध वाले तीन बिंदुओं से सैनिकों की वापसी कराई है।

एक नजर

महिला गर्भपात कराने की मंजूरी के लिए उच्च न्यायालय पहुंची

नई दिल्ली। दिल्ली उच्च न्यायालय ने एक महिला के 23 सप्ताह के गर्भ के समापन के लिये दायर याचिका पर शुक्रवार को आप सरकार और एम्स को नोटिस जारी किया। इस महिला की याचिका के अनुसार गर्भ में पल रहे भ्रूण में गंभीर किस्म की विकृतियां है। मुख्य न्यायाधीश डी एन पटेल और न्यायमूर्ति प्रतीक जालान की पीठ ने दिल्ली सरकार और अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) को नोटिस जारी कर महिला की याचिका पर उनसे जवाब मांगा है।पीठ ने महिला की जांच करने के बाद एम्स को 13 जुलाई तक अपनी रिपोर्ट अदालत को देने का निर्देश दिया है। इस मामले में अब 14 जुलाई को आगे सुनवाई होगी। महिला ने वकील स्नेहा मुखर्जी के जरिए दायर की याचिका में कहा कि उसके गर्भ में पल रहे बच्चे को ''स्पाइना बिफिडा और आर्नोल्ड चिरी सिंड्रोम'' है जिससे रीढ़ की हड्डी का सही तरीके से विकास नहीं होता और मस्तिष्क का ऊतक रीढ़ की नाल तक बढ़ जाता है।

यूनियन बैंक ने भी एमसीएलआर 0.20 फीसदी घटाया, सस्ता होगा लोन

नई दिल्ली। स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (एसबीआई) के बाद सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक यूनियन बैंक ऑफ इंडिया ने भी विभिन्न अवधि के लिए कोष की सीमांत लागत आधारित ब्याज दर (एमसीएलआर) में 0.20 फीसदी कटौती का ऐलान किया है। नई दरें 11 जुलाई, 2020 से लागू होंगी। बैंक ने शुक्रवार को जारी एक एक विज्ञप्ति में कहा कि संशोधित एक वर्षीय एमसीएलआर 7.60 फीसदी की जगह 7.40 फीसदी होगी। वहीं, तीन महीने और छह महीने के एमसीएलआर की दर को घटाकर क्रमशः 7.10 फीसदी और 7.25 फीसदी कर दिया गया है। उल्लेखनीय है कि पिछले साल जुलाई से बैंक द्वारा लगातार 13 बार ब्याज दर में कटौती की गई है। इससे पहले देश के सबसे बड़े बैंक एसबीआई ने छोटी अवधि के लिए एमसीएलआर में 0.05 से 0.10 फीसदी की कटौती की थी। सार्वजनिक क्षेत्र के एक अन्य बैंक इंडियन ओवरसीज बैंक (आईओबी) ने भी सभी अवधि के लिए एमसीएलआर में 0.25 फीसदी तक घटाया है।

अब खाने के तेल के बाजार में उतरी अमूल

नई दिल्ली। डेयरी कारोबार से जुड़े देश की अग्रणी कंपनी अमूल अब खाने के तेल के कारोबार में भी उतर गई है. कंपनी ने गुजरात में ''जन्मे' ब्रांड से खाद्य तेल लांच किया है. कंपनी ने एक बयान में कहा कि खाने के तेल में कारोबार में उतरने से तिलहन किसानों को उनकी फसल का आकर्षक मूल्य मिलेगा अमूल के एमडी आरएस सोढ़ी ने कहा, 'गुजरात के किसानों को तिलहन का बाजिव भाव दिलाने और घरेलू खाद्य तेल उत्पादन में आत्मनिर्भर बनने के लिए कंपनी ने ''जन्मे'' ब्रांड के तहत खाद्य उत्पादों की एक श्रृंखला लांच की है।

उन्होंने कहा कि कंपनी ने 1990 के दशक में धारा ब्रांड के तहत सरसों और अन्य तेलों की मार्केटिंग शुरू की थी . इसे देखते हुए कंपनी को इस क्षेत्र में कारोबार का अनुभव है. भारत खाद्य तेलों का दुनिया का सबसे बड़ा आयातक है और खाद्य तेलों के आयात पर हर साल लगभग 75,000 करोड़ रुपये खर्च करता है. उन्होंने कहा , 'वर्तमान में, भारत खाद्य तेल की कुल मांग का 65 फीसदी आयात कर रहा है. पालनपुर स्थित बनासकांठा जिला सहकारी दुग्ध उत्पादक संघ अमूल रोजाना 200 टन तिलहन का प्रसंस्करण करेगा. सोढ़ी ने कहा कि इस साल उसने अपने किसानों के नेटवर्क से सरसों और मूंगफली की खरीद की है ।

दिल्ली गुरुद्वारा कमेटी का चुनाव समय पर होगा, दिल्ली सरकार एक्टिव

दिल्ली सरकार के मंत्री राजेंद्र गौतम ने बुलाई विशेष बैठक, निष्पक्ष चुनाव का दिए निर्देश

(विशेष संवाददाता)

नई दिल्ली , 10 जुलाई दिल्ली सरकार के गुरुद्वारा कमेटी का चुनाव समय पर करवाने और फोटो युक्त पहचान पत्र बनाने को लेकर दिल्ली के सिखों की डिमांड पर दिल्ली सरकार एक्टिव हो गई है। इसको लेकर दिल्ली सरकार के चुनाव मंत्री राजेंद्र पाल गौतम ने आज विशेष बैठक बुलाई। इस मौके पर कमेटी चुनाव मार्च 2021 की तैयारियों का जायजा लेने के साथ दिल्ली गुरुद्वारा चुनाव निदेशालय के निदेशक और चुनाव अधिकारी के साथ चर्चा की। बैठक में गौतम ने पिछले गुरुद्वारा चुनाव के मतदान में अनियमितता और फर्जी मतदान की शिकायतों को ध्यान में रखते हुए दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के आगामी चुनाव को पूरी तरह पारदर्शी और निष्पक्ष ढंग से संपन्न करवाने का निर्देश दिया। उन्होंने इस काम के लिए गुरुद्वारा चुनाव निदेशालय को दिल्ली के मुख्य चुनाव अधिकारी कार्यालय की ओर से हाल में ही दिल्ली विधानसभा चुनाव, 2020 की राज्य मतदाता सूची को प्राप्त करने और उस आधार पर सिख मतदाताओं की फोटो युक्त मतदाता सूची बनाने का आदेश दिया। उन्होंने गुरुद्वारा चुनाव निदेशालय को आगामी गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी चुनाव की फोटो मतदाता सूची को तैयार करने के लिए दिल्ली सरकार के सूचना एवं प्रौद्योगिकी विभाग से सहायता लेने के लिए कहा है। कैबिनेट मंत्री राजेन्द्र पाल गौतम ने कहा कि इन उपायों को करने से समय की बचत के साथसाथ पारदर्शी और निष्पक्ष ढंग से गुरुद्वारा चुनाव करवाने का दिल्ली सरकार का संकल्प निर्धारित समय में पूरा हो सकेगा। उन्होंने इस कार्य को गति देने के लिए शीघ्र ही दिल्ली के मुख्य चुनाव अधिकारी कार्यालय और सूचना एवं प्रौद्योगिकी विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ एक बैठक आयोजित करने का भी निर्देश दिया। बैठक में, गुरुद्वारा चुनाव निदेशालय के निदेशक ने बताया कि उच्च न्यायालय, दिल्ली के आदेश अनुसार, राजधानी में सिख मतदाताओं की नई मतदान सूची बनाकर चुनाव कराया जाना है। अभी कोविड19 आपदा में विभागीय कर्मचारियों की आपदा प्रबंधन में ड्यूटी के कारण मतदाता सूची बनाने का काम शुरू होना है। दिल्ली गुरुद्वारा चुनाव निदेशालय ने दिल्ली सरकार के सेवा विभाग को चुनाव के लिए आवश्यक स्टाफ प्रदान करने के विषय में पत्र लिखा है। बता दें कि दिल्ली कमेटी के पूर्व महासचिव एवं वर्तमान सदस्य गुरमीत सिंह शंटी ने पांच दिन पहले ही निदेशालय एवं सरकार को चिटठी लिखकर समय पर चुनाव कराने की गुहार लगाई थी।

4 साल होता है कार्यकाल, मार्च 2021 में होगा चुनाव

दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के सदस्यों के चुनाव, दिल्ली सरकार गुरुद्वारा चुनाव निदेशालय द्वारा लोकतांत्रिक तरीके से करवाए जाते हैं। इसके सदस्यों का कार्यकाल चार साल का होता है। पिछला चुनाव फरवरी 2017 में करवाए गए थे, आगामी चुनाव मार्च 2021 में होने हैं। पूरी दिल्ली को चुनाव की दृष्टि से 46 गुरुद्वारा वार्डों में बांटा गया है। गुरुद्वारा वार्ड मतदाता सूची में 18 वर्ष से ऊपर की आयु के पात्र सिक्ख नागरिकों का पंजीकरण किया जाता है। अभी तक की गुरद्वारा वार्ड मतदाता सूची में 38,3561 मतदाताओं के नाम दर्ज हैं। वर्ष 2017 में हुए गुरुद्वारा चुनाव में 45.68 प्रतिशत मतदान हुआ था।

संसद एक्ट के तहत बनी है दिल्ली गुरुद्वारा कमेटी

दिल्ली सरकार के गुरुद्वारा चुनाव निदेशालय की स्थापना वर्ष 1974 में संसद में दिल्ली सिख गुरुद्वारा अधिनियम 1971 के नाम से पारित एक अधिनियम के तहत हुई थी। दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबंधन समिति का पहला, दूसरा, तीसरा, चौथा और पांचवा आम चुनाव क्रमशः वर्ष 1974, 1978, 1995, 2002, 2007 एवं 2013 में हुए थे। निदेशालय, गुरुद्वारा चुनाव करवाने के अलावा दिल्ली सिख गुरुद्वारा अधिनियम, 1971 के प्रावधानों के पालन के साथ गुरुद्वारा वार्डों के परिसीमन और अधिनियम और नियमों में संशोधन के कार्य को भी सुनिश्चित करता है।

प्लाज्मा डोनर की कहानियां सुन कर दिल्लीवासियों पर गर्व

(वूमेन एक्सप्रेस ब्युरो)

नई दिल्ली । मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने फोन कर प्लाज्मा दान करने वाले डोनर्स से बात की और इसके लिए उन्हें धन्यवाद दिया। मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने कहा कि आप हमारे 'हीरो' हैं। मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने प्लाज्मा डोनर श्रृष्टि और भूमिका से उनके अनुभवों को भी जाना। दोनों डोनर ने बताया कि उन्हें प्लाज्मा दान करने के दौरान दर्द या कमजोरी जैसी कोई परेशानी नहीं हुई। उन्होंने मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की तारीफ करते हुए कहा, 'आप पर हमें गर्व है, आपने प्लाज्मा दान करने के लिए हमें प्रेरित किया। प्लाज्मा बैंक बहुत अच्छा बनाया गया है।' मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने दोनों का आभार जताते हुए उन्हें कोविड से ठीक हो चुके दूसरे लोगों को भी प्लाज्मा दान करने के लिए प्रेरित करने की अपील की, ताकि ज्यादा से ज्यादा लोगों की जान बचाई जा सके। मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने ट्वीट कर कहा, 'जब मैं प्लाज्मा डोनर की कहानियां सुनता हूं, तो मुझे

अपने दिल्लीवासियों पर बहुत गर्व महसूस होता है। इसलिए मैंने कुछ डोनर्स से बात करके उन्हें बधाई देने का फैसला किया।' मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने प्लाज्मा दान करने वाली श्रृष्टि को फोन कर उनसे बात की। मुख्यमंत्री ने पूछा कि अब उनकी तबीयत कैसी है? श्रृष्टि ने बताया, मैं बिल्कुल ठीक है। मुझे 5 दिनों तक कोरोना के लक्षण थे, इसके बाद बिल्कुल ठीक हो गया।% श्रृष्टि ने बताया कि कोरोना से पूरी तरह से ठीक होने के बाद उन्होंने प्लाज्मा डोनेट किया है। श्रृष्टि ने मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल का धन्यवाद करते हुए कहा कि यह सब आपकी वजह से हुआ। हमें आपने मोटिवेट किया कि आप जाओ प्लाज्मा डोनेट करो। प्लाज्मा बैंक भी बहुत अच्छा बनाया हुआ है। मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने पूछा कि प्लाज्मा दान करने के दौरान कोई परेशानी तो नहीं हुई? इस पर श्रृष्टि ने कहा कि हमें कोई परेशानी नहीं हुई। हमें न कोई दर्द हुआ और न कमजोरी आई। प्लाज्मा बैंक के स्टॉफ ने पहले हमें पूरी जानकारी दी कि कैसे प्लाज्मा देना है? मुख्यमंत्री ने कहा कि कई लोगों को मैं फोन करता हूं।

भूजल दोहन पर होगी सख्त कार्रवाई, सील किए जाएंगे बोरवेल

नई दिल्ली। अवैध भूजल दोहन रोकने के लिए जल बोर्ड ने सख्ती शुरू कर दी है। इसके तहत राष्ट्रीय हरित अधिकरण (एनजीटी) के निर्देश पर भूजल दोहन रोकने के लिए जल बोर्ड ने एसओपी (स्टैंडर्ड ऑपरेटिग प्रोसिजर) तैयार किया है। साथ ही जिला प्रशासन को पहचान किए गए 12,154 अवैध बोरवेल को दो माह में सील करने का निर्देश दिया है। जिला प्रशासन को हर सप्ताह कार्रवाई की रिपोर्ट सौंपने का भी निर्देश दिया गया है। जल बोर्ड के उपाध्यक्ष राघव चड्ढा ने कहा कि अवैध भूजल दोहन रोकने के लिए केजरीवाल सरकार सख्ती से निपटेगी। चड्ढा ने कहा कि जल बोर्ड ने 19,154 अवैध बोरवेल की पहचान की है, जिसमें से अब तक 7 हजार बोरवेल सील कर दिए गए हैं। शेष बचे बोलवेल को प्राथमिकता के आधार पर अभियान चलाकर सील किया जाएगा। इन सभी बोरवेल को सील करने के बाद दूसरे चरण में और अधिक अवैध बोरवेल की पहचान की जाएगी।

बैंक कर्मचारियों को भी मिले कोरोना वॉरियर्स का दर्जाः डीपीबीडब्ल्यूओ

(वूमेन एक्सप्रेस ब्युरो)

नई दिल्ली। देश वैश्विक महामारी कोविड 19 से जूझ रहा है। डॉक्टर्स, पैरा मेडिकल स्टाफ और पुलिस कर्मचारियों सहित बैंक कर्मचारी भी इन परिस्थितियों में आवश्यक सेवाओं को बनाए रखने के लिए योगदान दे रहे हैं।

बैंक आवश्यक व्यक्तियों जैसे प्रधानमंत्री जन धन योजना (पीएमजेडीवाई) महिलाओं के खाते, विभिन्न प्रकार के पेंशन भोगी, एमएसएमई को वित्तीय सहायता देने में सरकार की मदद कर रहे हैं, लेकिन इस महामारी में भी सरकार की योजनाओं को जनजन तक पहुंचाने वाले बैंक कर्मचारीयों को कोरोना वॉरियर्स का दर्जा नहीं दिया गया है। दिल्ली प्रदेश बैंक वर्कर्स ऑर्गेनाइजेशन (डीपीबीडब्ल्यूओ) ने शुक्रवार को जारी बयान में यह बातें कही। ऑर्गेनाइजेशन ने कहा कि सरकार ने डॉक्टरों, पैरा मेडिकल स्टाफ और पुलिस कर्मचारियों को तो कोरोना वॉरियर्स का दर्जा दिया है लेकिन बैंक कर्मचारियों से सरकार सौतेले बच्चों जैसी व्यवहार कर रही है। सरकार कोरोना वॉरियर्स को कोविड19 के कारण दुर्भाग्यपूर्ण घटना के लिए 50 लाख का बीमा कवर और पूर्ण स्वास्थ्य उपचार खर्च सहित प्रोत्साहन और मुआवजा प्रदान करा रही है। नोटबंदी के दौरान भी दिन रात काम करने के बाद भी किसी प्रकार का प्रोत्साहन बैंक कर्मचारियों को नहीं दिया गया था और तो और बैंक कर्मचारियों का वेतन समझौता जो कि 1 नवम्बर 2017 से लंबित है नहीं मिल पा रहा है। आए दिन बैंक कर्मचारी कोरोना वायरस से संक्रमित हो रहे हैं। अभी तक 1500 से अधिक बैंक कर्मचारी इस महामारी की चपेट में आ चुके हैं और लगभग 50 बैंक कर्मचारियों की मृत्यु हो चुकी है।

यह सब इसलिए हो रहा है क्योंकि सरकार के दिशानिर्देशों के बाद भी बैंकों में ना तो अच्छी तरह से सैनिटाइजेशन होता है और न ही कम स्टाफ से काम करने के निर्देशों का पालन हो रहा है। बैंकों में ग्राहकों की भीड़ भी कम नहीं होती। ऑर्गेनाइजेशन ने मांग करते हुए कहा कि बैंक कर्मचारियों को भी कोरोना वॉरियर्स घोषित किया जाए और उनका 50 लाख का बीमा करवाया जाए। संक्रमित होने पर कर्मचारियों के अस्पताल का पूरा खर्च बैंक द्वारा किया जाए। बैंकों में रोजाना सैनिटाइजेशन किया जाए और सुरक्षा के सभी उपकरण उपलब्ध कराए जाएं।

ऑनलाइन क्लास से इन्कार नहीं कर सकते स्कूलः हाईकोर्ट

नई दिल्ली। शिक्षा निदेशालय ने 18 अप्रैल को एक आदेश में कहा था कि कोरोना महामारी में लॉकडाउन के दौरान स्कूल सिर्फ ट्यूशन फीस ही ले सकते हैं। एक निजी स्कूल ने निदेशालय के इस आदेश के खिलाफ हाई कोर्ट में याचिका दाखिल कर फीस न मिलने पर ऑनलाइन क्लास की सुविधा उपलब्ध कराने से इन्कार करने की इजाजत मांगी। पीठ ने सुनवाई के दौरान कहा कि सिर्फ उन बच्चों को ऑनलाइन क्लास की सुविधा देने से इन्कार किया जा सकता है जो आर्थिक स्थिति ठीक होने के बाद भी फीस नहीं दे रहे। पीठ ने निजी स्कूल की तरफ से पेश हुए अधिवक्ता से कहा कि पहले दो महीने से फीस नहीं देने वाले बच्चों के परिजनों को नोटिस भेजकर उनसे फीस न देने का कारण पूछा जाए। अगर परिजन अपनी आर्थिक स्थिति को लेकर संतोषजनक जवाब दे सकें तो उन परिजनों के खिलाफ आगे कोई कदम नहीं उठाया जाए। पीठ ने कहा कि जिन बच्चों के परिजन संतोषजनक जवाब नहीं दे सकें उनके बच्चों को ऑनलाइन क्लास की सुविधा देने से इन्कार किया जा सकता है। पीठ ने कहा कि अगर कोई परिजन स्कूल के फैसले से असंतुष्ट हो तो वह संबंधित प्राधिकारी से संपर्क कर सकता है।

तबलीगीः 62 मलेशियाई,11 सऊदी नागरिकों को जुर्माना अदा करने पर रिहाई की अनुमति मिली

(वूमेन एक्सप्रेस ब्युरो)

नई दिल्ली । दिल्ली की एक अदालत ने शुक्रवार को मलेशिया के 62 और सऊदी अरब के 11 नागरिकों को रिहाई के लिये क्रमशः 77 और 1010 हजार रुपये जुर्माना भरने की अनुमति दे दी। इन विदेशी नागरिकों ने कथित रूप से वीजा समेत कई नियमों का उल्लंघन कर कोविड19 लॉकडाउन के दौरान यहां तबलीगी जमात के एक कार्यक्रम में हिस्सा लिया था। इस संबंध में उन्होंने सजा कम करने के आवेदन दायर कर खुद पर लगे हल्के आरोपों को स्वीकार कर लिया था। विदेशी नागरिकों की ओर से पेश एक वकील ने कहा कि मलेशियाई नागरिकों ने हल्के आरोपों को स्वीकार करके सजा

कम करने की अपील की, जिसके बाद मेट्रोपॉलिटन मजिस्ट्रेट सिद्धार्थ मलिक ने आदेश पारित किया। इस मामले में याचिकाकर्ता लाजपत नगर के एसडीएम, लाजपत नगर के अतिरिक्त पुलिस आयुक्त और निजामुद्दीन के निरीक्षक ने कहा कि उन्हें याचिकाओं पर कोई आपत्ति नहीं है, जिसके बाद उन्हें रिहा करने की अनुमति दे गई। वरिष्ठ अधिवक्ता एस हरि हरन ने कहा कि एक अन्य मेट्रोपोलिटन मजिस्ट्रेट आशीष गुप्ता ने सऊदी अरब के विदेशी नागरिकों के मामले में आदेश पारित किया। उन्होंने भी सजा कम करने के बदले हल्के आरोप स्वीकार किए हैं। इससे पहले बृहस्पतिवार को भी इसी प्रक्रिया के तहत अदालत ने 60 मलेशियाई नागरिकों को 77 हजार रुपये जुर्माना अदाकर रिहाई की अनुमति दी थी।

राजनाथ ने दक्षिण कोरिया के रक्षा मंत्री से फोन पर बात की

नई दिल्ली, (वेबवार्ता)। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने शुक्रवार को दक्षिण कोरिया के अपने समकक्ष जियोंग क्येओंगदू से फोन पर बात की और सैन्य उपकरणों तथा महत्वपूर्ण प्रणालियों के संयुक्त उत्पादन की शुरुआत कर द्विपक्षीय रक्षा संबंधों को और मजबूत करने पर बल दिया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। दक्षिण कोरिया विगत कई साल से भारत को अस्त्रों और सैन्य उपकरणों का बड़ा आपूर्तिकर्ता रहा है। पिछले साल, दोनों देशों ने विभिन्न थल एवं नौसैन्य प्रणालियों के संयुक्त उत्पादन में सहयोग के लिए एक प्रारूप को अंतिम रूप दिया। सरकार ने मई में रक्षा क्षेत्र में विदेशी कंपनियों को आकर्षित करने के लिए स्वतः स्वीकृत मार्ग के तहत 74 प्रतिशत प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) की अनुमति देकर रक्षा विनिर्माण में एफडीआई नियमों में छूट देने की घोषणा की थी। टेलीफोन पर यह वार्ता भारत और चीन के बीच सीमा मुद्दे पर उत्पन्न तनाव के बीच हुई है। तत्काल यह पता नहीं चल पाया है कि बातचीत के दौरान यह मुद्दा उठा या नहीं। रक्षा मंत्रालय के एक बयान में कहा गया कि टेलीफोन पर हुई वार्ता के दौरान साझा सुरक्षा हितों से जुड़े क्षेत्रीय घटनाक्रमों पर भी विचारों का आदानप्रदान हुआ। मजबूत करने की प्रतिबद्धता व्यक्त की। रक्षा मंत्रालय ने कहा, ''भारत और कोरिया गणराज्य के बीच रक्षा उद्योग और रक्षा प्रौद्योगिकी सहयोग के क्षेत्र में हुस समझौतों को आगे बढ़ाने पर भी सहमति बनी।''

स्कूलों को मिली राहत, फीस माफी संबंधी याचिका सुनने से सुप्रीम कोर्ट का इंकार

निसा की तरफ से वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल ने रखा स्कूलों का पक्ष

(लोकेश निरवाल)

नई दिल्ली । निजी स्कूलों को सुप्रीम कोर्ट से बड़ी राहत मिली है। शुक्रवार को सुप्रीम कोर्ट ने देश भर के निजी स्कूलों में तीन महीने की फीस माफ करने के निर्देश देने संबंधी याचिका पर सुनवाई से शुक्रवार को इनकार कर दिया। यह याचिका दिल्ली, महाराष्ट्र, उत्तराखंड, हरियाणा, गुजरात, पंजाब, ओडिशा, राजस्थान और मध्य प्रदेश के अभिभावक संघों की ओर से दायर की गयी थी।

याचिकाकर्ताओं ने सुप्रीम कोर्ट से अप्रैल, मई और जून की फीस माफी के आदेश देने और पूरे देश में लॉकडाउन की अवधि के दौरान की फीस के ढांचे और संग्रहण को नियंत्रित करने के लिए एक प्रणाली विकसित करने के निर्देश देने का

अनुरोध किया था। वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल ने निजी स्कूलों के अखिल भारतीय संगठन नेशनल इंडिपेंडेंट स्कूल्स अलायंस (निसा) का पक्ष रखा और कोर्ट को विभिन्न व्यवहारिक पहलुओं से अवगत कराया। दोनों पक्षों को सुनने के बाद कोर्ट ने याचिकाकर्ताओं को अपनी फरियाद संबंधित राज्यों के हाईकोर्टों में ले जाने की सलाह दी। मुख्य न्यायाधीश शरद अरविंद बोबडे, न्यायमूर्ति आर सुभाष रेड्डी और न्यायमूर्ति ए एस बोपन्ना की खंडपीठ ने सुशील शर्मा एवं अन्य की याचिका सुनने से यह कहते हुए इनकार कर दिया कि स्कूल फीस संबंधी मुद्दे को संबंधित राज्यों के उच्च न्यायालयों के समक्ष उठाया जाना चाहिए।

सुनवाई के दौरान मुख्य न्यायाधीश ने कहा कि प्रत्येक राज्य की स्थिति अलगअलग है। याचिकाकर्ताओं ने पूरे देश के स्कूलों के लिए यह याचिका दायर की है। न्यायमूर्ति बोबडे ने कहा, यह हमारे लिए समस्या है कि पूरे देश के स्कूलों के लिए एकमुश्त तौर पर कौन निर्णय लेगा। प्रत्येक राज्य की अलगअलग समस्याएं हैं। पक्षकार इस अदालत के अधिकार क्षेत्र को बहुप्रयोजन जैसा समझते हैं, लेकिन प्रत्येक राज्य और प्रत्येक जिले की स्थिति अलग अलग हैं। निसा के राष्ट्रीय अध्यक्ष डा. कुलभूषण शर्मा ने याचिका पर सुनवाई करने से इंकार करने के सुप्रीम कोर्ट के फैसले पर खुशी जताते हुए इसका स्वागत किया। कुलभूषण शर्मा ने कहा फीस लेने न लेने का मामला कोर्ट के अंदर बहस करने का नहीं है। उन्होंने अभिभावकों से राष्ट्र की प्रगति और देश में स्कूली व्यवस्था को बेहतर बनाने में निजी स्कूलों की भूमिका को स्वीकार करने और इस कार्य में सहयोग करने का अनुरोध किया।

दिल्ली मेट्रो को रीवा से मिलेगी 34.50 करोड़ यूनिट सौर ऊर्जा

नई दिल्ली, (वेबवार्ता)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा शुक्रवार को देश को समर्पित 750 मेगावाट क्षमता के रीवा सौर ऊर्जा संयंत्र से दिल्ली मेट्रो को भी बड़ा लाभ होने वाला है। इस संयंत्र से दिल्ली मेट्रो को हर साल 34.50 करोड़ यूनिट सौर ऊर्जा मिलेगी। इससे दिल्ली मेट्रो में कुल बिजली खपत का 32 फीसद और दिन में 60 फीसद जरूरत पूरी होगी। इससे दिल्ली मेट्रो का खर्च भी बचेगा। 18 अप्रैल 2019 को पहली बार वायलेट लाइन पर सौर ऊर्जा से मेट्रो का परिचालन शुरू हुआ था। उस समय रीवा से दिल्ली मेट्रो को करीब 27 मेगावाट सौर ऊर्जा की आपूर्ति शुरू हुई थी। इन दिनों वैश्विक महामारी कोरोना वायरस के संक्रमण के कारण दिल्ली मेट्रो का परिचालन करीब साढे तीन माह से बंद है, लेकिन परिचालन शुरू होने पर सौर ऊर्जा से मेट्रो रफ्तार भरेगी। दरअसल, मेट्रो को सालाना करीब 110 करोड यूनिट बिजली की जरूरत होती है, जिस पर डीएमआरसी को भारीभरकम राशि खर्च करनी पड़ती है। यह खर्च कम करने और सौर ऊर्जा को बढ़ावा देने के लिए डीएमआरसी ने रीवा अल्ट्रा मेगा सोलर लिमिटेड, सोलर पावर डेवलपर्स व एमपीपीएमसीएल (मध्य प्रदेश पावर मैनेजमेंट कंपनी लिमिटेड) से समझौता किया था। इसके तहत डीएमआरसी रीवा से सौर ऊर्जा खरीद रहा है। डीएमआरसी के प्रवक्ता का कहना है कि यह परियोजना कई सरकारी, निजी कंपनियों के सहयोग का बेहतर उदाहरण है।

महिला हेल्पलाईन न.

डीएमआरसी—155370
सीआईएसएफ—22185555
दिल्ली पुलिस—1091
दिल्ली सरकार—181
कहीं भी—कभी भी—1090

समाचार एजेंसी वेब वार्ता®
पल-पल की खबर हर पल
समाचार एजेंसी का सदस्य बनने के लिए संपर्क करें
9650061234

एक नजर

मकानों की बिक्री अप्रैल-जून में 67 प्रतिशत घटी: रिपोर्ट

नई दिल्ली। डेटा विश्लेषण फर्म प्रॉपइक्विटी के विश्लेषण के मुताबिक कोरोना वायरस महामारी और इसके चलते देश भर में लागू लॉकडाउन के कारण नौ प्रमुख शहरों में मकानों की बिक्री 67 प्रतिशत घटकर 21,294 इकाई रह गई। प्रॉपइक्विटी के अनुसार अप्रैलजून 2020 के दौरान कुल मकानों की बिक्री 21,294 इकाई रही, जो एक साल पहले की अवधि में 64,378 इकाई थी। इस तरह इसमें 67 प्रतिशत की गिरावट हुई। रिपोर्ट के मुताबिक नोएडा को छोड़कर अन्य सभी आठ शहरों में बिक्री घटी। गुरुग्राम में समीक्षाधीन अवधि में मकानों की बिक्री 791 प्रतिशत घटी और यह पिछले साल की समान अवधि के 1,707 से घटकर 361 इकाई रह गई। इस तरह चेन्नई और हैदराबाद में मकानों की बिक्री 74 प्रतिशत तक गिर गई, जबकि बेंगलुरु में 73 प्रतिशत की गिरावट देखने को मिली। प्रॉपइक्विटी के मुताबिक मुंबई में आवासीय संपत्तियों की बिक्री 63 प्रतिशत, ठाणे में 56 प्रतिशत और पुणे में 70 प्रतिशत घटी। हालांकि, इस दौरान नोएडा में बिक्री में पांच प्रतिशत का इजाफा हुआ और यह 1,123 इकाई से बढ़कर 1,177 इकाई हो गई। हाल में, संपत्ति सलाहकार एनारॉक ने कहा था कि एक अनुमान के मुताबिक इस साल अप्रैलजून के दौरान सात शहरों में बिक्री 81 प्रतिशत घटकर 12,740 इकाई रह गई।

पीपल्स बैंक ऑफ चाइना ने की एचडीएफसी में बिकवाली

नई दिल्ली । चीन के सरकारी बैंक पीपल्स बैंक ऑफ चाइना ने देश की सबसे बड़ी होम लोन कंपनी एचडीएफसी के शेयरों की बिकवाली की है. बीएसई पर शेयरधारकों के मिले ताजा आंकड़ों के अनुसार, यह बिक्री अप्रैल से जून तिमाही के दौरान की गई है।

कंपनी की ओर से दिए गए आंकड़ों के मुताबिक, पीपल्स बैंक ऑफ चाइना का नाम कंपनी के शीर्ष शेयरधारकों की सूची में नहीं था. यह सूची 30 जून तक के आधार पर तैयार की गई थी. हालांकि, 31 मार्च 2020 तक चीन के इस बैंक के पास एचडीएफसी के 1,72,92,909 शेयर या 1.01 फीसदी हिस्सेदारी थी।

बुधवार को जारी सूची के मुताबिक, कंपनी में म्यूचुअल फंडों की हिस्सेदारी भी कम हुई है. यह मार्च तिमाही में 9.52 फीसदी थी, जो जून तिमाही में 9.44 फीसदी हो गई है. विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों की हिस्सेदारी भी 70.88 फीसदी से 70.17 फीसदी रह गई है। शुक्रवार को एचडीएफसी के शेयर 2.6 फीसदी की गिरावट के साथ 1,890 रुपये के भाव तक फिसल गए थे, जबकि गुरुवार को यह शेयर 1,942 रुपये के भाव पर बंद हुए थे. कंपनी के शेयर इस साल 21 फीसदी तक टूट चुके हैं।

मार्च तिमाही में एचडीएफसी का मुनाफा 21.97 फीसदी घटकर 2,233 करोड़ रुपये रहा था, जो बीते साल इसी तिमाही में 2,862 करोड़ रुपये था। कंपनी के मुनाफे में आई गिरावट की असली वजह डिविडेंड आय रही।

दिल्ली में 'पौधे लगाओ, पर्यावरण बचाओ' महा अभियान की शुरूआत

पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने यमुना बैंक के पास स्थित आईटीओ नर्सरी में किया वृक्षारोपण

(विशेष संवाददाता)

नई दिल्ली, 10 जुलाई। दिल्ली के पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने यमुना बैंक के पास आईटीओ स्थित नर्सरी में वृक्षारोपण कर 'पौधे लगाओ, पर्यावरण बचाओ' महा अभियान की शुरूआत की। इस दौरान वन विभाग समेत अन्य विभागों के अधिकारी व कर्मचारी भी मौजूद रहे।

पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने कहा कि दिल्ली सरकार ने केंद्र सरकार से मिले 15 लाख वृक्षारोपण के लक्ष्य की जगह दोगुना (31 लाख) पौधारोपण करने फैसला लिया है। आगामी 26 जुलाई तक चलने वाले पखवाड़े के इस महा अभियान की आज शुरूआत की गई है। उन्होंने कहा कि इस अभियान के तहत लगभग 20 लाख बड़े पौधे लगाए जाएंगे और करीब 11 लाख छोटी छोटी झाड़ियां, छोटे पौधे व दवाइयों के पौधे लगाए जाएंगे। दिल्ली का कोई भी नागरिक वन विभाग की 14 नर्सरियों से निशुल्क पौधे प्राप्त कर पर्यावरण बचाने में अपना योगदान दे सकता है।

दिल्ली के पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने वृक्षारोपण महा अभियान की शुरूआत करने के दौरान मीडिया से कहा कि कोरोना महामारी की चपेट में पूरा देश और पूरी दुनिया हैं। दिल्ली के लोगों के उपर जिस तरह से कोरोना महामारी का संकट मंडरा रहा है। उसी तरह, हर साल दिल्ली वालों की सांसों के उपर भी प्रदूशण का संकट आता है और उससे दिल्ली के लोग अपनी

जिंदगी बचाने के लिए जूझते हैं। आज दिल्ली कोरोना महामारी से लड़ रही है। हमें इस बात की खुशी है कि सबके सहयोग से लगातार कोरोना संक्रमण का प्रतिशत घट रहा है।

पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने कहा कि दिल्ली के अंदर प्रदूशण से हमारी जिंदगी के उपर खतरा मंडराता रहता है। इससे निपटने के लिए केंद्र सरकार ने दिल्ली सरकार को 15 लाख पौधे लगाने का लक्ष्य दिया था। लेकिन दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल जी, दिल्ली सरकार, पर्यावरण विभाग और वन विभाग ने मिल कर यह तय किया है कि जो लक्ष्य हमें केंद्र सरकार से मिला है, उससे हम दोगुना काम करेंगे। आज से दिल्ली के अंदर इस साल के लिए 31 लाख पौधे लगाने के लक्ष्य की शुरूआत हो गई है।

दिल्ली के अंदर 'पौधे लगाओ, पर्यावरण बचाओ' अभियान के तहत आज से यह पखवाड़ा शुरू हो गया है। 10 से 26 जुलाई तक यह अभियान सघन रूप से चलेगा और उसके बाद अलगअलग हिस्सों में इसे जारी रखा जाएगा। इस अभियान के तहत 31 लाख पौधे लगाने का लक्ष्य रखा गया है, उसमें लगभग 20 लाख बड़े पौधे लगाए जाएंगे। साथ ही, करीब 11 लाख छोटीछोटी झाड़ियां, छोटे पौधे, दवाइयों के पौधे लगाए जाएंगे। जिसमें करीब 18 लाख पौधा दिल्ली सरकार के अलगअलग विभागों के द्वारा लगाने का लक्ष्य रखा गया है। इसके अलावा, डीडीए द्वारा करीब 9 लाख, एमसीडी और एनडीएमसी द्वारा करीब 2 से 2.5 लाख पौधे लगाने का लक्ष्य रखा गया है।

आईटीओ नर्सरी के 7 एकड़ भूमि में वृक्षारोपण किया जाएगा

पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने कहा कि दिल्ली के अंदर वन विभाग की 14 नर्सरी है, जिसमें निशुल्क पौधे उपलब्ध कराएं जाएंगे। दिल्ली का कोई भी नागरिक पर्यावरण को बचाने में अपना योगदान देना चाहता है, तो वह नर्सरी से जाकर पौध ले सकता है और पौधारोपण करके पर्यावरण को बचाने में अपना योगदान दे सकता है। पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने कहा कि आज से जो अभियान शुरू हुआ है, इसमें दिल्ली के अलगअलग मंत्री अलगअलग जिलों में इसका नेतृत्व करेंगे। आईटीयो नर्सरी में आज पौधारोपण की शुरूआत की गई है। यहां पर लगभग 7 एकड़ भूमि में वृक्षारोपण का कार्य किया जाएगा। इसी तरह, दिल्ली के अलगअलग हिस्सों में जगह चिंहित किया गया है, जहां पर वृक्षारोपण किया जाएगा।

ओला ने देश में फ्यूमिगेशन सेंटर्स से वाहन सुरक्षा, स्वच्छता को दिया बढ़ावा

(वूमेन एक्सप्रेस ब्युरो)

नई दिल्ली । ओला ने दिल्ली एनसीआर सहित पूरे देश में फ्यूमिगेशन (कीटाणु को नियंत्रित करने की एक प्रणाली) सेंटर्स के माध्यम से वाहन सुरक्षा और स्वच्छता को बढ़ावा दिया। कंपनी ने इन सेंटर्स की स्थापना दिल्लीदूएनसीआर और अन्य परिचालन वाले शहरों में की गई है, जहाँ ओला के सभी वाहन प्रत्येक 48 घंटे में मुफ्त में कीटाणुरहित किये जाते हैं। ओला के प्रवक्ता आनंद सुब्रमण्यन ने कहा, ''ओला के फ्यूमिगेशन सेंटर्स हमारे ग्राहकों और ड्राइवरपार्टनर्स की सुरक्षा और स्वच्छता से सम्बंधित सभी चिंताओं को दूर करने के लिये एक महत्वपूर्ण समाधान हैं।

हमने देशभर में अपने कामकाज को दोबारा शुरू कर दिया है और फ्यूमिगेशन सेंटर्स का हमारा नेटवर्क यात्रियों को उच्च गुणवत्ता की यात्रा का भरोसा दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है।''

उन्होंने कहा कि मॉड्यूल्स और सर्टिफिकेशंस के माध्यम से ओला ने अपने सभी ड्राइवरों को सुरक्षा का पूरा ध्यान रखने के लिये प्रशिक्षित किया है। साथ ही इस प्लेटफॉर्म के सभी कैब्स ने सभी राइड्स में 'सुरक्षा की पांच परतों' को जारी रखा है। इसमें प्रत्येक राइड से पहले ड्राइवरपार्टनर और यात्रियों के लिये मास्क पहनना, ड्राइवरपार्टनर्स की नियमित स्वास्थ्य जाँच और ज्यादा छुई जाने वाली सतहों का सैनिटाइजेशन शामिल है। उन्होंने कहा ओला ने अपना कामकाज दोबारा शुरू कर रही हैं और लोग नये नियमों के अनुसार ढल रहे हैं। इस इंडस्ट्रीज में सुरक्षित और उच्च गुणवत्ता के परिवहन विकल्पों की मांग बढ़ रही है। इस क्षेत्र की कंपनियाँ सुरक्षित राइड में कोई कसर नहीं छोड़ रही हैं और ओला ने भी 'राइड सेफ इंडिया' मूवमेंट के हिस्से के तौर पर कई सुरक्षा पहलों के लिये 500 करोड़ रुपये देने का वादा किया है। प्रवक्ता ने कहा प्रमुख हब्स और एयरपोर्ट्स पर स्थित, इनफ्यूलमिगेशन सेंटर्स में आकर ड्राइवर गुणवत्तापूर्ण सैनिटाइजेशन सेवाएं प्राप्त कर सकते हैं और अपने वाहनों को मुफ्त में डीप क्लीन कर सकते हैं। जब ड्राइवर अपने वाहनों के डीपक्लीन होने की प्रतीक्षा करते हैं, तब समर्पित ओला एक्जीक्यूटिव्स की एक टीम इन ड्राइवरपार्टनर्स के स्वास्थ्य की जाँच करती है।

10वीं मंजिल से कूदकर AIIMS के डॉक्टर ने की खुदकुशी

नई दिल्ली राजधानी दिल्ली स्थित **AIIMS** में एक 25 वर्षीय रेजिडेंट डॉक्टर 10वीं मंजिल से कूदकर खुदकुशी कर ली। गंभीर हालत में उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया था। सूचना मिलने के बाद पुलिस मौके पर पहुंच गई। पुलिस के मुताबिक डॉक्टर को काफी चोट आई और गंभीर हालत में **AIIMS** में ही भर्ती कराया गया लेकिन जान नहीं बचाई जा सकी।

जानकारी के मुताबिक डॉक्टर डिप्रेशन का शिकार था और अपनी मां के साथ रहता था। शाम करीब 5 बजे वह हॉस्टल की बिल्डिंग से कूद गए। पुलिस ने बताया कि डॉक्टर का मोबाइल भी छत से ही बरामद हुआ है। पुलिस ने बताया कि मामले की जांच की जा र ही है। कुछ दिन पहले ही एम्स के ट्रामा सेंटर मे एक जर्नलिस्ट ने चौथी मंजिल से कूदकर जान दे दी थी। इसके बाद स्वास्थ्य मंत्री ने जांच के लिए हाई लेवल कमिटी भी गठित की थी। एम्स ने बयान में बताया था कि जर्नलिस्ट का टेस्ट कोरोना पॉजिटिव आया था। वह ट्रामा सेंटर की पहली मंजिल पर भर्ती थे ।

आयुष्मान भारत योजना के तहत एक फरवरी से 8.8 करोड़ लोग स्वास्थ्य एवं कल्याण केंद्रों में पहुंचे

(वूमेन एक्सप्रेस ब्युरो)

नई दिल्ली । केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने शुक्रवार को कहा कि आयुष्मान भारत योजना के तहत एक फरवरी से 41,000 से अधिक स्वास्थ्य एवं कल्याण केंद्रों (हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर) में 8.8 करोड़ से अधिक रोगी पहुंचे। मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि रोगियों के इन केंद्रों में पहुंचने का यह आंकड़ा, इसके पहले के 21 महीनों 14 अप्रैल 2018 से लेकर 31 जनवरी 2020 तक के आंकड़ों के लगभग बराबर है। जबकि इस साल लॉकडाउन की अवधि दौरान लोगों की आवाजाही पर पाबंदियां लगी हुई थी। मंत्रालय ने कहा कि पिछले पांच महीनों में 1.41 करोड़ लोगों की उच्च रक्तचाप,1.13 करोड़ लोगों की मधुमेह(डायबिटिज)और 1.34 लोगों की कैंसर की जांच की गई। बयान के मुताबिक कोविड19 द्वारा पेश की गई चुनौतियों के बावजूद जून में उच्च रक्तचाप के करीब 5.62 रोगियों को और मधुमेह के 3.77 रोगियों को इन केंद्रों में दवाइयां दी गई। कोविड19 महामारी फैलने के बाद 6.53 लाख योग एवं तंदुरूस्ती सत्रों का भी इन केंद्रों में आयोजन

किया गया। स्वास्थ्य एवं कल्याण केंद्र (एचडब्ल्यूसी) आयुष्मान भारत योजना का अहम हिस्सा हैं। इसके तहत डेढ़ लाख उप स्वास्थ्य केंद्रों और प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों को 2022 तक एचडब्ल्यूसी में तब्दील कर सार्वभौम एवं व्यापक प्राथमिक स्वास्थ्य देखभाल प्रदान करने का लक्ष्य है। झारखंड में कोविड19 के खिलाफ लड़ाई में एचडब्ल्यूसी द्वारा दिये गये योगदान का उदाहरण देते हुए मंत्रालय ने कहा कि राज्यव्यापी गहन सार्वजनिक स्वास्थ्य सप्ताह के तहत एचडब्ल्यूसी टीमों ने इंफ्लूएंजा जैसी बीमारियों (आईएलआई) और गंभीर श्वसन रोग (एसएआरआई) लक्षणों की जांच की तथा उनकी कोविड 19 जांच कराई।

ओडिशा के सुबल्या में एचडब्ल्यूसी की एक टीम ने कोविड19 से बचने के लिये एहतियाती उपायों के बारे में जागरूकता पैदा की। उन्होंने अस्थायी मेडिकल शिविरों में प्रवासियों के लिये तंदुरूस्ती सत्र का भी आयोजना किया। मंत्रालय ने कहा, ''जनवरी से जून 2020 के बीच अतिरिक्त 12,425 एचडब्ल्यूसी का संचालन शुरू हुआ, जिसके साथ एचडब्ल्यूसी की संख्या बढ़ कर 41,790 हो गई।

गुरप्रीत सिंह जस्सा शिरोमणी अकाली दल दिल्ली इकाई के उपाध्यक्ष नियुक्त

(विशेष संवाददाता)

नई दिल्ली 10 जुलाईः शिरोमणी अकाली दल दिल्ली इकाई के अध्यक्ष हरमीत सिह कालका द्वारा बीते दिनों दिल्ली इकाई का विस्तार किया गया जिसमें पार्टी को समर्पित वर्करों को सम्मानिन्त पद दिये गये। बदरपुर निवासी गुरप्रीत सिंह जस्सा को उपाध्यक्ष बनाया गया। सः कालका द्वारा आज पार्टी के रकाबगंज स्थित कार्यालय में गुरप्रीत सिंह जस्सा को नियुक्ति पत्र सौंपा गया। इस मौके पर दिल्ली कमेटी सदस्य ओंकार सिंह राजा, जतिन्दर पाल सिंह गोलडी, युवा नेता सुखविन्दर सिंह बब्बर, आदि मौजूद रहे। सः गुरप्रीत सिंह जस्सा जो कि मनजीत सिंह जीके के खिलाफ चुनाव लड़ चुके हैं और एक सक्रिय कार्यकर्ता के रुप में कार्य करते आ रहे हैं। पार्टी द्वारा उन्हें जो भी जिम्मेवारी सौंपी उन्होंने उसका बाखूबी निर्वाह किया। लाकडाउन के दौरान उनके द्वारा बदरपुर और आसपास के इलाकों में जरुरतमंदों को लंगर और सूखा राशन की सेवा निरन्तर की गई। सः जस्सा की सेवाओं को देखते हुए उन्हें पार्टी में उपाध्यक्ष की जिम्मेवारी सौंपी गई।

एनसीआर में आपदा प्रबंधन एजेंसी के लिये याचिका को केंद्र अनुरोध पत्र की तरह माने

(वूमेन एक्सप्रेस ब्युरो)

नई दिल्ली । दिल्ली उच्च न्यायलय ने शुक्रवार को केंद्र को राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) में आपदा प्रबंधन कार्यों के लिये एक नोडल एजेंसी गठित करने वाली याचिका को अनुरोध पत्र जैसा मानने को कहा, ताकि कोविड19 या भूकंप जैसी किसी आपदा पर प्रतिक्रिया में एकरूपता रहे।

मुख्य न्यायाधीश डी एन पटेल और न्यायमूर्ति प्रतीक जालान की पीठ ने याचिका पर विचार करने से इनकार करते हुए कहा कि यह एक नीतिगत निर्णय है और याचिकाकर्ता को पहले केंद्र सरकार से अनुरोध करना होगा। अदालत ने विधि के छात्र अर्जुन नारंग की याचिका को एक अनुरोध पत्र मानने और उनके द्वारा दिये गये सुझावों को कानून, नियम, दिशानिर्देश तथा मामले पर लागू सरकारी नीति के अनुरूप विचार करने का केंद्र को निर्देश दिया। पीठ ने केंद्र से कहा कि वह इस अनुरोध पत्र पर यथाशीध्र एवं व्यवहारिक निर्णय ले तथा अधिवक्ता शांतनु सिंह द्वारा दायर याचिका का निस्तारण कर दिया। याचिका में दलील दी गई है कि एनसीआर सरकारोंदिल्ली, हरियाणा, राजस्थान, उत्तर प्रदेश कीद्वारा जारी दिशानिर्देशों के बीच कई विसंगतियों होने के कारण दिल्लीएनसीआर महामारी के प्रसार के खिलाफ प्रतिक्रिया तंत्र के संबंध में क्रियान्वयन समस्याओं का सामना कर रही है। याचिका में कहा गया है कि ज्यादातर विसंगतियां अंतर राज्यीय यात्रा, मरीजों को भर्ती किया जाना और उनका उपचार, जांच, निषिद्ध क्षेत्रों और कोरोना वायरस संक्रमित मरीजों से जुड़े विषयों में हैं। याचिका में कहा गया है कि कोविडप्रतिक्रिया में एकरूपता लाने के लिये यह जरूरी है कि सभी संबद्ध राज्यों के प्राधिकार एकमात्र नोडल एजेंसी के रूप में काम करें, ताकि एनसीआर क्षेत्र में आपदा प्रबंधन कार्य करने में एकरूपता आ सके।

दिल्ली NCR में उमस से मिली राहत, रिमझिम बारिश

नई दिल्ली । कई दिनों की उमस के बाद आखिरकार आज दिल्लीवालों को थोड़ी राहत मिली है। दिल्ली, नोएडा और गुरुग्राम के कई इलाकों में शुक्रवार शाम झमाझम बारिश हुई वहीं एनसीआर में भी मौसम का मिजाज बदलाबदला नजर आया। कई जगहों पर रिमझिम बारिश हुई तो कहीं तेज हवाओं ने लोगों को गर्मी से राहत पहुंचाई। गुरुग्राम में भी हल्की बारिश हुई। दिल्ली में कई दिनों से लोग बारिश का इंतजार कर रहे हैं लेकिन यहां जमकर बारिश नहीं हो रही है। ऐसे में लोग उमस से परेशान हैं। यहां 25 जून को ही मॉनसून ने दस्तक दे दी थी लेकिन इसके बाद बारिश ज्यादा मेहरबान नहीं हुई। मौसम विभाग ने अब भी दिल्ली और आसपास के इलाकों में ज्यादा बारिश की उम्मीद नहीं जताई है वहीं उत्तर प्रदेश के पूर्वी इलाकों समेत बिहार में अगले दोतीन दिन तेज बारिश की उम्मीद है। मौसम विभाग के मुताबिक दिल्ली में 14 जून तक मौसम शुष्क रहेगा और लोगों को उमसभरी गर्मी का प्रकोप सहना होगा। बीचबीच में बूंदाबांदी या हल्की बारिश

हो सकती है। दिल्ली का अधिकतम तापमान 40 डिग्री के आसपास रह सकता है। मौसम विभाग ने राजस्थान के पिलानी, सादुलपुर, हरियाणा के नरनौल, बावल, भिवंडी, नूह, फरुखानगर, गुरुग्राम और आसपास के इलाकों में तेज हवा के साथ हल्की बारिश की भविष्यवाणी की थी।

दिल्ली दंगे: निलंबित आप पार्षद ताहिर हुसैन के दो कर्मचारी अहम गवाह बने

नई दिल्ली, (वेबवार्ता)। उत्तर पूर्वी दिल्ली में साम्प्रदायिक हिंसा के मामले में दो अहम गवाह आप के निलंबित पार्षद ताहिर हुसैन के यहां काम करते थे और उन्होंने 24 फरवरी को दंगे शुरू होने से पहले हुसैन को कई लोगों से ''बेहद गोपनीय'' तरीके से बात करते हुए देखा था। दिल्ली पुलिस ने यहां एक अदालत में दाखिल किए आरोपपत्र में यह बात कही है।गिरीश पाल और राहुल कसाना ने पुलिस को दिए अपने बयानों में कहा कि 24 फरवरी को वे खजूरी खास इलाके में हुसैन के कार्यालय में मौजूद थे।आरोपपत्र में कहा गया है, ''दोपहर को उन्होंने ताहिर हुसैन के मकान के निचले तले पर कई लोगों को एकत्रित होते देखा और वह बेहद गोपनीय तरीके से उनसे बात कर रहे थे और आरोपी शाह आलम, इरशाद आबिद, अरशद प्रधान, राशिद तथा शादाब अज्ञात लोगों के साथ वहां मौजूद थे।''इसमें कहा गया है कि पुलिस ने इन दोनों को मुख्य गवाह बनाया है। ये दोनों बाहर भीड़ की आवाज सुनकर और कार्यालय में तनाव को भांपते हुए वहां से चले गए थे।दिल्ली पुलिस की अपराध शाखा ने पिछले महीने हुसैन और 14 अन्य के खिलाफ मुख्य मेट्रोपोलिटन मजिस्ट्रेट पवन सिंह राजावत के समक्ष आरोप पत्र दाखिल किया था।अदालत अगस्त में आरोपपत्र पर सुनवाई करेगी।आरोपपत्र के अनुसार अभियोजन पक्ष के अन्य गवाह राजबीर सिंह यादव ने अपने बयान में कहा कि भीड़ ने उनके दोस्त की बेटी की शादी के लिए तैयार खाने को बर्बाद कर दिया और आरोपी रियाकत अली ने उनसे 62,000 रुपये लूट लिए थे। यादव हुसैन के घर के पास एक पार्किंग स्थल में शादी के लिए खाने की तैयारियों को देख रहा था।इसमें कहा गया है कि आरोपी शाह आलम कई अन्य लोगों समेत अली के साथ मौजूद था और दंगों में शामिल भीड़ में हुसैन भी शामिल था। इसमें कहा गया है कि अभियोजन पक्ष के एक अन्य गवाह ने बताया कि हुसैन अपने घर की छत पर मौजूद था और पत्थर फेंक रहा था तथा अपने साथ मौजूद लोगों को निर्देश दे रहा था जो पार्किंग की ओर पत्थर तथा पेट्रोल बम फेंक रहे थे। जांच के दौरान निजी और सरकारी कैमरों से घटना की सीसीटीवी फुटेज लेने की कोशिशें की गई लेकिन आसपास कोई सीसीटीवी न होने के कारण कोई वीडियो नहीं मिली।

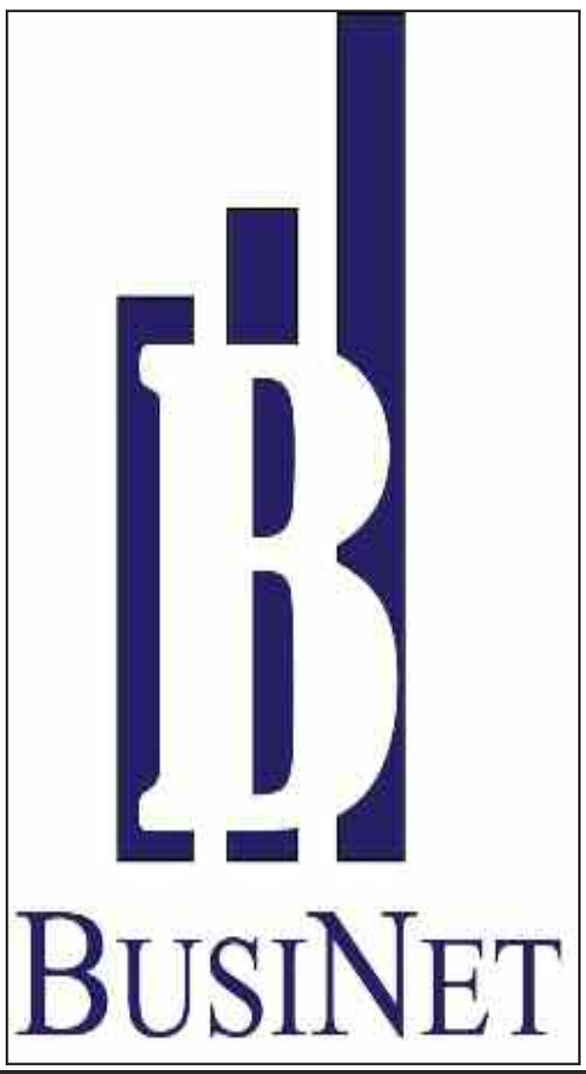

संपादकीय

वैसे ही क्या चुनौतियाँ कम थीं ! कुवैत का प्रवासी कोटा बिल नयी मुश्किल खड़ी करेगा

कोरोना महामारी एवं प्रकोप से उपजी समस्याएं इस सदी का सबसे बड़ा वैश्विक संकट है। इसका विस्तार और गहराई बहुत ज्यादा है। इस सार्वजनिक स्वास्थ्य संकट से पृथ्वी पर 7.8 अरब लोगों में से हर एक को खतरा है। इस बीमारी ने पूरे विश्वके जीवन को अस्तव्यस्त कर दिया है और सभी बाजारों को बाधित कर दिया है। स्वास्थ्य, बाजार, पर्यावरण, उद्योग, यातायात, पयर्टन, राजनीति, समाज, परिवार एवं व्यक्ति का जीवन संकटग्रस्त हुआ है। दरअसल सबसे पहली और तत्काल तबाही अनौपचारिक क्षेत्र के कामगारों के जीवन में देखने को मिली, जिन्होंने अपने गांवोंघरों की ओर कूच किया, जबकि इस तबके के पास कुछ महीनों तक गुजारा कर लेने लायक बचत भी शायद ही हो। इनके पलायन से उद्योग धंधों के लिये कामगारों का संकट भी खड़ा हो गया है। कोरोना महामारी ने भारत सहित समूची दुनिया को ऐसी अनेक समस्याओं में डाल दिया है। सरकारें इन समस्याओं का हल करती हैं, उससे पहले दूसरी और समस्याएं पैदा हो जाती हैं। खबर है कि कुवैत अपने यहां से विदेशियों की संख्या कम कर रहा है। इसके लिये कुवैत में प्रवासी कोटा बिल के मसौदे को मंजूरी मिल गई है। इसके नतीजतन 8 लाख भारतीयों को खाड़ी देश को छोड़ना पड़ सकता है। अगर ऐसा हुआ तो वहां से आठ लाख भारतीयों को वापस अपने देश आना पड़ेगा। ऐसा हुआ तो यह एक बड़ा संकट है, इससे बेरोजगारी का एक नया आक्रामक रूप सामने आयेगा। अभी तो बात केवल कुवैत की है, पूरी दुनिया में कितने ही भारतीय काम कर रहे हैं। अगर दूसरे देशों में भी संकट बढ़ा और इसी तरह विदेशियों को देश निकाला मिलने लगा तो संकट गहरा हो जायेगा, भारतीयों के लिए एक अंधेरा छा जायेगा और सरकार के सामने नई चुनौती खड़ी हो जाएगी। पहले ही 'वंदे भारत' अभियान के तहत केंद्र सरकार विदेशों में फंसे लाखों भारतीयों को अपने घर पहुंचा चुकी है। कुवैत जैसे हालात दूसरे देशों में भी बने तो उस चुनौती से कैसे निपटा जाएगा? बेरोजगारी की मार को झेल रहा देश कैसे इनको रोजगार एवं साधनसुविधाएं देगा? क्योंकि यहां सवाल सिर्फ भारतीयों को अपने देश तक लाने का ही नहीं, सवाल उनके रोजगार का भी रहेगा। कोरोना महामारी पहले ही रोजगार पर भारी पड़ रही है, ऐसे में विदेशों से आने वाले भारतीयों के लिए नई तैयारियां करनी होंगी। न तो चुनौती छोटी है और न हमारे संसाधन इतने बड़े हैं। गरीबी में आटा गीला होने वाली कहावत एक गंभीर स्थिति बन कर प्रस्तुत होगी।

भारत अनेक तनावों से घिरा हैं। एक तरफ चीन, नेपाल एवं पाकिस्तान के साथ हमारी युद्ध की स्थितियां एवं सीमा विवाद गहरा गया है तो दूसरी ओर अनलॉक होने पर देश में कोरोना संक्रमण की रफ्तार तेजी से बढ़ रही है, कुवैत से आई खबर भी चिन्ता का सबब बन रही है। कुवैत की मौजूदा कुल आबादी 43 लाख है। इनमें कुवैतियों की आबादी 13 लाख है, जबकि प्रवासियों की संख्या 30 लाख है जिनमें भारतीय लगभग 8 लाख हैं। इन भारतीयों का एक साथ भारत लौटने की स्थिति का बनना भारत सरकार के लिये चिन्ता का बड़ा कारण बनना स्वाभाविक है। बीते चार महीने से केंद्र से लेकर तमाम राज्य सरकारें कोरोना से लड़तेलड़ते थकती हुई निस्तेज नजर आ रही हैं। सरकारों का खजाना भी खाली होने लगा है।

कर्मचारियों को वेतन देने के भी लाले पड़ने लगे हैं। दौर जितना विकट है, उससे बाहर निकलने के रास्ते भी उतने ही संकटग्रस्त हैं। केन्द्र सरकार लगातार आम लोगों के लिए अजनबी आशा बनने की कोशिश करते हुए प्रयत्नशील बनी हुई है। न मालूम कोरोना महाप्रकोप की मुक्ति जब हो जाएगी तब आशा क्या रंग लाएगी? अनुभव यह बताता है कि हर चीज के अवसर आने से पहले जितनी चर्चाएं होती हैं, जितनी आशाएं होती हैं, वह घटित होने पर अपेक्षाओं के अनुरूप नहीं होती।

महिला हेल्पाइन

डीएमआरसी	155370
सीआईएसएफ	22185555
दिल्ली पुलिस	1091
दिल्ली सरकार	181
कहीं भी कभी भी	1090

हिंदी दैनिक वूमेन एक्सप्रेस

खबर एवं विज्ञापनों के लिए संपर्क करें
चेम्बर नंबर-302, वधवा बिजनेस सेंटर, डी-288-89/10,
नियर लक्ष्मी नगर मेट्रो स्टैशन गेट नंबर -1,
विकास मार्ग, नई दिल्ली - 110092
मोबाइल : 07042999974/ 09013518518
प्रधान संपादक : खुशबू पाण्डेय
प्रबंध संपादक : विनोद मिश्रा
राजनीतिक संपादक : मनोज श्रीवास्तव
विज्ञापन प्रबंधक : रिजवाना नसीम
कानूनी सलाहकार : सत्य प्रकाश
www.womenexpress.in
Email : thewomenexpress@gmail.com

इंदौर कार्यालय

102 , राजानी भवन , हाई कोर्ट के सामने,एम् ,जी रोड , इंदौर (मध्यप्रदेश)
रजनी खेतान (ब्यूरो चीफ)
मोबाइल : 08770587699, 09826024018

इलाहाबाद कार्यालय

17/33, महात्मा गांधी मार्ग
(माया बाजार) सिविल लाइनस।
फोन : 05322560285
09415215390
प्रबंध संपादक : विनोद मिश्रा

खत्म हुआ एक खौफनाक अपराधी का सफरनामा

एक दुर्दान्त अपराधी और 8 पुलिसवालों की निर्मम हत्याओं का दोषी को खुद के एनकाउण्टर का आभास तो था पर इतनी आसानी से मारा जाएगा यह किसी ने सोचा न था वो विकास जिसकी तलाश में कई राज्यों की पुलिस देश तो छोड़िए विदेशों में होने की संभावनाएं तलाश रही थी। कैसे चकमा देते हुए उज्जैन पहुँच गया और फिर देखते.देखते अपने ही इलाके में पुलिस मुठभेड़ का शिकार हो गया। दरअसल अपराधियों का इतिहास देखें तो सबका अन्त कुछ ऐसा ही होता है विकास के मामले भी थोड़ा अविश्वनीय सा जरूर है क्योंकि सब कुछ तमाम नजरों को चकमा देकर इतनी जल्दी हो जाएगा यह किसी ने नहीं सोचा था।

लगता है विकास के अपराध की दुनिया के खात्मे की कहानी हकीकत में 2.3 जुलाई की दरम्यानी रात ही लिख गई थी। जबहत्या के एक मामले में उसकी गिरफ्तारी को लेकर पुलिस ने शिकंजा कसाइस दिन बड़े ही सुनियोजित तरीके से अपने गाँव के घर के सामने जेसीबी मशीन को खड़ा करवा कर पुलिस नाकाबन्दी कर उसने जघन्य तरीके हत्या कर दी बल्कि उनके शवों को भी जलाकर सबूत मिटाने की तैयारी में था उसके बाद उसके घर के आसपास जहाँ पहले से ही इस गैंगस्टर के गुर्गे तैनात थे जिनकी ताबड़तोड़ गोलियों का शिकार 8 पुलिस कर्मी जिसमें एक डीएसपी एक क्षेत्राधिकारी दो सब इंसपेक्टर सहित 4 सिपाही शहीद हो गए सुबह होते.होते सारा मामला पूरे देश के सामने चैनलों ने रखा और विकास की छवि उत्तर प्रदेश से निकलकर देश के एक मोस्ट वान्टेड अपराधी की हो गई इस घटना के बाद उसके खिलाफ धारा 147ए 148एए 149ए 302ए 307ए 394ए 120बी भादवि और 17 सीएल यानी क्रिमिनल लॉ एमेन्डमेण्ट ऐक्ट के तहत मुकदमा दर्ज किया गया। जाहिर है जहाँ पूरे देश में गुस्सा में था वहीं विकास जैसे दुर्दान्त अपराधी के खास सरपस्त सहयोगी पुलिस एनकाउण्टर का शिकार होते जा रहे थे। यहाँ तक तो ठीक था। लोगों को लग भी रहा था कि पुलिस के सामने सिवाए एनकाउण्टर के कोई चारा नहीं था क्योंकि सीन भी पुलिस ने कुछ ऐसा ही क्रिट किया था लेकिन जिस तरह से मप्र में महाकालेश्वर मंदिर में विकास देखा गयाए उससे पूछताछ की गई और उसे बहुत ही आसानी से निहत्था पकड़ा गया उससे यही लगा कि अब उसके आपराधिक रिकॉर्ड और उस पर राजनेताओं के संरक्षण के सारे राज न केवल खुलेंगे बल्कि इसकी आँच से उप्र के कौन.कौन से सत्ता में रह चुके दलों के बड़े.बड़े नेताओं की कलई खुलेगी इस पर चर्चाओं का दौर शुरू हो चुका था इस बीच बताते हैं कि उसे स्टेट प्लेन से लाने की तैयारी भी खबरों में चल गई लेकिन शाम को एकाएक पता चला कि उसे सड़क के रास्ते लाया जा रहा है। यह बात सभी को आश्चर्य से भरी लगीण् तमाम खबरिया चैनलों ने अपनी.अपनी गाड़ियाँ को लाइव टेलीकास्ट यूनिट के साथ लगा दिया। लेकिन सुबह 6 बजे के करीब कानपुर पहुंचने से थोड़ा पहले जबरदस्त नाकेबन्दी कर दी गई। कोरोना के नाम सिलसिले में पुलिस विकास को अरेस्ट करने उसके गांव बिकरू गई थी लेकिन वहां जिस तरह से विकास ने पुलिसकर्मियों को घेर कर मारा उससे पूरे देश में जबरदस्त गुस्सा थाण्विकास से पहले उसके गेंग के 5 लोगों का एनकाउंटरपुलिस और एसटीएफ ने किया जिसमें 50.50 हजार के इनामी प्रभात मिश्र और बउआ उर्फ प्रवीन दुबे को गुरूवार को ढेर जबकि इनके ठीक पहले विकास के भतीजे अमर दुबे

पर साथ चल रही मीडिया व सड़क पर जा रही को एकाएक रोक दिया गया कई चौकन्ने पत्रकारों ने इस पर सवाल भी दागे लेकिन महज कुछ देर में जब गाड़ियों को जाने दिया गया। तो पता चला कि विकास की गाड़ी पलट गई और भागने के चक्कर में वह मारा गया उसके बाद यह मामला पूरे देश में सुर्खियों में छा गया जिसकी पल.पल की जानकारी लोगों ने अपने.अपने माध्यमों से ली।

दरअसल कानपुर में हुए एक मर्डर के आरोप विकास दुबे पर लगे थे और पुलिस में उसके खिलाफ शिकायत दर्ज कराई गई थी इसी मौदहा का एनकाउण्टर हुआ जबकि तीन जुलाई को पुलिस ने विकास के मामा प्रेम प्रकाश पांडेय और चचेरे भाई अतुल दुबे को मार गिराया था विकास को मिलाकर अब तक गैंगस्टर विकास दुबे सहित गेंग के खास सिपहसलारों को एनकाउण्टर में धराशायी कर उत्तर प्रदेश की पुलिस जबरदस्त सुर्खियों में जरूर है।

एनकाउण्टर से पहले प्रभात मिश्रा ने पुलिस को कई अहम जानकारियां दी थीं उसने बताया था। कि आखिर पिछले शुक्रवार को जिस कानपुर मुठभेड़ की खबर आई थी उसके बाद इन सबने क्या.क्या किया था। उसने पुलिस को घटना के बाद विकास दुबे के मूवमेंट की भी जानकारी दी। विकास दुबे और अमर दुबे वारदात के बाद पहले कानपुर के पास शिवनी पहुंचे थे वहाँ वो दो दिन रहे। उसके बाद एक दोस्त की गाड़ी से औरैया के एक पेट्रोल पंप पहुँच वहां से एक बस में बैठकर दिल्ली के बदरपुर में आए वहाँ एक दिन एक होटल में रहे उसके बाद वह फरीदाबाद में अंकुर मिश्रा के घर पहुंचे पुलिस को भनक लग गई और पुलिस पहुँच पाती इसके पहले ही विकास वहाँ से रफूचक्कर हो गया कोरोना काल का फायदा उठा मास्क और गमछा पहनने की वजह से विकास किसी की पहचान में भी नहीं आ पा रहा था लेकिन फरीदाबाद से वह ऑटो में जाते दिखा उसके बाद उसके कोटा होते हुए उज्जैन पहुँचने और नाटकीय ढ़ंग से गिरफ्तार होने की कहानी सामने आई।

मध्य उत्तर प्रदेश में कानपुर और करीबी जिलों के विकास दुबे खौफ का पर्याय बन चुका था। राजधानी लखनऊ स्थित प्रदेश में कई बार इसने बड़े नामदारों की नाक के नीचे जुर्म का जो खूनी खेल खेला उससे इसकी गुनाह और दरिन्दगी को एक कहानी बनती चली गई। यह बीते 30 वर्षों से ज्यादा समय से अपराध की दुनिया में सक्रिय था और रसूखदार लोगों की हत्या इसका शगल था यूँ तो वह कई बार जेल गया लेकिन जेल से भी उसने अपनी सल्तनत को बढ़ाया ही उसका डर ऐसा था कि अपराध के बावजूद सबूत नहीं होता था शायद थाने में एक राज्य मंत्री स्तर के नेता की हत्या और उसमें सबूतों के आभाव में बरी होना उसकी दुर्दान्तों भरी दुनिया का सबसे बड़ा स्तंभ था हर अपराधी की तरह वह खास लोकप्रिय भी था जमीन की खरीद.फरोख्त हो अवैध कब्जा हो या छिनैती समेत पैसे के लिए किसी का मर्डर करना हर काम वह आसानी से करता गया और सबूत के अभाव में बचता गया जहाँ डर के मारे उसके खिलाफ हर कोई बयान चाहे पुलिस ही क्यों न हो बयान देने से बचता रहा वहींउसका वर्चस्व कुछ ऐसा हो गया था कि उसके इलाके के लोगोंके छोटे.बड़े झगड़े को सुलझाने के लिए पुलिस की बजाय लोग विकास दुबे के पास जाना पसंद करते थे यूँ तो सारी कहानी बड़ी फिल्मी लगती है। लेकिन उससे भी बड़ी कहानी जो सच हुई वह यह कि विकास का अंत जिस फिल्मी अंदाज में हुआ उसने उसके गिरफ्तारी के क्लाइमेक्स को फीका कर दिया और जो सभी को एक आस थी कि देखें न जाने कौन.कौन इसके पनाहगार हैं और किसका साथ मिलता रहा। लेकिन कहते हैं कि राजनीति में सब जायज है। हो सकता है कि विकास दुबे एनकाउण्टर भी कुछ ऐसा ही निकले अब सच चाहे जो हो विकास के राज उसके शरीर पर चली 4 गोलियों के साथ ही दफन हो गए। अब जितनी भी कहानी सामने आएंगी सब कितनी सच झूठ या काल्पनिक होंगी किसी को नहीं पता और सच होकर भी विश्वसनीयता की कसौटी पर कभी खरी भी उतर पाएंगी यह कहना भी मुश्किल है।

ऋतुपर्ण दवे
www.womenexpress.in

एक बार फिर मारा गया कानूनी सिस्टम

फिरहाल, आठ पुलिसकर्मियों की हत्या का मास्टरमाइंड विकास दुबे मारा गया है। पुलिस के मुताबिक कानपुर टोल नाके से 25 किलोमीटर दूर विकास दुबे को ला रही कार पलट गई। इस दौरान विकास दुबे ने हथियार छीनकर भागने की कोशिश की। जवाबी कार्रवाई में विकास दुबे को यूपी पुलिस और एसटीएफ ने ढेर कर दिया। अभी एक दिन पहले ही विकास का दाहिना हाथ माना जाने वाला अमर दुबे भी पुलिस की गाड़ी पंक्चर होने के बाद भागने की कोशिश में मारा गया था। दोनों कहानी आपस में मिलने से पुलिस की थ्योरी पर सवाल भी उठने लगे हैं। लोग जानना चाहते है कि ऐसा क्या हुआ कि जो विकास एक दिन पहले ही महाकाल मंदिर के बाहर चिल्लाकर अपना परिचय बता रहा था, अपने गृह जिले की सीमा में दाखिल होते ही भागने की कोशिश करने लगा? बहराल जाँच तो होंगी। सवाल तो खड़े होंगे। जहां तक आस्था का सवाल है तो जो खुद लोगों के लिए काल बना था, उसे भला महाकाल कैसे बचाते। हालांकि विकास के पकड़े जाने के बाद विकास की मां ने कहा था कि वह हर साल महाकाल मंदिर जाता था। महाकाल ने ही उसे बचाया है। लेकिन जो खुद ही काल बन गया था, उसे महाकाल क्यों बचाते?

नियमतः गाड़ी में बैठे बदमाश की हाथ बँधी थी तो पलटने पर भागा कैसे? और भागा तो गोली पीठ और पैर में लगने के बजाय सिर व सीने में कैसे लगी? और वे कैसे पुलिस वाले है, जो अपनी पिस्टल नहीं संभाल पाते? वो भी तब जब उसके आठ साथियों को जिस शख्स ने मौत की नींद सुला दी हो? विकास को ले जा रही गाड़ी ही कैसे पलटी? क्या विकास दुबे को ले जाने वाली गाड़ी बीच में बदली गई? गैंगस्टर विकास दुबे को गोली कहां मारी गई? यूपी पुलिस विकास का ट्रांजिट रिमांड क्यों नहीं लिया? मीडिया को बैरिकेडिंग लगाकर क्यों रोका गया? पांच लाख के ईनामी गैंगस्टर के हाथ खुले हुए क्यों थे? पुलिसकर्मियों ने अपने हथियार संभाल कर क्यों नहीं रखा? विकास दुबे को गोली कहां लगी? जख्मी पुलिसकर्मियों को गोली कहांकहां लगी? लेकिन बड़ा सवाल तो यही है कि उस सिस्टम का थ्या होगा, उस कानून का क्या होगा, जो एक बार फिर मारा गया है, या यूं कहे माखौल उड़ाया गया है। बौखलाएं पुलिसकर्मियों ने पहले ही सारे नियम कानून को ताख पर रख उसके लाखोंकरोड़ों की संपत्ति, मकानदुकान जमींदोज तो कर दिया है।

मतलब साफ हैकृकोर्टकचहरी, कानून सब दिखावा है। और अगर ऐसा ना होता तो जब विकास ने दिनदहाड़े थाने में घुस कर एक नेता की हत्या की, तो कोर्ट ने उसे बाइज्जत बरी कैसे कर दिया? विकास ने अपने ही स्कूल के प्रिंसपल को सबके सामने गोली मार दी? लोअर कोर्ट ने उसे आजीवन जेल की सजा सुनाई। लेकिन हाईकोर्ट ने जमानत दे दी। विकास पर 60 से ज्यादा गंभीर मुकदमें थे। फिर भी वह आजाद था। माना कि आप सुबूतों की कमी को लेकर अदालत की मजबूरी को सही ठहरा सकते हैं, लेकिन क्या यही कानून है? अगर वह कानून सही है जो विकास को जमानत देता है तो फिर ये एनकाउंटर गलत कैसे हो सकता है? ये अपने आप में बड़ा सवाल है। हालांकि सच यह भी है कि जिस कानून ने विकास का इंसाफ किया

वही कानून इन पुलिस वालों को भी बचाएगा। अब देखना यह है कि महकमा घर में छिपे भेदियों की छटनी करेंगी या सब कुछ पहले जैसे चलता रहेगा। नेता और भेदियों या यूँ कहे खाकी खादी का खेल चलता रहेगा और आमजनमानस इस घनचक्कर में पिसती रहेगी और विकास जैसे अपराधी पैदा होते रहेंगे। फिरहाल दुर्दांत दुबे के मारे जाने से बहुतों की आबरू बच गयी। अगर नही मारते तो आज का दिन कई नेताओं और पुलिस वालों पर भारी पड़ता। अब दो तरह के लोगो ने राहत की सांस ली है। पहले उसके सताये हुए लोगो ने और दूसरे जिनके आज उसको नाम लेने थे।

गौरतलब है कि विकास दुबे कानपुर में 2 जुलाई की देर रात दबिश देने गई पुलिस टीम पर हमले का मुख्य आरोपी था। पुलिस टीम पर हुए बर्बर हमले में क्षेत्राधिकारी (सीओ) देवेंद्र मिश्र समेत आठ पुलिसकर्मी शहीद हो गए थे। पुलिस ने उस पर पांच लाख का इनाम घोषित किया था। विकास दुबे को 9 जुलाई गुरुवार के दिन ही उज्जैन के महाकाल मंदिर से पकड़ा गया था। उसकी गिरफ्तारी बड़े फिल्मी अंदाज में हुई थी. उज्जैन पुलिस की माने तो विकास दुबे महाकाल मंदिर में दर्शन के लिए पहुंचा था। पहले माली को शक हुआ, फिर मंदिर के गार्ड ने विकास दुबे की पहचान की। इसके बाद स्थानीय पुलिस को बुलाया गया, जिसकी पूछताछ में पहले विकास दुबे ने अपना नाम शुभम बताया, लेकिन बाद में खुद को घिरा देखकर उसने चिल्लाया कि मैं विकास दुबे हूं, कानपुर वाला। इसके बाद उज्जैन पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया और देर रात उसे यूपी एसटीएफ को सौंप दिया गया। यूपी पुलिस व एसटीएफ द्वारा कानपुर लाते समय 10 जुलाई को सुबह भौंती के पास पुलिस की गाड़ी दुर्घटनाग्रस्त होकर पलट गई।

पुलिस की थ्योरी के अनुसार विकास की कार तेज बारिश के कारण स्किड होकर डिवाइडर से टकराकर सड़क पर ही पलट गई। इसके बाद विकास दुबे ने घायल पुलिसकर्मियों के हथियार छीनकर भागने की कोशिश की। एसएसपी दिनेश कुमार का कहना है कि गाड़ी पलटने के बाद विकास दुबे पुलिसवालों का हथियार छीनकर भाग निकला। उसे सरेंडर करने का मौका दिया गया था, लेकिन विकास दुबे ने फायरिंग शुरू कर दी। जवाबी फायरिंग में उसे गोली लगी और उसकी मौत हो गई है। विकास दुबे को सीने और कमर में गोली लगी है। मौके पर मौजूद प्रत्यक्षदर्शी का कहना है कि हमने फायरिंग की आवाज सुनी थी। गाड़ी का एक्सीडेंट नहीं हुआ था। इसके बाद पुलिस ने हमें भगाने की कोशिश की। हम वहां से हट गए। पुलिस के अनुसार, घायल विकास दुबे को तुरंत इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया, जहां इलाज का दौरान 5 लाख के इनामी विकास दुबे की मौत हो गई। इसके पहले यूपी के हमीरपुर जिले में पुलिस का बड़ा एक्शन हुआ। हमीरपुर के मौदाहा में मुठभेड़ में पुलिस ने विकास दुबे का दाहिना हाथ माने जाने वाले अमर दुबे को मार गिराया। अमर को विकास दुबे गैंग का शातिर बदमाश माना जाता था। 2 जुलाई की रात कानपुर देहात के बिकरू गांव में शूटआउट के मामले में भी अमर दुबे की तलाश थी। यूपी पुलिस ने जिन अपराधियों की तस्वीरें जारी की थी, उसमें अमर दुबे का नाम सबसे ऊपर था। पुलिस ने उस पर 25 हजार का इनाम भी घोषित किया था। इसी तरह विकास दुबे के सहयोगी प्रभात मिश्रा को पुलिस ने फरीदाबाद के होटल से गिरफ्तार किया था। जानकारी के मुताबिक प्रभात पुलिस की कस्टडी से भाग रहा था। इसके बाद एनकाउंटर में प्रभात को मार गिराया गया।

सुरेश गांधी
www.womenexpress.in

विश्व की बढ़ती हुई जनसंख्या एक गंभीर विषय

सम्पर्ण विश्व के साथसाथ भारत के लिए भी यह दिवस बहुत महत्वपूर्ण है, क्योंकि जनसंख्या के मामले में भारत विश्व में अपना दूसरा स्थान रखता है। जोकि बहुत सोचनीय और गंभीर विषय है।

11 जुलाई को विश्व जनसंख्या दिवस मनाने का मुख्य उद्देश्य बढ़ती हुई जनसंख्या के कारण उत्पन्न समस्याओं से लोगों को अवगत तथा जागरूक कराना है।

यह सोचने वाली बात है कि क्यों विश्व जनसंख्या दिवस मनाने की आवश्यकता हुई और इसे पूरे विश्व में क्यों मनाया जाता है? अगर बात पूरे विश्व की है तो विषय वास्तव में महत्वपूर्ण है। इस दिवस को मनाने के पीछे कई लक्ष्य है लेकिन सबसे पहला और अहम लक्ष्य लोगों को बढ़ती हुई जनसंख्या के दुष्प्रभावों से अवगत कराना है।

अगर हम कुछ मुख्य समस्याओं की बात करें तो वे इस प्रकार हैं।

जनसंख्या बढ़ने से संसाधनों में आती कमी।

प्रवास के लिए स्थान में खाद्य पदार्थों की कमी।

बच्चों के लिए शिक्षा संबंधी व्यवस्थाएं बाधित होना।

रोजगार की बढ़ती मांग।

कई प्रकार के रोगों का उत्पन्न होना।

अपराधों का बढ़ना ।

आदि ऐसी कई प्रकार की गंभीर समस्याएं हैं जो बढ़ती जनसंख्या के कारण उत्पन्न होती हैं।विश्व जनसंख्या दिवस मनाने का मुख्य उद्देश्य ही है कि जनता के सामने दुष्प्रभावों को रखा जाए। उनका ध्यान इस ओर आकर्षित किया जाए और सब मिलकर इन गंभीर समस्या से निपटने का प्रयत्न करें।

इस दिन को पूरे विश्व में भिन्नभिन्न स्थानों पर विभिन्न तरीकों से मनाया जाता है जैसे विषय और संदेश वितरण, नारी, चित्रकारी, कविता,, पोस्टर वितरण, विभिन्न विषयों पर प्रतियोगिता, शैक्षणिक जानकारी पत्र, सेमिनार, चर्चा,, कार्यशाला, वाद विवाद प्रतियोगिता, मीडिया द्वारा जनता को जागरुक करना, टीवी और न्यूज़ चैनल, टीवी और रेडियो पर जनसंख्या संबंधी कार्यक्रम आदि के द्वारा विश्व जनसंख्या दिवस को मनाया था इसका प्रचार कर लोगों को जागरूक किया जाता है। इसके अतिरिक्त इस दिवस पर अन्य गंभीर समस्याओं को सबके सामने लाया जाता है जिन से देश तथा विश्व जूझ रहा है और उनके निवारण के तरीकों पर विचार किया जाता है जैसे खराब स्वास्थ्य दुनिया भर में गर्भवती महिलाओं का प्रमुख कारण है, तो इस

दिन लोगों का ध्यान प्रजनन स्वास्थ्य समस्याओं की ओर भी दिलाना है।

लैंगिकता संबंधी जानकारी देना।

व्यक्तियों को उनकी जिम्मेदारियों से अवगत कराना। लैंगिकता संबंधी रूढ़िवादिता के को हटाने के लिए समाज के लोगों को शिक्षित करना।

कई प्रकार के संक्रमण को रोकने के लिए यौन संबंधों के द्वारा फैलने वाली बीमारियों से अवगत कराना।

बालिकाओं के हित में असरदार कानून व नीतियों की मांग तथा इसके साथ ही प्राथमिक शिक्षा एक समान होने पर बल देना।

लोगों को यह शपथ दिलाना कि वह केवल एक या एक से दो तक संताने रखें।

इसके अतिरिक्त अन्य कई और भी मुद्दे हैं जिन्हें विश्व जनसंख्या दिवस के दिन रखा जाता है। विश्व जनसंख्या दिवस को पूरा विश्व 11 जुलाई को कई प्रकार की गतिविधियों द्वारा मनाता है क्योंकि आज विश्व का हर देश विकसित और विकासशील दोनों तरह के देश जनसंख्या विस्फोट से चिंतित है। इस दिवस की शुरुआत 11 जुलाई 1989 को संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम की गवर्निंग काउंसलिंग (यूएनएफपीए) द्वारा की गई । इसकी शुरुआत इसलिए हुई क्योंकि उस समय विश्व की जनसंख्या 5 बिलियन तक पहुंच गई थी जिसकी वजह से इसे 5 बिलियन डे के रूप में मनाया गया किंतु बाद में विश्व जनसंख्या दिवस घोषित किया गया ।

इस दिवस को मनाए जाने का सुझाव **Dr KC zakariya** द्वारा दिया गया था। जब दुनिया का आंकड़ा 5 अरब तक पहुंच गया था तब उस समय वह विश्व बैंक में कार्यरत थे। तब से प्रत्येक वर्ष 11 जुलाई को विश्व जनसंख्या दिवस के रूप में मनाता आ रहा है और इसके साथ ही प्रत्येक वर्ष इस दिवस पर किसी एक विशेष मुद्दे को लक्ष्य बनाकर उसे थीम के रूप में रखा जाता है।

इस वर्ष की थीम का विषय विशेष रूप से कोविड19 संक्रमण के दौरान विश्व में सभी के (विशेषतः महिलाओं और लड़कियों) के स्वास्थ्य और अधिकारों की सुरक्षा पर आधारित है।

हाल ही में यूएनएफपीए के एक शोध के अनुसार यदि लॉकडाउन 6 महीने तक जारी रहता है तो स्वास्थ्य सेवा में बड़ी गड़बड़ी हो सकती है ।जबकि साल 2019 में जनसंख्या दिवस की थीम **family - planning empowering people, developing Nations** रखी गई थी ।

इस प्रकार विश्व जनसंख्या दिवस को एक महत्वपूर्ण दिवस कहा जा सकता है क्योंकि कई प्रकार के जनसंख्या संबंधी गंभीर विषयों पर जनता का ध्यान आकर्षित करना और उन पर चर्चा करना इसी दिन मुख्य रूप से किया जाता है। और प्रत्येक वर्ष लगातार बढ़ रही जनसंख्या के नएनए दुष्प्रभावों को भी इस दिन सबके सामने लाया जाता है। जबकि इसके लिए गवर्नमेंट द्वारा कई प्रकार के कार्यक्रम और जागरूक अभियान चलाए चलाए जाते हैं जिससे जनसंख्या को कंट्रोल रखा जा सके तथा उनसे होने वाले दुष्प्रभावों से बचा जा सके।

वर्तमान में विश्व की कुल जनसंख्या7,773,645,230 है जिनमें प्रत्येक दिन जन्म मृत्यु का आंकड़ा घटता बढ़ता है। अगर अभी भी इस विषय को गंभीरता से नहीं लिया गया तो आने वाले समय में परिणाम अत्यंत भयानक होंगे। वर्तमान में भी कई प्रकार के परिणामों से विश्व गुजर रहा है।

लक्ष्मी सैनी
मुरैना (मध्यप्रदेश)।
www.womenexpress.in

जनसंख्या विस्फोट से बढ़ रही महंगाई व गरीबी

आज दुनिया की एक बड़ी आबादी भोजन, शिक्षा, स्वास्थ्य, आवास समेत बुनियादी सुविधाओं से दूर है और इसकी एक प्रमुख वजह अनियंत्रित आबादी है। बढ़ती जनसंख्या विश्व के लिए चिंता का विषय बनती जा रही है। इससे निजात पाने के लिए जनसंख्या रोकने के लिए सभी जरूरी कदम उठाने जरूरी हैं। बढ़ती जनसंख्या के खतरों से जन साधारण को आगाह करते हुए लोगों में जागरूकता लाने के उद्देश्य से हर साल 11 जुलाई को विश्व जनसंख्या दिवस मनाया जाता है। जनसंख्या वृद्धि विश्व के कई देशों के सामने बड़ी समस्या का रूप ले चुकी है। खासकर विकासशील देशों में जनसंख्या विस्फोट गहरी चिंता का विषय है। इसको नियंत्रित करने के लिए लंबे समय से कोशिशें की जा रही हैं।

आज विश्व की जनसंख्या सात अरब 70 करोड़ से ज्यादा है। अकेले भारत की जनसंख्या लगभग 1 अरब 35 करोड़ के आसपास है। भारत विश्व का दूसरा सबसे अधिक जनसंख्या वाला देश है। आजादी के समय भारत की जनसंख्या 33 करोड़ थी जो आज चार गुना तक बढ़ गयी है। परिवार नियोजन के कमजोर तरीकों, अशिक्षा, स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता के अभाव, अंधविश्वास और विकासात्मक असंतुलन के चलते आबादी तेजी से बढ़ी है। संभावना है कि 2050 तक देश की जनसंख्या 1.6 अरब हो जायेगी। फिलहाल भारत की जनसंख्या विश्व जनसंख्या का 17.5 फीसद है. भूभाग के लिहाज के हमारे पास 2.5 फीसद जमीन है। 4 फीसद जल संसाधन है जबकि विश्व में बीमारियों का जितना बोझ है, उसका 20 फीसद अकेले भारत पर है।

भारत की पिछले दशक की जनसंख्या वृद्धि दर 17.64 प्रतिशत है। विश्व की कुल आबादी का आधा या कहें इससे भी अधिक हिस्सा एशियाई देशों में है। चीन, भारत और अन्य एशियाई देशों में शिक्षा और जागरुकता की कमी की वजह से

जनसंख्या विस्फोट के गंभीर खतरे साफ दिखाई देने लगे हैं। स्थिति यह है कि अगर भारत ने अपनी जनसंख्या वृद्धि दर पर रोक नहीं लगाई तो वह 2030 तक दुनिया की सबसे बड़ी आबादी वाला देश बन जाएगा। सम्पूर्ण विश्व में चीन को अपनी 1.42 अरब जनसंख्या के चलते विश्व में प्रथम स्थान हासिल है। वहीं दूसरी ओर भारत भी अपनी 1.35 अरब जनसंख्या के साथ विश्व में दूसरे नंबर पर है।

हमारी आबादी में अभी भी हर दिन पचास हजार की वृद्धि हो रही है। इतनी बड़ी जनसंख्या को भोजन मुहैया कराने के लिए यह आवश्यक है कि हमारा खाद्यान्न उत्पादन प्रतिवर्ष 54 लाख टन से बढे जबकि वह औसतन केवल 40 लाख टन प्रतिवर्ष की दर से ही बढ़ पाता है। जनसंख्या वृद्धि के दो मूल कारण अशिक्षा एवं गरीबी है। लगातार बढ़ती आबादी के चलते बड़े पैमाने पर बेरोजगारी तो पैदा हो ही रही है, कई तरह की अन्य आर्थिक और सामाजिक समस्याएं भी पैदा हो रही हैं । भारत के सामने अनेक समस्याएँ चुनौती बनकर खड़ी हैं। जनसंख्या विस्फोट उनमें से सर्वाधिक है। एक अरब भारतियों के पास धरती, खनिज, साधन आज भी वही हैं जो 50 साल पहले थे परिणामस्वरूप लोगों के पास जमीन कम, आय कम और समस्याएँ अधिक बढ़ती जा रही हैं भारत के पास विश्व की समस्त भूमि का केवल 2.4 प्रतिशत भाग ही है जबकि विश्व की 16.7 प्रतिशत जनसंख्या भारत में निवास करती है। जनसंख्या में वृद्धि होने के साथसाथ प्राकृतिक संसाधनों पर और भार बढ़ जाएगा। जनसंख्या दबाव के कारण कृषि के लिए व्यक्ति को भूमि कम उपलब्ध होगी जिससे खाद्यान्न, पेय जल की उपलब्धता पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा, इसके अलावा लाखों लोग स्वास्थ्य और शिक्षा के लाभों एवं समाज के उत्पादक सदस्य होने के अवसर से वंचित हो जाएंगे। आधे बिलियन से अधिक भारतीय 25 वर्ष से कम आयु के हैं।

जनसंख्या वृद्धि एक नयी चुनौती बनकर हमारे सामने आई हैं और आज भी इस पर काबू पाने में सरकार को कठिनाई हो रही है। जनसंख्या वृद्धि के दुष्परिणाम देश को भोगने पड़ रहे हैं। बढ़ती जनसंख्या की दुश्वारियां सिर चढ़कर बोलने लगी है। भूखों की संख्यां निरंतर बढ़ रही है। विकास कार्य सिकुड़ रहे है। रोटी, कपडा और मकान की बुनियादी सुविधाओं की बात करना बेमानी हो गया है। विकास का स्थान विनाश ने ले लिया है। अधिक जनसंख्या के कारण बेरोजगारी की विकराल समस्या उत्पन्न हो गयी है। लोगों के आवास के लिए कृषि योग्य भूमि और जंगलों को उजाड़ा जा रहा है । इससे बचने का एक मात्र उपाय यही है की हम येन केन प्रकारेण बढ़ती आबादी को रोके। अन्यथा विकास का स्थान विनाश को लेते अधिक देर नहीं लगेगी।

बाल मुकुन्द ओझा
मालवीय नगर, जयपुर।
www.womenexpress.in

जरूरी है जनसंख्या नियंत्रण

जनसंख्या नियंत्रण से ,
स्वस्थ रहेंगा अपना
छोटा परिवार !
जनसंख्या नियत्रण से ,
खुश रहेंगा अपना छोटा परिवार !!

जनसंख्या नियंत्रण से ,
परिवार को बनाएंगे संस्कारवान !
जनसंख्या नियत्रण से ,
बच्चों को शिक्षा मिलेगी
बेहतरीन !!

जनसंख्या नियंत्रण के,
अनेक बने रहें हैं प्रतिदिन
नियम !
जनसंख्या नियत्रण में ,
किसी ने नहीं रखा हर
पल संयम !!

जनसंख्या का बढ़ना ,
समस्याओं का है तीव्र आह्वान !
जनसंख्या नियंत्रण से ,
समस्याओं की राह होगी
आसान !!

आओ हम सब मिलकर,
दृढ़ संकल्प का हमेशा
पालन करे !
जनसंख्या को नियंत्रित कर ,
अनमोल जीवन को
सुरक्षित रखे !!

जितेन्द्र जीत
बाड़मेर, राजस्थान।
www.womenexpress.in

बढ़ती जनसंख्या बनती बड़ा खतरा

जनसंख्या दिवस का उद्देश्य है कि बढ़ती जनसंख्या को रोकने का प्रयास किया जाए। जिसके लिए हमें समयसमय पर बढ़ती जनसंख्या के नुकसान ओ की जानकारी दी जाती है ताकि हम यहां समझे की बढ़ती जनसंख्या हमारे लिए क्यों रोकना आवश्यक है किंतु इसके बावजूद भी हमारे देश की जनसंख्या प्रत्येक वर्ष तेजी से बढ़ती जा रही है एक और जहां हम एक बड़ी जनसंख्या वाला देश होने के कारण खुद पर गर्व का अनुभव करते हैं क्योंकि हमारे देश में युवाओं की जनसंख्या अन्य किसी देश की जनसंख्या से अधिक है वहीं दूसरी और यही बढ़ती हुई जनसंख्या हमारे लिए परेशानियां भी बन रही है। बेरोजगार लोगों का बढ़ता आंकड़ा और बढ़ती ग़रीबी जनसंख्या की ही देन है। अधिक जनसंख्या के चलते हमारे संसाधन कम पड़ जाते हैं। जिसकी वज़ह से हम एक विकसित शक्तिशाली देश बनने का सपना जो देखते हैं, उसमें रुकावट पैदा होती है। बेरोजगारी और ग़रीबी अपराधों को बढ़ाती है। लोगों का जीवन असुरक्षित हो जाता है। स्त्रियों को सबसे अधिक अपराधों का शिकार होना पड़ता है। विचार करिए कोरोनावायरस ने किस तरह हमारी और हमारे सिस्टम की पोल खोली हैं। हमारे पास अच्छी स्वास्थ्य सुविधाएं केवल दिल्ली जैसे कुछ गिने चुने अस्पतालों में है। जबकि क्यूबा हम से गरीब देश होने के बावजूद भी अपने सभी नागरिकों को देश की सरकार द्वारा स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराई जाती है। वहीं दूसरी ओर मजदूरों को हजारों किलोमीटर का सफर पैदल तैं करना पड़ा। यदि हमारी भी जनसंख्या इतनी अधिक ना होती तो क्या हम केवल एक आंकड़ा बन कर मत दाता बन कर नहीं रह जाते। हमारा महत्व होता एक जीवन के रूप में। आवश्यकता है हमें यह समझने की कि देश ख़तरे में है, हमारी बढ़ती जनसंख्या के विस्फोटक के कारण। हमें धर्म और जाति की परवाह करते हुए अधिक से अधिक बच्चे पैदा करने का प्रयास करने के स्थान पर कमसेकम बच्चे पैदा करने पर जोर देना चाहिए। देश के बारे में विचार करिए, अभी कोशिश करने का समय है नहीं तो वक़्त गुज़र जाने पर पछताने के सिवा कुछ हाथ नहीं लगेगा।

राखी सरोज
बदरपुर (नई दिल्ली)।
www.womenexpress.in

विकास के लिए जनसंख्या दर को कम करना होगा

सन 1987 में विश्व की जनसंख्या 5 अरब को पार गई तभी से सारी दुनिया में जनसंख्या रोकने के लिए जागरुकता की शुरुआत के क्रम में 1987 से हर वर्ष 11 जुलाई को विश्व जनसंख्या दिवस मनाते हैं।

आज सारी दुनिया की 90% आबादी इसके 10% भाग में निवास करती है। विश्व की आबादी कही 11 50/वर्ग कि.मी. है तो कही 200 वर्ग कि.मी.है।जनसंख्या वृद्धि के कई कारण है जो जनसंख्या वृद्धि को प्रभावित करते हैं। उनमें भौगोलिक, आर्थिक एवं सामाजिक तथा सांस्कृतिक कारक प्रमुख है। भोगोलिक कारकों में मुख्य रुप से मीठे एवं सुलभ जल की उलब्धता, समतल एवं सपाट भूआकृति, अनुकुल जलवायु ,फसल युक्त उपजाऊ मिट्टी आदी प्रमुख है। आर्थिक कारकों में खनिज तत्व की उपलब्धता के कारण औद्योगिकरण तथा इसके फलस्वरुप शहरीकरण क्योंकि आधुनिक युग में स्वास्थ्य ,शिक्षा, परिवहन,बिजली तथा पानी आदी की समुचित उपलब्धता के कारण औद्योगिक कलकारखाने में काम करने के लिए कर्मचारियो की जरुरत को कारण यहा की आबादी सघन होते जा रही है।

इसके अलावे भी सामाजिक एवं सांस्कृतिक परिवेश उतरदायी है। उक्त कारकों के अलावे जनसंख्या वृद्दि दर भी आज काफी है।पृथ्वी पर जनसंख्या आज 600 करोड़ से भी ज्यादा है। इस आकार तक जनसंख्या को पहूँचने में शताब्दियां लगी है। आरंभिक कालों में विश्व की जनसंख्या धीरेधीरे बढ़ी।

विगत कुछ सौ बर्षों के दौरान ही जनसंख्या आश्चर्य दर से बढ़ी है। पहली शताब्दी में जनसंख्या 30 करोड़ से कम थी। 16वी. एवं 17वी शताब्दी में औद्योगिक क्रांति के बाद तीव्र गति से जनसंख्या की वृद्दि हुई और सन 1750 तक 55 करोड़ हो गई। सन 1804 में 1 अरब,1927 में 2 अरब ,1960 में 3 अरब,1974 में 4 अरब तथा 1087 में 5 अरब हो गई। विगत 500वर्षों में प्रारंभिक एक करोड़ की जनसंख्या होने में 10 लाख से भी अधिक वर्ष लगे परन्तु 5 अरब से 6 अरब होने में 1987 से 12 अक्टूबर 1999 तक मात्र 12 साल लगे। इसी तरह 31 अक्टूबर 2011 को 7 अरब हो गई। आज विश्व की जनसंख्या मार्च 2016 तक 7 अरब 40 करोड के आस पास थी। परन्तु 8 जुलाई 2016 को संध्या 5 बजे तक विश्व की जनसंख्या 7,43,48,56,776 थी। भारत आज 120 (1,37,90,46,200) करोड़ से अधिक आबादी के साथ चीन (1अरब 45 करोड़) के बाद दूसरे नंबर पर है अगर इसी रफ्तार से भारत की जनसंख्या बढ़ती रही तो वह दिन दूर नहीं जब भारत 2025 में चीन को पीछा छोड़कर आबादी के मामलों में सारी दुनिया में नंबर वन हो जायेगा।

चिंता की बात है कि जहां 1951 में हिंदूओं की प्रतिशत संख्या लगभग 85 थी जो 2011 में 80 प्रतिशत के आस पास रह गई जबकि 1951 में मुस्लिमों की आबादी लगभग 10 प्रतिशत थी तो 2011 में लगभग 15 प्रतिशत हो गई। जबकि भूमि के मामले में भारत विश्व का 2.5% है और आबादी लगभग 17 18 त्न है। भारत की आबादी हर दस साल 17.64 त्न की दर से बढ़ रही है। जो पहले दसक में 21.54त्न थी। मतलब आबादी की दर में गिरावट जारी है। 7 साल में यानी 2027 तक हम तीन को पिछे छोड़कर नंवर वन पर आ जायेगें।

इस जनसंख्या विस्फोट से समाजिक ढ़ाचा परिवहन,शिक्षा स्वास्थ्य, बिजली , पानी आदी की मात्रा सीमित है जो समस्या बनेगी। इससे प्राकृतिक संसाधनों पर दबाव बढ़ेगा और अनेक समस्यायें खड़ी हो जायेगी। जिससे देश में सामाजिक ढाचा छिन्नभिन्न(असहज) होने की संभावना बढ़ेगी। अतः आज जनसंख्या रोकने के लिए।सबको शिक्षित होना चाहिये जिससे इसे कम करने में मदद मिलेगी शिक्षा के साथ साथ जागरुकता की सख्त जरुरत है ताकि देश उनन्ति के मार्ग पर तेजी से आगे बढ़ा जा सके।

लाल बिहारी लाल
www.womenexpress.in

विश्व जनसंख्या समस्या पर वैश्विक चेतना 2020

साल दर साल विश्व जनसंख्या विस्फोट की स्थिति में हो रही वृद्धि के मद्देनजर, इस स्थिति से अनभिज्ञ हो चुकी समस्त मानव जाति को एक मंच पर लाकर उन्हें बढ़ती हुई जनसंख्या के प्रति सचेत करने की एक पहल विश्व जनसंख्या दिवस (11 जुलाई) के रूप में आयोजित की जाती है। जिसमें दुनिया के लगभग सभी देश मिलकर जनसंख्या विस्फोट से उत्पन्न हो रही समस्त समस्याओं पर आपसी विचारविमर्श करते हुए इन समस्याओं से निजात पाने हेतु कई वैश्विक सुझावों पर सहमति जाहिर करते हैं। हालांकि इस वर्ष जनसंख्या दिवस का विषय परिवार योजना एक मानव अधिकार है के अंतर्गत स्वस्थ व सुदृढ़ परिवार की स्थापना में समस्त मानव जाति की भागीदारी को सुनिश्चित करना, मगर फिर भी हर वर्ष जनसंख्या दिवस की भाँति इस बार भी बढ़ती जनसंख्या को केंद्र में रखकर, समस्त मानव जाति को जनसंख्या के महत्व को समझाया जाएगा।

हालांकि जनसंख्या किसी भी राष्ट्र के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका अदा करती है। संसाधनों के मुकाबले अगर जनसंख्या की वृद्धि कम है तो यह किसी भी राष्ट्र की बेहतर सामाजिक आर्थिक स्थिति को प्रेरित करती है। जनसंख्या वृद्धि के प्रति सचेत करते हुए, समस्त मानव जाति को इससे अनवरत घट रहे संसाधनों के प्रति जागरूक करना इस दिवस का मुख्य लक्ष्य होता है। तीव्र गति से बढ़ती हुई वैश्विक जनसंख्या कई बड़ी समस्याओं को जन्म देती है, जिसका प्रभाव मानव जाति के साथसाथ प्राकृतिक चक्र पर भी प्रत्यक्षतः देखा जा सकता है। बात अगर स्वास्थ्य करें तो एक बच्चे को जन्म देने में प्रतिदिन लगभग 800 महिलाओं की मृत्यु हो जाती है, अतः हम कह सकते हैं कि जननीय स्वास्थ्य और परिवार नियोजन की तरफ समस्त मानव जाति को विशेष ध्यान देने की आवश्यकता है। विश्व जनसंख्या दिवस के अवसर पर इन मुद्दों पर विशेष जोर दिया जाता रहा है, क्योंकि एक स्वस्थ प्रजनन एक सुदृढ़ विकास को बढ़ावा देता है।

वर्तमान समय में विश्व की जनसंख्या लगभग 7.7 अरब के पार पहुंच चुकी है, इस विशाल जनसंख्या वृद्धि में सबसे ज्यादा योगदान चीन और भारत के द्वारा किया गया है, जो कि एक चिंतनशील मुद्दा है। इस तरह की तीव्र जनसंख्या वृद्धि के मद्देनजर प्रश्न यह उठता है कि क्या हम इतनी बड़ी जनसंख्या के भरणपोषण हेतु संसाधनों की उपलब्धता सुनिश्चित करने में सक्षम हैं ? अगर हैं ! भी तो आखिर कब तक ? आज जनसंख्या का दबाव जिस तरह संसाधनों के ऊपर बढ़ता जा रहा है, उसे देखकर यह नहीं लगता कि हमारे मौजूदा संसाधन भावी पीढ़ियों के लिए संरक्षित रह सकेंगे। यूएन के एक रिपोर्ट के अनुसार, अनुमान व्यक्त किया गया है कि 2023 तक विश्व की जनसंख्या 8 अरब तथा 2056 तक 10 अरब को पार कर जाएगी। ऐसे में यह आंकड़ें काफी चौकाने वाले हैं कि अगर ऐसा होता है तो दुनिया अनेक समस्याओं का सामना करेगी, मौजूदा जनसंख्या के भरणपोषण, स्वास्थ्य संबंधी चिंताएं व रोजगार मुहैया कराना, एक बड़ी चुनौती हो जाएगी।

आज जनसंख्या की यह तीव्र वृद्धि पूरी दुनिया के सम्मुख जनसंख्या विस्फोट के रूप में एक चुनौती बनकर खड़ी हो गई है। इस विस्फोटक चुनौती को संभालना पूरी दुनिया के लिए बेहद अहम है, क्योंकि जनसंख्या और संसाधन के बीच गहरा संबंध है, अधिक जनसंख्या अधिक संसाधन का उपयोग करेगी। अतः इस तीव्र गति से बढ़ती हुई जनसंख्या को नियंत्रित करना पूरी दुनिया के लिए बेहद जरूरी हो गया है, जिसके लिए समस्त मानव जाति को हम दो हमारे एक या दो को अपनाते हुए, स्वास्थ्य व सुरक्षा के प्रति जागरूक होना होगा। तीव्र गति से घट रहे संसाधनों का संतुलित उपयोग व संरक्षण सुनिश्चित करना होगा, ताकि भावी पीढ़ी के लिए सुरक्षित व संरक्षित संसाधनों को बचाया जा सके। क्योंकि संसाधन ही किसी समाज के सुदृढ़ विकास का मार्ग प्रशस्त करते हैं।

मिथलेश सिंह, मिलिंद
मरहट, पवई, आजमगढ़
(उत्तर प्रदेश)।
www.womenexpress.in

किसान और बारिश

मेघ गर्जना बरस पड़ी,
उम्मीदों के आंगन में।
नाच उठा मन का मोर,
खुशहाली के गगन में।
छत से बहता झरना देख ,
आंखों का झरना रुक गया।
भावुकता में आज धरतीपुत्र,
इन्द्र के ऐहसान में झुक गया।
किया आलिंगन बूंदों ने,
हटी मायूसी चेहरे की।
चिंता अब खत्म होगी,
ब्याज के पहरे की।
परिश्रम से पोषित पसीना,
मेहनत का महाकुंभ लायेगा।
आस के उल्लास में किसान,
किस्मत का राग गायेगा।
खिल उठी नन्ही आँखे ,
देख स्वप्न हरियाली का।
आया पल अब समीप,
जश्न जगाकर दिवाली का।
संयमसंघर्ष की कोशिश से,
अधूरे अरमान पूरे करेगा।
अथक प्रयासों से अन्नदाता,
सदा मुल्क का पेट भरेगा।
संकटो के छाए से लड़कर,
किसान हल चलाता।
कर्ज और ब्याज का भय,
खेत की ओर बुलाता।

अर्जुन प्रताप सिंह इन्दा
जीयाबेरी, जोधपुर (राजस्थान)
www.womenexpress.in

अगर तुम कहो

मैं लिखूं गीत फिर से
अगर तुम कहो
तुम सुनो तो सुना दूं
अगर तुम कहो..।।

रो रहा हूँ मैं हालातों
से हो विवश
फिर भी तुमको हंसा दूं
अगर तुम कहो..।।

है भरोसा कभी आओगे
इस तरफ
पुष्प कलियां बिछा दूं
अगर तुम कहो..।।

मैं भी नाराज हूँ
खुद से भी आजकल
फिर भी तुमको मना दूं
अगर तुम कहो..।।

अगर तुम कहो..।।
कितने अरसे से मैं
मुस्कुराया नहीं
आज मैं मुस्कुरा दूं
अगर तुम कहो..।।
अगर तुम कहो..।।

विजय कनौजिया
अम्बेडकर नगर
(उत्तर प्रदेश)
www.womenexpress.in

प्रेम अनुभूति

प्रेम प्रभु की इक अनुभूति
प्रेम भजन है, प्रेम सतूति
प्रेम से भिलनी राम को पाए
शिला भी तो अहिल्या हो जाए

प्रेम से कान्हा जब मुस्काए
राधा कंवल सी खिल खिल जाए
प्रेम से मीरा भजन सुनाए
खो कर खुद को श्याम को पाए

प्रेम प्रभु से जब मिल जाए
भेद कोई तब नज़र न आए

प्रेम ही राधा प्रेम ही श्यामा
प्रेम ही सीता प्रेम ही रामा
प्रेम मिले तो सब जग अपना
प्रेम न हो तो सब जग सपना

प्रेम ही मईया के आँचल में
प्रेम ही बाबा की धड़कन में
प्रेम ही सब वन और उपवन में
प्रेम से नदिया बहती जाए

धारा इसकी प्यास बुझाए
प्रेम से सागर सब अपनाए
प्रेम ही सबको जीना सिखाए

प्रेम ही बरसे उस अम्बर से
प्रेम ही को तो चातक तरसे
प्रेम ही फूटे हर अंकुर से
प्रेम ही सबको रूप नया दे

प्रेम नहीं तो कुछ भी नहीं है
प्रेम बिना जीवन भी नहीं है
प्रेम नहीं तो धरा बंजर है
उजड़ा उजड़ा हर मंजर है

प्रेम नहीं तो ईश्वर नहीं है
प्रेम नहीं तो कुछ भी नहीं है
प्रेम नहीं तो कहाँ अपनापन है
प्रेम नहीं तो भक्ति नहीं है

प्रेम नहीं तो अनुभूति नहीं है
प्रेम को तन मन में बसा लो
प्रेम अनुभूति हृदय समा लो

प्रवीण राणा वर्मा
सोलन, हिमाचल प्रदेश।
www.womenexpress.in

प्राइमरी कक्षा

प्राइमरी कक्षा इजाजत नहीं देती
कि कोई शिक्षक अंदर आ सके,
हां स्वागत है कोई रूप धरकर आये
माँ या पिता या दादा बनकर भाए।
मासूमों को पढ़ाना भी है
और खेल खिलाना भी है,
समझदारी का बोझ नहीं डालना
लेकिन बच्चों को बढ़ाना भी है।
कोमल भी रहना है और कठोर भी
शांति भी रखनी है और शोर भी,
कोई शरारत करे तो हँसना
पड़ता है
पर आगे से शरारत न हो ये भी
अपनी सूझ से पक्का करना
पड़ता है।
प्राइमरी कक्षा फूलों की बगिया
की तरह है
और हर फूल की अपनी अलग
रुचि है
न कोई ज्ञानी यहां न कोई
ज्ञानार्थी
यहाँ तो सपने चेहरे लगा कर बैठे हैं
यहां तो बस कल्पनाएं ही
मचलती है
चंचलता ही यहाँ की माँग और
पूर्ति है।
जो पढ़ाता है वो माया जाल
फैलाता है
बच्चों को बच्चा बनकर पाठ
सिखाता है,
बच्चा रोता है तो प्राइमरी कक्षा
पुचकारती है,
कितने अक्षर देने हैं, कितनी
गिनती भरनी है
प्राइमरी शिक्षक की भावना सब
कुछ जानती है।
बच्चे ऊब जाते हैं तो बाहर
जाते हैं
प्राइमरी कक्षा प्यार से वापस
बुलाती है
कबूतर खरगोश गमला
दिखाकर लुभाती है
खेलघंटी में बच्चे खोल लेते हैं टिफिन
खाना खाकर करने लगते हैं ऊधम
प्राइमरी कक्षा हर एक को
निहारती है
और इस फुर्सत में विचारती है
कि बड़ी कक्षाएं इस सारे सुख
से वंचित हैं।

अवतार सिंह
प्राध्यापक, जयपुर।
www.womenexpress.in

सावन का महीना

प्रभु तुझे शतशत नमन,
नवजीवन है, पुलकित तनमन

सावन का महीना आया है
खुशियाँ भी साथ लाया है

प्रकृति भी हरे रंग के
परिधान किए है
अबुंद साथ बरसात
की बौछार लाए है

धरा झूम रही है, मगन में
न मुरझाए खुशियाँ कभी जीवन में

खिलखिलाती हँसती सखियाँ,
मन में लहर उठती जैसे नदियाँ
पपीहा, कोयल की मधुर
स्वर मनमोह लेती है
प्रिय से मिलन को जी
झकझोर देती है

मन पटल पर तुम ही विराजे हो,
बारह मास में एक तुम ही प्यारे हो

ओ....सावन
अतरंगी सा खेल है, तेरा
सतरंगी सा भेष तेरा

तेरे आते ही जग झूम उठा है
प्यास बुझाने में
तू कभी न चूका है

निदाध हर लेता है, तू
शीतलता सा जीवन दान देता है, तू

सावन का महीना प्रतिक है,
बेटियों का
जीवन में सदा खुशहाली छाए,
बरसात की तरह
सारे दुःख बरस जाए
नवांकुर के समान
फिर से शुरुआत की जाए

ट्विंकल वर्मा,
आसनसोल (पश्चिम बंगाल)।
www.womenexpress.in

क्या कद्र करूँ

क्या कद्र करूँ
ये तो बेरहम जमाना है !!
क्या इश्क करूँ
ये तो महज मौज बहाना है !!

क्या खौफ करूँ
रज से उपजा उसी में जाना है !!
क्या वार करूँ
जब सबको ही मिट जाना है !!
क्या भूल करूँ
स्मरण रखे सब जमाना है !!
क्या दुआ करूँ
जब सब कुछ लुट जाना है !!

क्या आस करूँ
जब निराशा को ही पाना है !!
क्या वादा करूँ
जब खुद ही टूट जाना है !!

क्या साज करूँ
जब फूलों सा बिखर जाना है !!
क्या तर्क करूँ
जब हार ही जाना है !!
क्या जमा करूँ
जब दफन ही हो जाना है !!

नीतु झारोटिया (रुद्राक्षी)
अजमेर (राजस्थान)।
www.womenexpress.in

इसीलिए

दर्द कम नहीं था इसीलिए
बेदर्द होना पड़ा।
हमसफ़र कोई नहीं मिला इसीलिए
हम राही होना पड़ा।
राज बहुत दफन थे
इस तड़फते दिल में इसीलिए
हमराज होना पड़ा।
दिल बहुत दुखता था
अपनों के दिए गम से इसीलिए
महाकाल की भक्ति में चूर होकर
मुझे भी काल होना पड़ा।

राजीव डोगरा, विमल
कांगड़ा,
हिमाचल प्रदेश।

गांगुली ने किया खुलासा, कैसे उन्हें टीम से किया गया बाहर, बोले अकेले चैपल जिम्मेदार नहीं

(वूमेन एक्सप्रेस ब्युरो)

नई दिल्ली । भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान और भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड के अध्यक्ष सौरभ गांगुली ने अपने करियर के सबसे मुश्किल दौर के बारे में बात की है। गांगुली ने कहा है कि उनके करियर का सबसे कठिन दौर वह था जब उन्हें भारतीय टीम की कप्तानी से हटाया गया था और उसके बाद 2005 में उन्हें टीम से बाहर कर दिया गया। गांगुली ने इसे अपने साथ हुआ 'अन्याय' बताया।

गांगुली ने बांग्ला अखबार संगबाद प्रतिदिन के साथ बातचीत यह खुलासा किया। गांगुली ने कहा, 'यह मेरे करियर का सबसे बुरा दौर था। यह पूरी तरह से अन्याय था। मैं जानता हूं कि हर बार आपके साथ न्याय नहीं हो सकता लेकिन जिस तरह का व्यवहार मेरे साथ हुआ वह टाला जा सकता था। मैं उस टीम का कप्तान था जिसने जिम्बाब्वे में जीत हासिल की और घर वापस आकर मुझे हटा दिया गया?' गांगुली ने कहा, 'मैंने 2007 का वर्ल्ड कप जीतने का सपना भारत के लिए देखा था। हम पिछली बार फाइनल में हारे थे। सपने देखने के मेरे कुछ कारण भी थे। मेरी कप्तानी में टीम बीते पांच साल में बहुत अच्छा खेली थी। फिर चाहे वह घरेलू मैदान पर हो या फिर बाहर। और फिर आप अचानक मुझे टीम से हटा देते हैं? सबसे पहले, आप मुझे कहते हैं कि आप वनडे टीम में नहीं हैं, इसके बाद आप मुझे टेस्ट से भी हटा देते हैं।' भारतीय टीम के पूर्व सलामी बल्लेबाज ने कहा कि इस बात में कोई शक नहीं कि इस सबकी शुरुआत मुख्य कोच ग्रेग चैपल द्वारा बीसीसीआई को उनके खिलाफ भेजे गए ईमेल से शुरू हुआ। वह ईमेल जो बाद 'लीक' हो गया था। गांगुली ने कहा, 'मैं सिर्फ ग्रेग चैपल को इसके लिए जिम्मेदार नहीं मानता। इस बात पर कोई संदेह नहीं कि उन्होंने ही यह शुरू किया था। वह अचानक मेरे खिलाफ बोर्ड को ईमेल भेजते हैं जो बाद में लीक हो जाता है। क्या कभी ऐसा कुछ होता है? क्रिकेट टीम एक परिवार की तरह होती है। यहां विचार एक दूसरे से अलग हो सकते हैं, परिवार में मतभेद हो सकते हैं लेकिन यह सब बातचीत से सुलझा लेना चाहिए। आप कोच हैं, अगर आपको लगता है कि मुझे एक खास तरीके से खेलना चाहिए तो आपको आकर मुझे बताना चाहिए था। जब मैं खिलाड़ी के तौर पर लौटा तो उन्होंने मुझे कुछ चीजें बताईं फिर यह सब पहले क्यों नहीं किया?'

अनिश्चितता पैदा करके भारत ने विश्व कप 2019 में खुद को नुकसान पहुंचाया थाः मूडी

नई दिल्ली। आस्ट्रेलिया के पूर्व क्रिकेटर और अब सफल कोच टॉम मूडी का मानना है कि भारत ने इंग्लैंड में खेले गये विश्व कप 2019 में टीम के अंदर अनिश्चितता पैदा करके खुद को नुकसान पहुंचाया था। पिछले सत्र तक इंडियन प्रीमियर लीग की टीम सनराइजर्स हैदराबाद के कोच रहे मूडी ने कहा कि भारत खिताब का प्रबल दावेदार था लेकिन टीम प्रबंधन प्रतिभा का सही उपयोग करने में नाकाम रहा। मूडी ने क्रिकबज.कॉम से कहा, ''भारत को जिन चुनौतियों का सामना करना पड़ता है उनमें से एक अपने खिलाड़ियों से बहुत अधिक उम्मीद करना है। मुझे नहीं पता कि वे इसे पसंद करते हैं या नहीं। इसमें कोई संदेह नहीं कि क्रिकेट खेलने वाले किसी भी देश की तुलना में भारत के पास अधिक प्रतिभा है लेकिन कभी यह बोझ बन सकती है।''जब आपको कई खिलाड़ियों में से चयन करना पड़ता है तो आप इस पर मनन कर सकते हैं कि आप अपनी सोच और समझ से किस तरह की योजना बनाना चाहते हैं।

विकास दुबे के एनकाउंटर पर तापसी ने जताई हैरानी

(वूमेन एक्सप्रेस ब्युरो)

मुंबई । कानपुर पुलिस हत्याकांड में मोस्ट वॉन्टेड रहे विकास दुबे को शुक्रवार सुबह एनकाउंटर में मार दिया गया है।

इस एनकाउंटर के बाद सोशल मीडिया पर चर्चा शुरू हो गई है। यहां लोगों की अलगअलग प्रतिक्रिया देखने को मिल रही हैं, जिसमें कई लोग इसे फेक बता रहे हैं तो कई पुलिस की तारीफ और कई इसे फिल्मी एनकाउंटर बता रहे हैं।

ट्वीटर पर बॉलीवुड अभिनेत्री तापासी पन्नू ने जहां विकास दुबे के एनकाउंटर पर हैरानी जताई है। वहीं देश के जानेमाने कवि डॉ कुमार विश्वास ने भी ट्वीट किया है। आइए जानते हैं क्या कहा और कैसे हैं इनके कमेंट... तापसी पन्नू ने विकास दुबे के एनकाउंटर को लेकर अपने ट्वीट में लिखा, ' वाओ... इसकी उम्मीद हमें नहीं थी और फिर हम लोग बॉलीवुड पर ये आरोप लगाते हैं कि वो वास्तविकता से दूर है।'

तापसी के इस ट्वीट के बाद जहां कई फैंस तापसी के ट्वीट के समर्थन में आए तो वहीं ट्वीट कुछ इसके विरोध में नजर आए। विरोध में नजर आ रहे लोगों का कहना है कि उन्होंने पुलिस और प्रशासन की विश्वसनीयता पर सवाल उठाए हैं। वहीं डॉ. कुमार विश्वास ने इस एनकाउंटर पर अपना रिएक्शन देते हुए ट्वीट किया, फिल्मी पटकथाओं में तो वास्तविकता बची नहीं है पर वास्तविकताओं में खूब फिल्मी पटकथा बची हैं। ट्वीट द्वारा किया गया उनका ये इशारा किस तरफ है, यह लोग बखूबी जानते हैं।

बता दें कि कानपुर में आठ पुलिसकर्मियों की हत्या का मास्टरमाइंड विकास दुबे को गुरुवार को मध्यप्रदेश के उज्जैन से गिरफ्तार किया गया था।

सच्चा गुरु

जीवन में गुरु का होना उजड़ी बगिया में एक खिले हुए पुष्प के होने के आभाससा होता है,

इसीलिए तो गुरु समस्त देवताओं के समान होता है, संकट जैसी उफनती नदी में जो नौका में ज्ञान का चप्पू प्रयोग करना सिखाये,

और सही तट ले जाए ऐसा गुरु तो स्वयं ब्रह्मा से भी महान होता है

कपट, तृष्णा, पाप से भरे इस कलयुग में विश्वास का बहुत नुकसान होता है,

कैसे विश्वास हो की इस युग में भी शिक्षक में भगवान होता है?

बहुत सरल नहीं है ये जीवन की क्षणिक यात्रा,

पर जो संसार के समस्त छल के बीच में भी न्याय के पथ पर चलना सिखाये,

बस वही है सच्चा गुरु जो सबसे महान होता है

उम्र बढ़ने के साथसाथ कुछ नये सीखने की दौड़ में गलतियों का कद भी ऊँचा होता है,

संसार के समस्त गुरुओं को मेरा हाँथ जोड़कर नमस्कार जो इन गलतियों को नज़र अंदाज़ नहीं करता है,

और ऐसा गुरु प्राप्त करना ही ईश्वर प्रदत्त आशीर्वाद के समान होता है,

भाग्यशाली हूँ की मुझे ऐसे गुरु की छाया में कुछ नया सीखने का अवसर प्रत्येक दिन प्राप्त होता है

स्तुति श्रीवास्तव
प्रयागराज, उत्तर प्रदेश।
www.womenexpress.in

तुम सब कुछ कर सकते हो

चल उठ खड़े हो जाओ ...
नई जोश नई उमंग लाओ...

कर ऐसा कुछ कार्य तू...
बदल सको आने वाला कल तु ...

जो बीत गया है कल, बुरा वक्त..
उसको बदलना तेरे हाथ में नहीं..

मत सोच तू बीती बातों को ...
तू बदल सकता है आने वाला कल को ...

तू कर सकता है, तू सब कुछ कर सकता है...
तू भी छू सकता है ऊंचे आसमां को
तू हिम्मत तो रख .....

चल उठ खड़े हो जाओ.....
तुम्हें ही तो इतिहास में दर्ज होना हैं..
एक सकारात्मक सोच लिए
चलते जाओ...
जीवन के पथ पर इतिहास छोड़ते जाओ...

जिद्दी बन अटल रहा जो
अपने पथ पर..
याद उसे ही किया जाता
रहा जमी पर...

भावी पीढ़ी लेगा प्रेरणा तुझसे...
तुझे ही याद किया जाएगा कल...

चल उठ, खड़े हो जाओ, एक नई सोच लाओ
मेहनत कर एक नई इतिहास बनाओ...

पी. बी गरिमा गुप्ता
बिरौली, पूर्णिया, बिहार।

गाँव की कहानी

आओ आज तुम्हें सुनाऊँ गाँव की कहानी।
यहाँ कुछ इंसान मिलेंगे गरीब और लाचारी
फिर भी इनके मुख से निकले मीठी वाणी
आओ आज तुम्हें सुनाऊँ गाँव की कहानी।
खेतो में किसान मिलेंगे,
पेड़ो के नीचे छाँव मिलेंगे,
मिलेंगे नदियों मे पानी।
आओ आज तुम्हें सुनाऊँ गाँव की कहानी।
बहुत घूमें है शहरो में एक बार
घूमें मेरे गाँव
शहरो से भी अच्छा लगेगा जब रखेंगे यहाँ पाँव
चारो तरफ छायी है यहाँ खेतो में हरियाली
आओ आज तुम्हें सुनाऊँ गाँव की कहानी।
संस्कार मिलेंगे, आदर्श विचार मिलेंगे,
रिश्तो में मिठास मिलेंगे,
मिलेंगे दादापोता के ऐसे नादानी,
जैसे मिले चक्षु में पानी।
आओ आज तुम्हें सुनाऊँ गाँव की कहानी।
बहुत किए विदेश भ्रमण
लेकिन भारत ऐसा देश नही
फिर हमने पाया कि भारतमाता ग्रामवासिनी
आओ आज तुम्हें सुनाऊँ गाँव की कहानी।

प्रियदर्शन कुमार
दरभंगा (बिहार)।
www.womenexpress.in

उठो स्त्री आँखे खोलो

उठो स्त्री आँखे खोलो
अब है बेला जागरण की
सदियां बीती बन बेचारी
हटाओ परत आवरण भ्रम की । ।

तोरो चार दिवारी के अंदर का जेल
समाज ने खेला तुमसे माया का खेल ।।
बनाया समाज ने तुमको भयंकर भोला
उढ़ाया तुम पर सुहाग का चोला।।
कहा इसी में बसाओ जिंदगी
वरना जीवन मात्र गंदगी ।।

कब तक यूं तुम बिकोगी
खोखली प्रथा दहेज से
मजबूत करो अपनी आर्थिक क्षमता
न जोरो नाता तुम सेज से।।

मैं ना कहती कि तुम
सुख न भोगो पतिव्रत का
प्रथम करो खुद को क़ाबिल कि
मिले तुम्हें हर क्षण सुख का ।।

मैं न कहती कि तुम
तोड़ो बेरियां सोलह श्रृंगार की
बनो प्रथम तुम वह ज्वाला जो
भस्म करे मनसा शैतान की ।।

कब तक यूं सहमी रहोगी
कब तक तुम दुख दर्द सहोगी
जीवन जीना है सुख से
तो प्रतिकार करो हैवानों से ।।

कहते हैं दुनियां में
अब भी बची हुई है मानवता
तो पहले मजबूत करो तुम
अपनी आर्थिक क्षमता ।।

हे स्त्री! तुम क्यों सहम जाती हो
जब कहते कि तुम स्त्री हो ?
अपने स्त्री होने को
न समझो तुम दुर्भाग्य
करो मुकाबला हैवानों से
बनाओ इसे अपना सौभाग्य ।।

जागो स्त्री!
तोरो तुम इस भ्रम को
दिखा दो समाज को
कर सकती तुम सारे काम
बनाओ तुम स्वयं का नाम
दिखलादो तुम अपनी शान
बनो तेज़ तलवार और
छोड़ो म्यान ।।

उठो स्त्री आंखे खोलो
अब है बेला जागरण की ।।

पूर्णिमा रॉय
बर्द्धमान (पश्चिम बंगाल)।
www.womenexpress.in

नर बने दानव खड़े हैं

है नज़र जिस ओर जाती,नर
बने दानव खड़े हैं ।
खून पीने को जिगर का, जान
के पीछे पड़े हैं ।।

काज करते हैं घिनौने, बोल
मीठे बोलते हैं,
आम जन की जिंदगी में, विष
यही तो घोलते हैं।
हो गए साधन सुलभ पर,क्यों
विकल हर आदमी है,
खुश धनिक हर ओर है
अरु,दीन के दृग में नमीं है।

दौर कैसा आ गया है,लोग
औंधे मुँह पड़े हैं।।
खून पीने को जिगर का,जान के पीछे पड़े हैं ।।

धूप की बरसात भारी ,छाँव
का छाता छिदा है,
है बड़ा लाचार निर्धन,पर
सबल पर सब फिदा हैं।
रेत होती जिंदगी पर , आस
का तरुवर हरा है।
कील सी चुभती गरीबी, जी
रहा मन बावरा है।

व्यर्थ है आँसू बहाना,सब हुए
चिकने घड़े हैं ।
खून पीने को जिगर का,
जान के पीछे पड़े हैं ।।

रीना गोयल
(सरस्वती नगर) हरियाणा।
www.womenexpress.in

अभिलाषा

तेरा ही मैं अंश हूं मां , तेरा ही
में रूप हूं मां
तेरी कोख में जीवन मिला,
फिर क्यों तेरी कोख
में ही मार दिया मां
कभी झाड़ी में फेंका मुझको,
कभी कुत्तों ने नोचा मुझको,
कभी नाले में डाला मुझको ,
कभी जिंदा ही गाड़ा मुझको
रूह तेरी भी कांपी होगी, अश्रु
तेरे भी बहे होंगे
फिर क्यों मेरा यह हश्र किया मां
हृदय क्यों अपना पाषाण
किया मां
मैं तो आतुर थी मां बाहर की
दुनिया में आने को
तेरा स्पर्श पाने को मां तेरे
आंचल में सोने को
इतनी सी अभिलाषा मेरी क्यों
पूरी ना कर पाई मां
क्यों ना अड़िग रही मां मुझको
जीवन देने को मां
जो हिम्मत कर जाती मां इस
दुनिया से लड़ जाती मां
तेरी आत्माजा बनकर मां तेरे
स्नेह को पाती मां
तेरे आंगन की शोभा बनकर
तेरा मान बढ़ाती मां
इतनी सी अभिलाषा मेरी क्यों
पूरी ना कर पाई मां
क्यों पूरी ना कर पाई मां।।

प्रेमलता चौधरी
फालना, पाली, राजस्थान।
www.womenexpress.in

बारिश

वर्षा ऋतु है आई
सावन ने ली अंगड़ाई
धरती पर खुशियाँ छाई
मौसम में यौवन लौट आई
मिट्टी मंद मंद मुस्कुराई द्य

प्रकृति का हर कोना हुआ हरा
हरियाली चुनर ओढ़े धरा
खेत खलिहान रिमझिम फुहारों से भरा
पावस पर्यावरण लगे न्यारा

धरती गगन का रिश्ता प्यारा
नई उमंग लिए मनभावन सावन आया
तीज त्योहारों का मौसम आया
नदी झरना ने अब ली अंगड़ाई
चहूँ ओर घनघोर काली घटा छाई
धरती के हर कण को शीतल करने आई

बदरिया देख नाचे मन मयूर
चहके पक्षी बाग़ हुए गुलजार
ठण्डी ठण्डी शीतल चले बयार
हर लम्हा हुआ खुशियाँ अपार
खुशनुमा हुआ सारा संसार

डॉ. भवानी प्रधान
रायपुर (छत्तीसगढ़)।
www.womenexpress.in

मुस्कराहट

चेहरे पर छाने वाली हँसी
मुस्कराहट
तनावों से दूर करती है
मुस्कराहट
अपनी और आकर्षित करती है
मुस्कराहट
दोस्ती के तार जोड़ती है
मुस्कराहट
खूबसूरत अहसास से भरती है
मुस्कराहट

तनमन को ऊर्जा प्रदान करती है
मुस्कराहट
समस्याओं का समाधान है
मुस्कराहट
जीवन में सफलता की सीढ़ी है
मुस्कराहट
व्यक्ति के व्यक्तित्व की शान है
मुस्कराहट
चेहरे के कई भावों में एक भाव है
मुस्कराहट
नीरोग रहने की सरल औषधि है
मुस्कराहट

गरिमा राकेश गौतम
कोटा, राजस्थान ।
www.womenexpress.in

कभी कभी

कभी कभी यूँ भी होता
है बेवज़ह हो जाता मन
उदास और छलक उठते नैन
लाख संभालो मनाओ तब
दिल को बस रहता है
मन भारी का भारी ।।

कभी कभी यूँ ही होता है
छोटी सी खुशी गुदगुदा
देती है मन और खिल खिल
जाती है मुस्कान लबों पर

बरबस करती मन का हर
कोना आनन्दित।।

कभी कभी यूँ भी होता है
हो जाता अनायास ही
मेल आँसूओं का मुस्कान से
और एक साथ बहती नमी पलकों
की और मुस्कान लबों की।

कभी कभी यूँ भी होता है
जो होना होता है वो होता नहीं
जो नहीं होना होता वो हो जाता है...
शायद यही है जीवन जैसे मेल
सुख दुःख का आँसू और
मुस्कान का।।

मीनाक्षी सुकुमारन
नोएडा ।
www.womenexpress.in

बारिश...

ये भीनीभीनी सी खुशबू
जो माटी में से आयी है,
मानो धरती ने खुश होकर
हाँड़ी में खीर पकाई है।

ठंडेठंडे से छींटें ये
जो तिरपालों से गिरते हैं,
मानो हर मुरझाये मन को
कुछ जवांजवां सा करते हैं।

इस मौसम में भंवरों के संग
खुद पुष्प लताएं गाती हैं,
मानो खोकर जग सारे को
ये प्रियतम से मिल जाती हैं।

बूंदों के रुकते ही पंछी,
बिन सीढ़ी नभ चढ़ जाते हैं
मानों कि ये उन्मुक्ति में
मन से आगे बढ़ जाते हैं।

ये फ़िज़ा आसमानी होकर
हर ज़र्रे में गहरायी है,
मानों ये बारिश गोदी में,
इंद्रधनुष ले आयी है।

प्रिया राठौर
अम्बाह , मुरैना (मध्यप्रदेश)।
www.womenexpress.in

मेरी प्यारी गुड़िया रानी

गुड़िया जैसी थी तुम, गुड़िया से खेली।
साथ रहा सदैव तुम्हारे कभी न रही अकेली।

मां की प्यारी बाप दुलारी थी।
खुशियों की एक क्यारी थी।।

बचपन था तुम्हारा मैं भी बच्चा था।
प्यारा था बचपन बहुत ही अच्छा था।।

हुई कुछ बड़ी तो स्कूल भेजा था।
तुम्हारे हर सपने को हमने सहेजा था।।

पढ़ाई लिखाई में सदैव तुम पास रहीं।
यही हमारी खुशियों की आस रहीं।।

अब तक कि तुम्हारी यही कहानी है।
अब तो तू हो गई स्यानी है।।

अब तेरी शादी के बारे में सोचें हैं।
लड़के वालों के ख्वाब बहुत ऊंचे हैं।।

वर देखने में करनी पड़ती बहुत मशक्कत है।
एक पिता ही समझ सकता क्या क्या दिक्कत है।।

जिनके घर में श्यानी बेटी है।
उनके सर पर चिंता की पेटी है।।

मेरी प्यारी गुड़िया रानी बेटी होना तो तपस्या का फल है।
पर वर पक्ष के नखरे उठाना समस्या निश्चल है।।

बेटी मैंने बहुत ठोकरें खाई हैं।
वर ढूंढने में बहुत कठिनाई है।।

पंडित नितिन त्रिगुणायत
शाहजहांपुर, उत्तर प्रदेश।
www.womenexpress.in

मेरी बौनी उड़ान...

भले अभी है मेरी बौनी उड़ान,
धीरे धीरे छू लेना है आसमान।
विवेक, साहस और पराक्रम से,
मुझे चमकना है सूरज समान।।

अर्जुन के जैसा न मैं हूँ धनुर्धर,
कम न हो मेरे भी तीर कमान।
कर्म और धर्म करूँ कुछ ऐसा,
खड़ा रहूँ समाज में सीना तान।।

मेरे पास न ज़्यादा धन दौलत,
न बहुत बड़ा हमारा खानदान।
सामर्थ्य, हिम्मत और लगन से,
ऊँची है मेरे हौसलों की उड़ान।।

जीवन में हार कभी न माना,
जीत का जज़्बा विराजमान।
बौनी उड़ान दिखती हो मेरी,
मुझे बनाना इक नया जहान।।

बौनी उड़ान करके ही मुझे,
सफ़ल बना दे हे! भगवान।
मेरे दामन में भर दे खुशियाँ,
मैं भी बनूँ एक नेक इंसान।।

पद प्रतिष्ठा मिल जाय मुझे,
न हो कभी मुझे अभिमान।
सद्कर्मों से पहचाना जाऊँ,
भले ही मेरी हो बौनी उड़ान।।

लाल देवेन्द्र कुमार श्रीवास्तव
बस्ती [उत्तर प्रदेश]।
www.womenexpress.in

एहसास

इन्सानों का जीना रास ना
आया, किस जनमका बदला ली;
ऐ कोरोना तुझे मौत ना आयी,
जिन्दगी लाखों की छीनली!

खुशियां सारी कुचलकर ,
कोरोना ने जिंदगियां समेटली!
सिसकते रहे गए टुकड़े
जिगरके, अपने ही आशियानों मे;

बची है अब जिंदा लाशें,
अपनोकी जुदाई का ग़म लिए!

पागल ममता ढूंढ़े बच्चोंको,
लाशों की भीड़ में;
खोया सुहाग ढूंढ़े पगली,
मज़दूरों की भीड़ में!
चार दिन की दुनियां में,
खुशिसे जीना भी रास नहीं;

मरनेवाले ढूंढ़े जिन्दगी,
जिनदोंको जीने की आंस नही!
हर मजहब यही सिखाता,
रखना किसिसे बैर नहीं;

ज़िन्दगी का क्या भरोसा, आज
है तो कल नही!
इन्सानियत दबी पड़ी है आज,
नफरतों के मलबोंतले;
मन्दिरमस्ज़िद के झगडेवालो
क्या इसका तुम्हे एहसास नहीं!

मुख्तार शेख
मनमाडी ।
www.womenexpress.in

कोरोना और सावन

सखी री, जे कोरोना लै गयौ,
सावन की बहार।
ना उमंग के बादल घुमड़ें,
ना उत्साह की फुहार।।

अब के सावन ऐसे लागै,
बिन शक्कर की चाय।
ना बागों में झूले पड़ रहे,
ना सेल कौ परचम लहराऐ।।

तीज त्यौहार अबके सावन के,
सब फीके फीके लागैं।
सखी री, अब तोसे मिलने कूं,
जियौ मेरौ तरसो जावै।।

भाई बहन राखी त्यौहार अब,
पहले जैसौ कैसे मनावें?
हरियाली तीज पर सखियां अब,
गीत मल्हार भी कैसे गावें?

अपने कान्हा के दर्शन कूं,
मेरौ जियो बहुत मचलावै।
सखी री,अब के जैसौ सावन,
ना दोबारा कबहुं आवै।।

नीता तायल
www.womenexpress.in

एक नजर

शेयर बाजार गिरावट में सेंसेक्स 143 अंक फिसला

मुंबई। वैश्विक बाजारों के मिश्रित संकेतों के बीच घरेलू स्तर पर कोरोना वायरस पीड़ितों की संख्या में हो रही बढोतरी के कारण देश के कई जिलों में हो रहे लॉकडाउन के दबाव में शुक्रवार को शेयर बाजार में फिर से बिकवाली हुयी जिससे बीएसई का सेंसेक्स 143.36 अंक और एनएसई का निफ्टी 45.40 अंक टूट गया। बीएसई का 30 शेयरों वाला संवेदी सूचकांक सेंसेक्स 143.36 अंक गिरकर 36594.33 अंक पर और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी 45.40 अंक टूटकर 10768.05 अंक पर रहा। इस दौरान छोटी और मझौली कंपनियों में भी बिकवाली हुयी जिससे बीएसई का मिडकैप 0.72 प्रतिशत उतरकर 13396.83 अंक पर और स्मॉलकैप 0.35 प्रतिशत गिरकर 12803.78 अंक पर रहा।

तालाब में डूबने से एक ही परिवार के 4 बच्चों की मौत

रोहतास । जिले के तिलौथू में हुए दर्दनाक हादसे में एक ही परिवार के चार बच्चों की डूबने से मौत हो गई। बताया जा रहा है कि एक गड्ढे नुमे तालाब में नहाने के दौरान यह हादसा हुआ। दरअसल तिलौथू में नहर के पास एक गड्ढे नुमा तालाब बनाया गया है, जिसके पुलिया से कूदकर बच्चे नहाया करते थे। आज इसी दौरान यह दर्दनाक हादसा हो गया जिसमें चार बच्चों की जान चली गई।

घटना की सूचना मिलने पर स्थानीय पुलिस ने पहुंचकर गोताखोर की मदद से चारों बच्चों को निकालकर प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र ले गए, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

पुलिस ने सभी शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सासाराम के सदर अस्पताल भेज दिया है।

आईएएस बनना चाहती है रिदम

प्रयागराज । सेंट मेरिज कॉन्वेंट इंटर कॉलेज, प्रयागराज की मेधावी छात्रा रिदम पांडे ने आई एस सी की 12वीं की परीक्षा में 97.5 अंक प्राप्त किए हैं। रिदम को अकाउंट्स में 100% अंक प्राप्त हुए हैं। उसे अर्थशास्त्र में 99% तथा कॉमर्स में 98% अंक प्राप्त हुए हैं तथा हिंदी और अंग्रेजी में 93% अंक मिले हैं। रिदम का लक्ष्य आईएएस बनना है। रिदम अपनी इस उल्लेखनीय सफलता का श्रेय अपनी नानी,मातापिता एवं गुरुजनों को देती है। रिदम के पिता इंदु भूषण पांडे,उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज में कुलपति सचिवालय में कार्यरत हैं तथा उनकी मां चारुल पांडे, बाट एवं माप विभाग, प्रयागराज में अकाउंटेंट हैं।

44 ट्रेन सेट बनाने के लिए चीनी कंपनी ने भी लिया हिस्सा

वंदे भारत चलाने के लिए खुली निविदा, 6 कंपनियां शामिल, रेलवे का नहीं होगा निजीकरण: चेयरमैन

(विशेष संवाददाता)

नई दिल्ली, 10 जुलाई । रेलवे के निजीकरण और 109 रूटों पर प्राईवेट ट्रेन चलाने को लेकर हो रहे विरोध के बीच रेलवे बोर्ड के चेयरमैन वीके यादव ने आज स्पष्ट किया कि रेलवे का निजीकरण नहीं हो रहा है।

बल्कि, निजी भागीदारी से निजी भागीदारी से 109 रूट पर 151 अतिरिक्त आधुनिक ट्रेनें चलाई जायेंगी। जिनका कोई प्रभाव रेलवे की ट्रेनों पर नही पड़ेगा, बल्कि ट्रेनों के आने से रोजगार का सृजन होगा। उनके मुताबिक पीपीपी आधार पर चलाई जाने वाली इन ट्रेनों से भारतीय रेलवे को 300 करोड़ रुपये का निवेश होगा। बोर्ड के चेयरमैन ने कहा कि लोगों द्वारा गलत अफवाह फैलाई जा रही है कि रेलवे का निजीकरण किया जा रहा है।

सरकार एवं रेलवे की ऐसी कोई मंशा नहीं है। चेयरमैन का तर्क है कि रेलवे की वर्तमान में चल रही सेवाओं में बिना कोई परिवर्तन किये, निजी भागीदारी द्वारा आधुनिक सुविधाओं से युक्त 151 नई ट्रेनें चलेंगी। इन ट्रेनों से रेलवे का निजीकरण नही होगा, बल्कि इस भागीदारी से आधुनिक सुविधा, सुरक्षा सहित सीटों की उपलब्धता बढ़ेगी, जिसका लाभ यात्रियों को मिलेगा। उन्होंने कहा कि कर्मचारी संगठनों को इस बारे में बैठक कर समझाया जा रहा है। साथ ही हर पहलुओं के बारे में भी स्पष्ट किया जा रहा है।

पत्रकारों से बातचीत करते हुए रेलवे बोर्ड के चेयरमैन वीके यादव

ने बताया कि ट्रेन सेट के रूप में 44 वंदेभारत को भारतीय रेलवे चलाएगा, जिसकी निविदा खुल गई है। इसमें 6 कंपनियां शामिल हो रही है। इसमें भारत सरकार की बीएचईएल के अलावा एक मात्र विदेशी कंपनी है, वह भी चाइनीज। हालांकि इस चाइनीच कंपनी का एक भारतीय कंपनी के साथ ज्वाइंट वेंचर है। चीनी कंपनी के स्वामित्व वाली सीआरआरसी कॉर्पोरेशन भारतीय रेलवे की सेमीहाई स्पीड स्वदेशी ट्रेन 18 परियोजना के लिए रेलवे के वैश्विक निविदा के एकमात्र विदेशी खिलाड़ी के रूप में शामिल है।

बता दें कि चीन और भारत के बीच तनावपूर्ण माहौल के चलते रेलवे की एक कपंनी ने डीएफसी पर सिंग्नल लगा रही चीनी कंपनी का ठेका कैंसिल कर दिया था। इसके अलावा अन्य दावेदारों में भारत हेवी इलेक्ट्रिकल्स, हैदराबाद स्थित मेधा समूह, इलेक्ट्रोवेसिव इलेक्ट्रॉनिक प्राइवेट लिमिटेड और मुंबई स्थित पावरनेटिक्स इक्विप्मेंट्स प्राइवेट लिमिटेड शामिल हैं। इन ट्रेनों में सभी कोच दिन की यात्रा के लिए चेयर कार प्रकार होंगे। उन्हें कैब एसी, पूरी तरह से वातानुकूलित यात्री डिब्बे के साथ वेस्टिब्यूल की व्यवस्था, वापस लेने योग्य पायदान के साथ स्वचालित प्लग दरवाजे, स्वचालित इंटरकॉम संचार द्वार, इन कोच डिस्प्ले, स्पीकर, साइड डेस्टिनेशन बोर्ड, रीडिंग लैंप के साथ सामान रैक, प्रत्यक्ष प्रकाश और विसरित के साथ प्रदान किया जाएगा।

इसके अलावा रेलवे डीजल इंजनों को विद्युत इंजनों में तब्दील करने की अपनी महत्वाकांक्षी योजना पर पुर्निवचार कर रहा है। रेलवे बोर्ड के अध्यक्ष वी. के. यादव ने ऑनलाइन संवाददाता सम्मेलन में कहा कि इस योजना के नफा नुकसान का पता लगाने के लिये एक उच्च स्तरीय समिति गठित की गई है।

रेलवे ने 2018 में कहा था कि वह डीजल इंजन के समूचे बेड़े को उनके नवीनीकरण में आने वाली आधी से भी कम लागत में विद्युत इंजन में तब्दील करने के एक मास्टर प्लान' पर काम कर रहा है। पिछले साल फरवरी में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वाराणसी में इस तरह से तब्दील किये गये प्रथम रेल इंजन को हरी झंडी दिखा कर रवाना किया था, जिसे रेलवे ने डीजल इंजन से विद्युत इंजन में तब्दील किया गया दुनिया का पहला रेल इंजन बताया था।

जैन समाज ने किया नए कलेक्टर नमित मेहता का अभिनंदन

(संजय जोशी/वूमेन एक्सप्रेस)

बीकानेर। गंगाशहर भीनासर साधुमार्गी जैन संघ एवं जवाहर विद्यापीठ गंगाशहरभीनासर, बीकानेर के जैन समाज के गणमान्यजनों द्वारा कलेक्टर नमित मेहता से मिलकर उनका अभिनंदन किया गया। इस अवसर पर मेहता को भगवान महावीर का फोटो फ्रेम भेंट कर शॉल ओढ़ाया, पगड़ी पहनायी, दुपट्टा ओढ़ाकर उनके उज्जवल भविष्य की कामना की। शिष्टाचार मुलाकात के दौरान पूर्व राष्ट्रीय उपाध्यक्ष अखिल भारतीय साधुमार्गी जैन संघ व वर्तमान में वरिष्ठ उपाध्यक्ष एवं ट्रस्टी श्री जवाहर विद्यापीठ कन्हैयालाल बोथरा व पूर्व अध्यक्ष जवाहर विद्यापीठ मोहन सुराणा ने कहा कि कोरोना जैसी भयंकर त्रासदी में समाज आपके साथ है। जब कभी भी किसी तरह की कोई आवश्यकता हो हम आपके आदेश की पालना करेंगे। इस मौके पर उन्होंने गंगाशहर में हॉस्पिटल समस्या समाधान की मांग की। कन्हैयालाल बोथरा, मोहन सुराणा, अखिल भारतीय साधुमार्गी जैन संघ

कार्यकारिणी सदस्य मेघराज बोथरा, शिखरचंद सुराणा, रिषभ बोथरा सहित अनेक गणमान्यजन मौजूद थे।

बोथरा ने यह भी बताया कि मेहता को 26 जनवरी 2020 को राज्य में बेस्ट कलेक्टर का अवार्ड राज्यपाल के हाथों मिल चुका है और हाल ही कुछ दिनों पूर्व गुड गवर्नेंस का अवार्ड की घोषणा भी की गयी थी जिनमें पहले नम्बर पर बीकानेर कलेक्टर नमित मेहता का नाम रहा है, इसके लिए पूरा जैन समाज गौरवान्वित होकर फूला नहीं समा रहा है और इसलिए आज उनका यहां अभिनंदन किया गया। उन्होंने कहा कि समाज को उन पर गर्व है। इस अवसर पर अतिरिक्त जिला कलक्टर प्रशासन ए.एच.गौरी का भी दुपट्टा ओढ़ाकर सम्मान किया गया।

इंदौर जिले में कोरोना के 44 नये मामले

इंदौर । मध्यप्रदेश के इंदौर जिले में 'कोविड 19' के 44 नये मामले आने के बाद कोरोना वायरस से संक्रमितों की संख्या 5087 तक जा पहुंची है। राहत की खबर है कि अब तक इनमें से 3,946 संक्रमित रोगी स्वस्थ होकर घर जा चुके हैं। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी (सीएमएचओ) डॉ प्रवीण जड़िया ने कल रात बुलेटिन जारी कर बताया कि जांचे गये कल 1461 सैम्पलों में 44 संक्रमित पाये गये हैं, जबकि 2449 सैम्पल जांच के लिये प्राप्त हुये हैं। उन्होंने बताया कि अब तक कुल 98,943 जांच रिपोर्ट प्राप्त हो चुकी हैं, जिसमें कुल संक्रमितों की संख्या 5087 है। सीएमएचओ ने बताया कि कल 59 और 60 वर्षीय दो पुरुषों तथा 63 वर्षीय महिला समेत तीन मौतों को दर्ज किया गया है, इसके बाद वायरस से मृतकों की संख्या 258 तक जा पहुंची है। उधर अब तक 3946 संक्रमितों को स्वस्थ होने पर अस्पताल से छुट्टी दी जा चुकी है, जिसके बाद अस्पताल में उपचारत रोगियों की संख्या 883 है।

हराभरा भरतपुर बनाने का आह्वान

(वूमेन एक्सप्रेस ब्युरो)

जयपुर। नेहरू युवा केंद्र भरतपुर मुख्यालय पर जिले के समस्त राष्ट्रीय युवा स्वयंसेवक व युवा मण्डल पदाधिकारी की बैठक में हरियाला भरतपुर बनाने का आह्वान किया गया। बैठक में जिला युवा समन्वयक सुनील राणा ने स्वयंसेवक एवं मंडल पदाधिकारियों से बारिश के मौसम को देखते हुया अधिक से अधिक वृक्षारोपण करने के लिए अपील करते हुये कहा बारिश आने तक युवा घूमते हुये पेड़ से गिरे बीज एकत्रित कर उचित तरीके से उचित स्थान पर रोपण करे साथ ही युवा स्वस्थ रहे अपने गाव को साफ सुथरा रखे।

लेखाकार जगदीश डागुर ने बताया की सीडगिंग रन को सफल बनाने के लिए कार्य योजना तैयार करली गयी है , जुलाई और अगस्त में युवा घूमते फिरते पेड़ों के नीचे से बिज़ एकत्रित कर रोपण करेंगे। कार्यक्रम मे सत्यवान सिंह, रामगोपाल, अंकित, कौशलेन्द्र सिंह, सुनील, प्रशान्त फौजदार, आदि युवा मोजूद रहे।

दीपक सिंह, मीनू गौतम, शिवम कुमार, पल्लवी रावत, निशा यादव, बंटी, मनोज, माखन, निरभान, दिनेश, इस अवसर पर काली बगीची स्थित शमसान घाट पर बीजारोपण किया गया।

नए आईजी से व्यापार मंडल पदाधिकारियों ने की चर्चा

(संजय जोशी/वूमेन एक्सप्रेस)

बीकानेर। बीकानेर रेंज के नए आईजी पुलिस प्रफुल्ल कुमार ने शुक्रवार को यहां पदभार ग्रहण कर लिया। इस अवसर पर बीकानेर व्यापार उद्योग मंडल (बीसीसीआई) के प्रतिनिधि मंडल के उपाध्यक्ष अनिल कुमार सोनी झूमरसा के नेतृत्व में पदाधिकारियों ने वर्ष 2001 बैच के आईपीएस कुमार से चर्चा के दौरान संभाग मुख्यालय के अनेक व्यापारिक संगठनों के सबसे बड़े बीकानेर व्यापार उद्योग मंडल द्वारा अब तक बड़ी संख्या में मास्क, सेनिटाइजर, भोजन किट व जरुरतमंदों को राशन सामग्री आदि का वितरण करने की जानकारी दी। साथ ही साथ कानून एवं ट्रेफिक व्यवस्था को लेकर चर्चा की। इस दौरान मंडल के मक्खनलाल अग्रवाल ने वैश्विक महामारी कोरोना के दौर में सामाजिक सरोकारों के तहत मंडल द्वारा किए जा रहे विभिन्न रचनात्मक क्रियाकलापों सहयोग आदि की जानकारी दी। इससे पहले अनिल कुमार सोनी, अग्रवाल के साथ दीपक अग्रवाल व सतीश पुरोहित ने बुके प्रजेंट कर उनका स्वागत सत्कार भी किया।

चीफ फार्मासिस्ट की सक्रियता हेतु मिला कोरोना कर्मवीर सम्मानपत्र, फार्मासिस्ट भी हुए सम्मानित

(अमित पाठक/वूमेन एक्सप्रेस)

बहराइच । जनपद अंतर्गत बिशेश्वरगंज क्षेत्र में क्राइम इन्वेस्टिगेशन एजेंसी द्वारा वैश्विक महामारी में लॉकडाउन प्रथम से ही सक्रिय रहे पत्रकार, स्वास्थ्य विभाग, पुलिस प्रशासन एवँ सफाई कर्मियों को चिन्हित कर उन्हें सम्मानित किया जा रहा है ।

इसी क्रम में जनपद के विकासखंड बिशेश्वरगंज अंतर्गत सीएचसी के चीफ फार्मासिस्ट डॉ0 ए0सी0 शुक्ला को उनके बेहतरीन कार्य एवँ सीएचसी के प्रति सजग समर्पण भावना के लिए सीआईए ने प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया । सीआईए ने फार्मासिस्ट डॉ0 अरविंद शुक्ला को भी उनके उत्कृष्ट कार्य हेतु सम्मानित किया ।

बता दे कि इससे पूर्व सीएचसी अधीक्षक डॉ0उत्कर्ष मिश्रा को उनके कुशल नेतृत्व हेतु प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया ।

एजेंसी के मण्डल प्रभारी सन्तोष पाण्डेय ने बताया कि क्राइम इन्वेस्टिगेशन एजेंसी द्वारा समाज सेवा

के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान देने वालों को सम्मानित कर उन्हें प्रोत्साहित किया जाता है।

वहीं एजेंसी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अजय सिंह ने बताया कि हमारी एजेंसी के कार्यकर्ताओं द्वारा कोरोना काल में जगह जगह पर जागरूकता अभियान के साथ सेवा कार्य किया गया है। उन्होंने कहा अब हमारी एजेंसी द्वारा कोरोना की लड़ाई में अतुलनीय योगदान देने वाले पुलिसकर्मी डॉक्टर पत्रकार एवं समाजसेवियों को सम्मानित करने का कार्य किया जा रहा है।

युवा समाजसेवी गोलू शुक्ला ने किया पौधारोपण

प्रतापगढ़ कुंडा के ग्रामसभा बानेमाऊ के युवा समाजसेवी गोलु शुक्ला ने अपने सहयोगियों के साथ सैकड़ो की संख्या में पौधरोपण किया साथ ही 1200 से अधिक अमरूद,निम,शीशम,जामुन,आदि के पौधे ग्रामीणों को वितरित किया गोलू ने कहा गाँव की विरासत यह हरियाली ही है हमे शुद्ध वातावरण और हरियाली के इस परंपरा को बचा के रखना होगा शहरीकरण के इस दौर में जिस तरह लोग अपनी जरूरतों के लिए वृक्ष काट रहे है इससे लगातार पर्यावरण प्रभावित हो रहा है हमारा यही प्रयास है कि हम अपने गाँव को हरा भरा और शुद्ध वातावरण को बरकार रखने में कोई कसर ना छोड़े गाँव के लोगो के सहयोग से पौधरोपण कर हम अपनी इस परंपरा को सुरक्षित रखना चाहते है साथ ही पर्यावरण को लेकर लोगो को जागरूक करने का भी प्रयास किया जा रहा है इन पौधों की देख रेख करने के लिए ग्रामीणों को सपथ भी दिलाया गया इस मौके पर प्रवीण पाल,पंकज मिश्रा,रजोल दादा, कांत मिश्रा, बैजनाथ पाल, शमशेर पासवान, आदि लोग मौजूद रहे।

हरियाणा बिजली उपभोक्ताओं को राहत दरों में प्रति यूनिट 1.80 रुपये की कटौती

(आलोक सांगवान/वूमेन एक्सप्रेस)

चंडीगढ़ । हरियाणा में कम बिजली का इस्तेमाल करने वाले उपभोक्ताओं को बड़ी राहत मिली है बिजली निगम ने दरों में भारी कमी की है। अब हर माह 150 यूनिट तक बिजली खपत करने वाले उपभोक्ताओं कम बिजली बिल चुकाना होगा। 150 प्रति यूनिट बिजली की दर में प्रति यूनिट 1.80 रुपये की कमी की गई है। अब नई दर 2.70 रुपये प्रति यूनिट होगी। पहले यह प्रति यूनिट 4.50 रुपये थी।

कोरोना वायरस के संक्रमण में आम आदमी को राहत देते हुए हरियाणा विद्युत विनियामक आयोग (एचईआरसी) के आदेश पर सर्कुलर जारी कर दिया गया है। यह दर 1 जून से लागू कर दिए गए हैं। प्रदेश में दक्षिण और उत्तर हरियाणा बिजली वितरण निगम से लाखों उपभोक्ताओं को बिजली सप्लाई होती है। दोनों निगम में करीब 65 लाख उपभोक्ता हैं। इसमें दक्षिण में करीब पौने 33 लाख तो उत्तर में करीब साढ़े 32 लाख उपभोक्ता हैं। इन उपभोक्ताओं को अब सीधे तौर पर फायदा होने जा रहा है। दक्षिण हरियाणा बिजली वितरण निगम की तरफ से जारी सुर्कलर डी14 में नया टैरिफ जारी किया गया है। निगम को हो रहा फायदा भी इसका एक कारण माना जा रहा है। उसका लाभ अब उपभोक्ता को दिया गया है।

ग्रामीण क्षेत्र में 150 यूनिट तक बिजली प्रयोग करने वाले उपभोक्ता काफी ज्यादा हैं। उनके पास बिजली के घंटे कम होना, एसी का प्रयोग नहीं होना आदि कई कारण हैं, जिससे लाभ ज्यादा होगा। प्रदेश में आधे गांव के ही उपभोक्ता हैं।

विकास दुबे प्रकरण की तीन बातों पर रहस्य की परत: उमा भारती

भोपाल । उत्तर प्रदेश के कानपुर में आठ पुलिस जवानों की हत्या करने का आरोपी विकास दुबे मध्य प्रदेश के उज्जैन से कानपुर ले जाते समय कार पलटने के बाद भागने की कोशिश में मारा गया है। मध्य प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री उमा भारती ने विकास दुबे प्रकरण पर तीन बातों पर रहस्य की परत होने की बात कही है। उमा भारती ने ट्वीट कर कहा है कि देवेंद्र मिश्र जैसे ईमानदार डीएसपी एवं उनके साथ आठ पुलिस अधिकारी एवं सिपाहियों की निर्मम हत्या करने वाले राक्षस विकास दुबे को मार गिराने के लिए उप्र पुलिस को बधाई। उप्र पुलिस की जय हो। अभी भी उसने भाग निकलने की चेष्टा की किंतु वह मार गिराया गया। उमा भारती ने विकास के उज्जैन तक पहुंचने को लेकर सवालिया अंदाज में लिखा है। अब तीन बातें रहस्य की परत में हैं। वह महाकाल परिसर में कितनी देर रहा?। उसका चेहरा टीवी पर इतना दिखा कि उसे कोई भी पहचान लेता तो उसको पहचाने जाने में इतना समय कैसे लगा? विकास के मामले में मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री व गृहमंत्री से बात करने की बात कहते हुए उमा भारती ने लिखा है।

जेजेपी नए बदलाव के लिए तैयार, सभी इकाईयां भंग

सावन के महीने में नया रूप लेगी जननायक जनता पार्टी, संगठन किया गया भंग

(आलोक सांगवान/वूमेन एक्सप्रेस)

चंडीगढ़, 10 जुलाई। जननायक जनता पार्टी के शीर्ष नेतृत्व ने एक बड़ा फैसला लेते हुए पार्टी की सभी प्रमुख इकाईयों को भंग कर दिया है। पार्टी संस्थापक और पूर्व सांसद डॉ अजय सिंह चौटाला के सुझाव पर जेजेपी की राष्ट्रीय कार्यकारिणी, प्रदेश कार्यकारिणी, सभी जिला व हलका स्तरीय कार्यकारिणी को भंग कर दिया गया हैं, और बहुत जल्द नए पदाधिकारियों की घोषणा की जाएगी।

राष्ट्रीय-प्रदेश कार्यकारिणी, सभी प्रकोष्ठ, जिला व हलका इकाई भंग

जननायक जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष सरदार निशान सिंह ने बताया कि विधानसभा चुनाव के बाद से ही पार्टी संगठन को नया रूप देने पर विचार चल रहा था और पहले स्थापना दिवस पर 9 दिसंबर 2019 को सिरसा में, और इसके बाद 17 मार्च को चंडीगढ़ में हुई राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक में इस बारे में निर्णय लेने का अधिकार पार्टी संस्थापक डॉ अजय सिंह चौटाला को दिया गया था। इसके तुरंत बाद देश में कोरोना संक्रमण बढ़ने और लॉकडाउन के चलते इस विषय में आगे की चर्चा को स्थगित कर दिया गया था।

अब पार्टी ने संगठन विस्तार और बदलाव के काम में तेज़ी लाते हुए सभी पदाधिकारियों को पदमुक्त कर नए स्वरूप के लिए रास्ता तैयार कर दिया है। निशान सिंह ने बताया कि हरियाणा के अलावा दिल्ली में बनाए गए पदाधिकारी भी पदमुक्त किए गए हैं और वहां के लिए भी नए संगठन की घोषणा जल्द की जाएगी। उन्होंने ये भी बताया कि नए पदाधिकारियों की घोषणा तक विभिन्न पदों पर नियुक्त लोग उस पद के लिए अपनी जिम्मेदारी निभाते रहेंगे।

सरदार निशान सिंह ने कहा कि डेढ़ साल पहले विपरित परिस्थितियों में पार्टी की स्थापना करने के तुरंत बाद जींद उपचुनाव लड़ने, उसके 3 महीने बाद लोकसभा चुनाव लड़ने और फिर विधानसभा चुनाव लड़ने के व्यस्त समय के दौरान ही पार्टी के विभिन्न प्रकोष्ठ, कार्यकारिणी और जिला इकाईयां बनाई गई थीं।

वहीं जेजेपी ने 20 दिसम्बर, 2019 से 20 जनवरी, 2020 तक प्रदेशभर में सदस्यता अभियान चलाकर अपनी पार्टी के साथ लाखों नये सदस्य जोड़े। कम समय मिलने के बावजूद ज्यादातर पदाधिकारियों ने अपनी क्षमता से अधिक कार्य किया जिसकी बदौलत आज जेजेपी गठबंधन सरकार में शामिल होकर लोगों की सेवा कर रही है।

निशान सिंह ने सभी पदाधिकारियों का धन्यवाद किया और आगामी घोषणा तक अपने अपने क्षेत्र में जिम्मेदारी से काम करते रहने को कहा।

नैनी (प्रयागराज) कार्यालय
नैनी स्टेशन के सामने
प्रभारी:
सुजीत चौरसिया
Mo- 9451251066

वूमेन एक्सप्रेस
स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक सुनील पाण्डेय ने आदित्य ग्राफिक्स INC, प्रताप भवन, 5 बहादुर शाह जफर मार्ग, नई दिल्ली–1 से मुद्रित व ई–4/168, गली नंबर–6, सागर मार्केट, साढे 4 पुस्ता, सोनिया विहार दिल्ली–94 से प्रकाशित किया।
RNI.DELHIN / 2013/ 48606
मो.– 07042999974
टेली– 09013 518 518
www.womenexpress.in
thewomenexpress@gmail.com

एक नजर

पीएम स्वनिधि ऋण का वितरण सितंबर तक टालें: हॉकर संगठन

कोलकाता। एक हॉकर संगठन ने केंद्र सरकार को पीएम स्वनिधि योजना के तहत लाभार्थियों को ऋण वितरण सितंबर तक टालने का सुझाव दिया है। केंद्र सरकार ने कोरोना वायरस महामारी के मद्देनजर करीब 50 लाख छोटे दुकानदारों की मदद करने के लिये इस महीने प्रधानमंत्री स्ट्रीट वेंडर्स आत्म निर्भर निधि (पीएम स्वनिधि) योजना शुरू की है। इसके तहत रेहड़ीपटरी विक्रेताओं को 10 हजार रुपये तक के सूक्ष्म ऋण दिये जाने हैं। इस योजना में डिजिटल भुगतान का विकल्प चुनने पर कैश बैक की भी सुविधा है। योजना का लाभ उठाने के लिये डिजिटल आवेदन का पोर्टल शुरू हो चुका है और 40 हजार से अधिक विक्रेता आवेदन कर चुके हैं। इनमें से 300 से अधिक को ऋण का वितरण भी किया जा चुका है। नेशनल हॉकर्स फेडरेशन के महासचिव शक्तिमान घोष ने बताया, ''यदि ऋणों का वितरण तुरंत शुरू हो जाता है, तो हमारा मानना है कि रेहड़ीपटरी विक्रेता दैनिक जरूरतों को पूरा करने के लिये ऋण के पैसे खर्च कर देंगे, क्योंकि 70 प्रतिशत से अधिक ऐसे विक्रेता अपनी गतिविधि को फिर से शुरू नहीं कर पाये हैं। इसका परिणाम होगा कि वह कर्ज का पुनर्भुगतान नहीं कर पायेंगे।'' घोष ने कहा, 'ऐसे में ऋण का लाभ व्यर्थ जायेगा। हमारी राय में, प्रक्रिया जारी रहनी चाहिये।

435 किलो गांजा के साथ तीन गिरफ्तार

कोलकाता । नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एनसीबी) की कोलकाता इकाई ने 435 किलो गांजा के साथ तीन लोगों को गिरफ्तार किया है। एनसीबी की कोलकाता क्षेत्रीय इकाई के निदेशक सुधांशु सिंह ने शुक्रवार सुबह इस बारे में जानकारी दी है। उन्होंने बताया कि पुख्ता सूचना मिलने के बाद गुरुवार शाम बैरकपुर में डनलप ब्रिज के पास एक महिंद्रा पिकअप वाहन को रोका गया था। इसमें गांजा होने की पुख्ता सूचना पहले से थी, जिसके बाद एनसीबी की टीम ने उसकी तलाश शुरू कर दी। अंदर कई पैकेट में 435 किलो गांजा छिपा कर रखा गया था। इसके बाद इसमें सवार तीन लोगों को गिरफ्तार कर लिया गया। इनकी पहचान उत्तर 24 परगना के वनगांव निवासी विश्वजीत हालदार, इसी जिले के मगराहट के रहने वाले रविन नस्कर और बैरकपुर के रहने वाले सुबोध बागची के तौर पर हुई है। इसमें से विश्वजीत हालदार सप्लायर है। प्रारंभिक पूछताछ में इन लोगों ने बताया है कि ओडिशा से गांजा को लेकर आए थे और बांग्लादेश से सटे उत्तर 24 परगना के बनगांव क्षेत्र में इसकी तस्करी की जा रही थी। पूछताछ में इन लोगों ने बताया है कि इनके जाल पश्चिम बंगाल के साथसाथ ओडिशा और राज्य के अन्य हिस्से में भी फैले हुए हैं। इनके बाकी साथियों के बारे में पता लगाने के लिए इनसे गहन पूछताछ की जा रही है।

सुप्रीम कोर्ट की निगरानी में हो कानपुर कांड की जांच: मायावती

नई दिल्ली। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की अध्यक्ष मायावती ने उत्तरप्रदेश के कानपुर कांड की जांच उच्चतम न्यायालय की निगरानी में कराने की मांग करते हुए कहा है कि इससे शहीद पुलिस कर्मियों को न्याय मिल सकेगा।

सुश्री मायावती ने शुक्रवार को एक ट्वीट श्रृंखला में कहा कि पुलिस और आपराधिक और राजनीतिक गठजोड़ की भी जांच की जानी चाहिए।

बसपा नेता ने कहा, ' कानपुर पुलिस हत्याकाण्ड की तथा साथ ही इसके मुख्य आरोपी दुर्दान्त विकास दुबे को मध्यप्रदेश से कानपुर लाते समय आज पुलिस की गाड़ी के पलटने व उसके भागने पर यूपी पुलिस द्वारा उसे मार गिराए जाने आदि के समस्त मामलों की माननीय सुप्रीम कोर्ट की निगरानी में निष्पक्ष जाँच होनी चाहिए। '

सुश्री मायावती ने कहा , ' यह उच्चस्तरीय जाँच इसलिए भी जरूरी है ताकि कानपुर नरसंहार में शहीद हुए आठ पुलिसकर्मियों के परिवार को सही इन्साफ मिल सके। साथ ही, पुलिस तथा आपराधिक राजनीतिक तत्वों के गठजोड़ की भी सही शिनाख्त करके उन्हें भी सख्त सजा दिलाई जा सके। ऐसे कदमों से ही यूपी अपराधमुक्त हो सकता है।'

पुलिस की कार्यप्रणाली को लेकर अलग-अलग राय

विकास दुबे कथित मुठभेड़ कांड

(विशेष संवाददाता)

लखनऊ, दुर्दांत अपराधी विकास दुबे की शुक्रवार सुबह कथित मुठभेड़ में मौत के बाद उत्तर प्रदेश पुलिस की कार्यप्रणाली एक बार फिर चर्चा का केंद्र बन गई है। राज्य पुलिस के कई सेवानिवृत्त और सेवारत पुलिस अधिकारियों ने ऐसी मुठभेड़ों के वास्तविक होने या फिर उनके मानवाधिकार का मामला होने के पहलुओं पर अलग अलग राय जाहिर की है।

प्रदेश के पूर्व पुलिस महानिदेशक के. एल. गुप्ता ने बताया कि वैसे तो जो पुलिस कह रही है उसे हमें मान लेना चाहिए। आखिर क्यों हम हमेशा नकारात्मक रवैया अपनाते हुए पुलिस को गलत ठहराते हैं। मुठभेड़ की नहीं जाती है बल्कि हो जाती है। उन्होंने कहा कि दुबे पर 60 से ज्यादा आपराधिक मुकदमे थे। वह जानता था कि कानून को कैसे इस्तेमाल किया जाना है। वह आखिर इतने सालों तक जेल से बाहर कैसे रहा। इस सवाल पर कि मौका ए वारदात की तस्वीरें देखने के बाद कथित

मुठभेड़ के बारे में उनका क्या सोचना है, गुप्ता ने कहा कि घटनाएं असामान्य नहीं होतीं। दुबे को उज्जैन से लाया जा रहा था और हो सकता है कि गाड़ी का चालक थक गया हो। बरसात के मौसम में ऐसी घटनाएं हो जाया करती हैं। उन्होंने कहा कि मुठभेड़ की घटनाओं की मजिस्ट्रेट से जांच कराई जाती है। मजिस्ट्रेट पुलिस के अधीन काम नहीं करते। अगर कहीं कुछ गलत हुआ है तो मजिस्ट्रेट मुकदमा दर्ज कराने के आदेश दे सकते हैं। पुलिस महानिरीक्षक (सिविल डिफेंस) अमिताभ ठाकुर ने कहा कि हो सकता है विकास दुबे ने भागने की कोशिश की हो और वह मुठभेड़ में मारा गया हो, लेकिन इस संपूर्ण प्रकरण पर निगाह डालें तो इससे पुलिस में व्याप्त गंदगी भी उजागर हुई है और इसके जिम्मेदार लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने की जरूरत है। अमिताभ की पत्नी नूतन ठाकुर ने उत्तर प्रदेश पुलिस में कथित रूप से व्याप्त गड़बडियों को लेकर राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग से शिकायत की है। उन्होंने कहा कि विकास दुबे निश्चित रूप से बहुत बुरा आदमी था, लेकिन पुलिस उसका साथ देकर कौन सा अच्छा काम कर रही थी। विकास दुबे और उसके साथियों प्रभात मिश्रा और प्रवीण दुबे के कथित मुठभेड़ में मारे जाने की घटनाओं को देखकर लगता है कि कहीं ना कहीं कुछ गड़बड़ जरूर है और इसे लेकर पुलिस की कहानी पर भरोसा नहीं किया जा सकता।

सेल्फी प्वाइंट बना कथित मुठभेड़ स्थल

भौती, कानपुर (उप्र) । कानपुर में आठ पुलिसकर्मियों की हत्या के आरोपी दुर्दांत अपराधी विकास दुबे की शुक्रवार को कथित मुठभेड़ में मौत के बाद यह घटनास्थल लोगों के लिए सेल्फी प्वाइंट बन गया है। दुबे शुक्रवार सुबह उज्जैन से कानपुर ले जाते वक्त रास्ते में भौती क्षेत्र में स्पेशल टास्क फोर्स (एसटीएफ) के साथ हुई कथित मुठभेड़ में मारा गया। एसटीएफ के मुताबिक, दुबे को ले जा रहा वाहन भौती क्षेत्र में दुर्घटनाग्रस्त हो गया था। दुबे ने मौके का फायदा उठाकर भागने की कोशिश की। एसटीएफ ने उसे आत्मसमर्पण करने के लिए कहा लेकिन उसने एसटीएफ के जवानों पर एक जवान से छीनी गई पिस्टल से गोली चलाई। जवाबी कार्रवाई में वह मारा गया। वारदात के बाद वह घटनास्थल लोगों के कौतूहल का विषय बन गया है। उधर से गुजरने वाला हर शख्स यह जानने के लिए उत्सुक है कि किस जगह पर मुठभेड़ हुई और यह अंदाजा लगाने की कोशिश में है कि दुबे को कैसे मारा गया होगा। यह कहना गलत नहीं होगा कि वह घटनास्थल सेल्फी प्वाइंट बन गया है।

कैदी को हथकड़ी लगाने या न लगाने पर बहस

नयी दिल्ली। दुर्दांत अपराधी विकास दुबे की शुक्रवार कथित मुठभेड़ में मौत के बाद अपराधियों को हथकड़ी लगाने या न लगाए जाने को लेकर बहस छिड़ गई है। एक तरफ सवाल है कि पुलिस ने दुबे जैसे बदमाश को हथकड़ी क्यों नहीं लगा रखी थी, तो दूसरी ओर उचतम न्यायालय के वे निर्देश हैं, जिनमें वह हथकड़ी लगाए जाने को अमानवीय, अनावश्यक तथा कठोर और मनमाना तरीका करार दे चुका है। पुलिस कई न्यायिक मंचों पर यह कहते हुए हथकड़ी लगाए जाने का समर्थन करती आई है कि इससे यह सुनिश्चित करने मदद मिलती है कि खूंखार आरोपी या दोषी गिरफ्त से भाग न पाए। शीर्ष अदालत समयसमय पर विचाराधीन व्यक्ति को हथकड़ी लगाए जाने की प्रक्रिया को लेकर दिशानिर्देश जारी करती रही है। अदालत का कहना है कि कोई फरार न हो, यह सुनिश्चित करने के लिये हथकड़ी लगाया जाना अनिवार्य नहीं है। पुलिस के अनुसार दुबे को उज्जैन से कानपुर लाया जा रहा था। इस दौरान उसने भौती पहुंचने पर भागने की कोशिश की, जिसके बाद वह मारा गया। इस दौरान पुलिस की एक कार दुर्घटनाग्रस्त हो गई। बताया जा रहा है कि दुबे ने इस दुर्घटना में घायल हुए एक पुलिसकर्मी से पिस्तौल छीनी और गोलीबारी करते हुए भागने लगा। इस दौरान गोली लगने से उसकी मौत हो गई। हालांकि उत्तर प्रदेश के विपक्षी दल पुलिस की बताई इस बात पर सवाल उठा रहे हैं। एक अधिकारी ने कहा कि इस दुर्घटना और सुबह करीब छह बजे हुई गोलीबारी में विशेष कार्य बल के दो पुलिस किर्मियों समेत छह पुलिस कर्मी घायल हुए हैं। इस घटना के साथ ही अपराधियों को एक स्थान से दूसरे स्थान पर ले जाते समय हथकड़ी लगाने को लेकर एक बार फिर बहस शुरू हो गई है। अदालत ने 1995 में कहा था कि हथकड़ी लगाकर या इस तरह के अन्य तरीके अपनाकर आवाजाही की स्वतंत्रता पर बंदिशें नहीं लगाईं जा सकती। अदालत ने स्पष्ट रूप से कहा था कि न्यायिक स्वीकृति के बिना कैदियों को हथकड़ी लगाना अवैध है।

पत्रकारों को कथित तौर पर निशाना बनाने पर पीसीआई ने लिया संज्ञान

(विशेष संवाददाता)

नयी दिल्ली। भारतीय प्रेस परिषद (पीसीआई) ने कोविड 19 महामारी के मद्देनजर लागू लॉकडाउन के दौरान लोगों को होने वाली समस्याओं के बारे में रिपोर्टिंग करने को लेकर पत्रकारों को कथित तौर पर निशाना बनाने की अलगअलग घटनाओं के संबंध में शुक्रवार को उत्तर प्रदेश, छत्तीसगढ़ और हिमाचल प्रदेश की सरकारों से जवाब मांगे।

पीसीआई ने एक बयान में कहा कि उत्तर प्रदेश में कोविड 19 लॉकडाउन अवधि के दौरान पत्रकारों को कथित रूप से निशाना बनाये जाने के संबंध में उसने स्वत- संज्ञान लिया है। लॉकडाउन अवधि के दौरान लोगों की समस्याओं से संबंधित मुद्दों की कथित तौर पर रिपोर्टिंग करने को लेकर उत्तर प्रदेश के भदोही जिले के गोपीगंज थाने में चार पत्रकारों के खिलाफ एक प्राथमिकी दर्ज की गई है। एक अन्य घटना में रिपोर्टर विजय विनीत और जनसंदेश टाइम्स के प्रधान संपादक सुभाष राय को नोटिस जारी किया गया है। चूंकि मामलों ने प्रेस के स्वतंत्र कामकाज के बारे में ड्क्षचता उत्पन्न की है, पीसीआई अध्यक्ष ने इस पर ड्क्षचता जताती है

और उत्तर प्रदेश सरकार से टिप्पणी के लिए कहा है। पीसीआई ने एक अलग बयान में कहा कि उसने छत्तीसगढ़ में कोविड19 के मद्देनजर लागू लॉकडाउन की अवधि के दौरान पत्रकारों को कथित रूप से निशाना बनाने के संबंध में स्वत-संज्ञान लिया है। पीसीआई ने कहा कि बस्तर की आवाज़'के रिपोर्टर नीरज शिवहरे को उस महिला की समस्या के संबंध में कथित तौर पर रिपोर्टिंग करने के लिए नोटिस दिया गया है, जिसे कोविड19 के मद्देनजर लागू लॉकडाउन के दौरान भोजन का इंतजाम करने के लिए अपने घर का सामान बेचना पड़ा था। अधिकारियों ने कहा था कि इससे प्रशासन की छवि को नुकसान पहुँची। चूंकि ये मामले प्रेस के स्वतंत्रता को प्रभावित करते हैं, इसलिए छत्तीसगढ़ सरकार से मामले के तथ्यों पर टिप्पणी की मांगी गई है। पीसीआई ने एक अन्य बयान में कहा कि उसने हिमाचल प्रदेश में कोविड19 लॉकडाउन अवधि के दौरान राज्य पुलिस द्वारा पत्रकारों को कथित रूप से निशाना बनाने के संबंध में स्वत-संज्ञान लिया है, जिसमें पंजाब केसरी के एक पत्रकार सोमदेव शर्मा के खिलाफ राज्य में अंतरराज्यीय यात्रियों को पृथक करने में प्रशासन की ढिलाई को लेकर कथित तौर पर रिपोर्टिंग के लिए प्राथमिकी दर्ज की गई है।

बोइंग ने भारत को 22 लड़ाकू सहित 37 सैन्य हेलीकाप्ट दिए

एएच-64ई अपाचे दुनिया के सबसे उन्नत बहुद्देश्यीय लड़ाकू हेलीकाप्टरों में से एक

(विशेष संवाददाता)

नयी दिल्ली। चीन के साथ सीमा पर तनावपूर्ण गतिरोध के बीच प्रमुख अमेरिकी एयरोस्पेस कंपनी बोइंग ने 22 अपाचे लड़ाकू हेलीकॉप्टरों में से अंतिम पांच हेलीकाप्टर पिछले महीने भारतीय वायुसेना को सौंप दिये और यह पूरी फ्लीट अब वास्तविक नियंत्रण रेखा के पास प्रमुख हवाई ठिकानों पर तैनात विमानों एवं हेलीकाप्टरों का हिस्सा बन गई है। अधिकारियों ने शुक्रवार को यह जानकारी दी।

बोइंग ने कहा कि उसने सभी 22 अपाचे और 15 चिनूक सैन्य हेलीकाप्टरों की भारतीय वायुसेना को आपूर्ति पूरी कर दी है और वह भारतीय सशस्त्र बलों की संचालन जरूरतों को पूरा करने के लिए पूरी तरह से प्रतिबद्ध है। एएच64ई अपाचे दुनिया के सबसे उन्नत बहुद्देश्यीय लड़ाकू हेलीकाप्टरों में से एक है और इसे अमेरिकी सेना द्वारा उड़ाया जाता है। चिनूक एक बहुद्देश्यीय र्विटकल लिफ्ट हेलीकाप्टर है जिसका उपयोग मुख्य रूप से सैनिकों, तोपखाने, उपकरण और ईंधन के परिवहन के लिए किया जाता है। भारत ने सितंबर 2015 में भारतीय वायुसेना के लिए 22 अपाचे हेलीकाप्टर और 15 चिनूक हेलीकॉप्टरों, दोनों को ही पूर्वी लद्दाख में चीन के साथ गतिरोध के मद्देनजर वास्तविक नियंत्रण रेखा से लगे क्षेत्रों में भारतीय वायुसेना की तैनाती के तहत सेवा में लगाया गया

चिनूक हेलीकाप्टरों की खरीद के लिए बोइंग के साथ कई अरब डॉलर के एक अनुबंध को अंतिम रूप दिया था। वहीं भारतीय सेना के लिए छह अपाचे हेलीकाप्टरों की खरीद के लिए एक अनुबंध पर हस्ताक्षर गत फरवरी में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की भारत यात्रा के दौरान किये गए थे। अधिकारियों ने कहा कि अपाचे और है। हेलीकॉप्टरों का इस्तेमाल मुख्य रूप से पूर्वी लद्दाख में अग्रिम स्थानों पर सैनिकों को पहुंचाने के लिए किया जा रहा है, जहां भारत और चीन की सेनाओं के बीच आठ सप्ताह से गतिरोध था।

दोनों पक्षों ने इस सप्ताह तीन प्रमुख गतिरोध वाले स्थानों से सैनिकों को कम किया है। बोइंग डिफेंस इंडिया के प्रबंध निदेशक सुरेंद्र आहूजा ने कहा, सैन्य हेलीकाप्टरों की इस आपूर्ति के साथ ही हम इस साझेदारी का पोषण करना जारी रखे हुए हैं। हम भारत के रक्षा बलों की संचालन जरूरतों को पूरा करने के लिए उन्हें उपयुक्त क्षमताएं उपलब्ध कराने के लिए उनके साथ नजदीकी तौर पर काम काम करने को लेकर पूरी तरह से प्रतिबद्ध हैं।''

भारत अपाचे का चयन करने वाले 17 देशों में से एक है और इसका सबसे उन्नत संस्करण एएच 64ई अपाचे है। भारत और अमेरिका के बीच रक्षा और प्रतिरक्षा संबंध पिछले छह वर्षों से और प्रगाढ़ हुए हैं। द्विपक्षीय रक्षा व्यापार 2019 में 18 अरब अमरीकी डॉलर पर पहुंच गया जो दोनों पक्षों के बीच बढ़ते रक्षा सहयोग को दर्शाता है। दोनों पक्ष रक्षा विनिर्माण में दोनों देशों के निजी क्षेत्रों के बीच संयुक्त उद्यम और सहयोग के लिए भी जोर दे रहे हैं। जून 2016 में अमेरिका ने भारत को एक प्रमुख रक्षा साझेदार'' का दर्जा दिया था ।

दिल्ली में कोविड के मामलों में कमी से खुश न हों, रहें सतर्क

दिल्ली में जांच की संख्या में खासा इजाफा हुआ है जबकि मृत्युदर में हल्की गिरावट

(विशेष संवाददाता)

नयी दिल्ली। दिल्ली में कोरोना वायरस संक्रमण के मामले इस सप्ताह एक लाख के पार पहुंच गए हैं लेकिन संक्रमण के नए मामलों के गिरावट रोगियों के ठीक होने की बढ़ती दर से महामारी के काबू में आने की उम्मीद बढ़ी है।

दिल्ली में जांच की संख्या में खासा इजाफा हुआ है जबकि मृत्युदर में हल्की गिरावट आई है और संक्रमण के मामलों में बेतहाशा इजाफा का पहले जो पूर्वानुमान लगाया गया था, वैसी कोई बढ़ोतरी नहीं हुई। बहरहाल, विशेषज्ञों ने आगाह किया है कि संकेत भले ही अच्छे हैं, लेकिन इन्हें लेकर बेफिक्र होने और गफलत बरतने की जरूरत नहीं है। विशेषज्ञों के अनुसार यह अब भी शुरुआती दिन हैं। उन्होंने संक्रमण से बचने के लिये शारीरिक दूरी बनाए रखने, मास्क पहनने, हाथों को साफ रखने तथा अन्य उपायों को जारी रखने की जरूरत पर जोर दिया है। एक निजी अस्पताल में कोरोना वायरस के खिलाफ जंग में शामिल वरिष्ठ डॉक्टर ने नाम सार्वजनिक नहीं करने की शर्त पर कहा, हम कह सकते

हैं कि संक्रमण की जो रेखा है, वह सीधी होती प्रतीत हो रही है। हालांकि यह एक नया वायरस है जो अचानक विकराल रूप धारण कर सकता है। आईसीएमआर के महामारी विज्ञान एवं संक्रामक रोग डिविजन की प्रमुख डॉक्टर समरन पांडा ने कहा, मामलों में कमी आना उत्साहजनक है, लेकिन अच्छा होगा कि इस रूझान के सही ढंग के विश्लेषण के लिये अगले दो सप्ताह में सामने आने वाले आकंड़ों का इंतजार किया जाए, जिसके बाद यह कहा जा सकेगा कि संक्रमण का प्रसार थम रहा है। वायरस के प्रभावी नियंत्रण के लिये, अभी जो गिरावट देखी जा रही है, वह कुछ और समय के लिये जारी रहनी चाहिये। स्वास्थ्य मंत्रालय ने शुक्रवार को यह जानकारी दी कि दिल्ली में एक मार्च को कोविड 19 का पहला मामला सामने आया था। तीन महीने से अधिक समय बाद संक्रमितों की संख्या बढ़कर 1,07,051 हो गई है, जिनमें से 3,258 रोगियों की मौत हो चुकी है। बहरहाल, 82,226 लोग ठीक हो चुके हैं। अब भी 21,567 रोगियों का इलाज चल रहा है। बीते 28 दिन में, संक्रमण से जूझ रहे लोगों की यह सबसे कम तादाद है। दिल्ली में 23 जून के सबसे अधिक 3,947 मामले सामने आए थे। इसके तीन दिन बाद प्रतिदिन लगभग 3 हजार मामले सामने आए। इसके बाद संक्रमण के मामलों में गिरावट देखी गई। 27 जून से तीन जुलाई के बीच एक दिन में संक्रमण के औसतन 2,494 मामले सामने आए। उससे पिछले सप्ताह यह औसत 3,446 था। इसके बाद भी संक्रमण के मामलों में गिरावट और उछाल का सिलसिला जारी रहा और चार जुलाई को संक्रमण के 2,505, पांच जुलाई को 2,244, छह जुलाई को 1,379, सात जुलाई को 2,008, आठ जुलाई को 2,033 और नौ जुलाई को 2,187 मामले सामने आए।

मंडाविया ने उद्योगों से कहा, महत्वपूर्ण उत्पादों के विनिर्माण में आत्म-निर्भर बनें

(विशेष संवाददाता)

नयी दिल्ली, केंद्रीय पोत परिवहन मंत्री मनसुख मंडाविया ने कहा है कि घरेलू कंपनियों को महत्वपूर्ण उत्पादों मसलन बंदरगाहों पर माल चढ़ाने उतारने के लिए क्रेन आदि का विनिर्माण बढ़ाने का प्रयास करना चाहिए। इसके साथ ही उन्होंने एक्टिव फार्मास्युटिकल्स इंग्रिडिएंट (एपीआई) का भी देश में उत्पादन बढ़ाने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि इससे न केवल हमारी आयात पर निर्भरता कम होगी, बल्कि हम सरकार के आत्मनिर्भर भारत के अभियान को भी आगे बढ़ा सकेंगे।

पोत परिवहन, रसायन एवं उर्वरक राज्यमंत्री मंडाविया ने शुक्रवार को भारतीय उद्योग परिसंघ द्वारा वर्चुअल बैठक को संबोधित करते हुए यह बात कही। इस बैठक में उत्तरी क्षेत्र के चुड़क्षनदा मुख्य कार्यकारी अधिकारियों (सीईओ) ने भी हिस्सा लिया। उन्होंने कहा, प्रधानमंत्री के आत्मनिर्भर भारत अभियान' को आगे बढ़ाने के लिए हमने बंदरगाहों पर माल चढ़ानेउतारने के लिए मेड इन इंडिया' क्रेनों की खरीद करने का फैसला किया है। अभी भारत सालाना 1,000 करोड़ रुपये की क्रेनों का आयात करता है।

भारतीय उद्योग को इस क्षेत्र में आगे आना चाहिए। वे संयुक्त उद्यम में इनका विनिर्माण कर सकते हैं। इससे न केवल रोजगार मिलेगा, बल्कि हम आत्मनिर्भर भी बन सकेंगे।'' इसी के साथ उन्होंने उद्योग की कंपनियों और सूक्ष्म, लघु एवं मझोले उपक्रम (एमएसएमई) क्षेत्र को फार्मास्युटिकल क्षेत्र के लिए एपीआई के लघु अवधि के उत्पादन की योजना लाने को कहा। उन्होंने कहा, आप हमें एपीआई के लघु अवधि के उत्पादन की योजना भेजें।'' उन्होंने कहा कि भारत ने घरेलू आपूर्ति सुनिश्चित करते हुए 120 से अधिक देशों को हाइड्रोक्सीक्लोरोक्वीन और पैरासिटामोल की आपूर्ति की है। मंडाविया ने कहा, आत्मनिर्भर भारत, विदेश नीति और कोरोना कूटनीति के तहत भारत सरकार ने दुनिया के देशों को जीवन रक्षक दवाओं और उपकरणों की आपूर्ति की है। इससे दुनियाभर में भारत की छवि अच्छी हुई है। इससे निश्चित रूप से दीर्घावधि में भारतीय अर्थव्यवस्था को फायदा होगा और आगे भारतीयों और भारतीय उद्योग को लाभ मिलेगा।''

बीजेपी की नई टीम में मिलेगी युवाओं को ज्यादा तरजीह

संसदीय बोर्ड, चुनाव समिति एवं कार्यकारिणी में होंगे नये चेहरे

(विशेष संवाददाता)

नयी दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी की नई कार्यकारिणी, केंद्रीय संसदीय बोर्ड, केंद्रीय चुनाव समिति, प्रकोष्ठों एवं केंद्रीय टीम में युवाओं को ज्यादा तरजीह मिलेगी और एक पद, एक व्यक्ति के पुराने फार्मूले पर राष्ट्रीय टीम बनेगी।

इसमें देश के सभी राज्यों का प्रतिनिधित्व किया जाएगा और चर्चित चेहरों के अलावा नये चेहरे भी टीम नड्डा में देखने को मिलेंगे। ऐसा संकेत खुद भाजपा हाईकमान ने दिया है। नई टीम बनकर तैयार है और कभी भी इसकी घोषणा हो सकती है।

सूत्रों के मुताबिक पार्टी के केंद्रीय संसदीय बोर्ड में इस बार बड़े बदलाव होंगे। संसदीय बोर्ड में चार पद रिक्त है। इनमें वेंकैया नायडू उपराष्ट्रपति बन चुके हैं, जबकि अरुण जेटली, सुषमा स्वराज और अनंत कुमार का निधन हो चुका है। ऐसे में नया संसदीय बोर्ड का स्वरूप काफी बदला हुआ होगा। पार्टी संविधान के मुताबिक संसदीय बोर्ड सबसे बड़ा बोर्ड माना जाता है।

सभी बड़े फैसले संसदीय बोर्ड ही लेती है। इसलिए बोर्ड में मोदी सरकार मंत्रिमंडल में शामिल कुछ चेहरे भी देखने को मिलेंगे। सूत्रों के मुताबिक जो नेता संगठन में काम करेंगे वे सरकार में शामिल नहीं होंगे। ऐसे में कुछ नेताओं को संगठन से सरकार में भेजा जा सकता है और कुछ नेता सरकार से संगठन में भी आ सकते हैं। सूत्रों की माने तो जिन बड़े नेताओं के पास बड़े राज्यों का भी प्रभार है, और वह केंद्र में मंत्री हैं, तो वह दोनों एक साथ जिम्मेदारी निभा सकते हैं। इस फार्मूले पर भी पार्टी चल सकती है।

गौरतलब है कि जगत प्रकाश नड्डा के भारतीय जनता पार्टी की कमान संभाले हुए करीब चार माह का समय हो चुका है, लेकिन अभी तक उनकी टीम सामने नहीं आ पाई है। इसकी एक वजह कोरोना काल रहा जिसने सारी व्यवस्थाओं को बदल दिया है। अब संगठन को सुचारू ढंग से चलाने के लिए तेजी लाई जा रही है।

पार्टी के एक वरिष्ठ नेता की माने तो राष्ट्रीय टीम का खाका तैयार हो चुका है और उसे जल्दी ही जारी कर दिया जाएगा। राष्ट्रीय पदाधिकारियों के साथ नया केंद्रीय संसदीय बोर्ड एवं कार्यकारिणी की भी घोषणा की जाएगी। उनके मुताबिक संगठन में संविधान के अनुसार पद भरे जाएंगे। पदाधिकारियों में महिलाओं को भी शामिल किया जाएगा।

साथ ही सभी वर्गों से जुड़े लोगों का भी प्रतिनिधित्व होगा। सूत्रों की माने तो पार्टी में अच्छा काम करने वाले कुछ नेताओं को प्रमोशन मिलेगा और कुछ की छुट्टी भी होना तय है।

नई टीम में एक व्यक्ति एक पद पर होगा अमल, हाईकमान ने दिए संकेत

50 साल की उम्र का होगा जिला अध्यक्ष

भाजपा के वरिष्ठ नेता की माने तो संगठन में जिला स्तर पर कि युवाओं को उभारने का काम शुरू कर दिया है। पार्टी के सभी जिला अध्यक्ष 50 साल से कम उम्र के बनाए गए हैं। जो अभी बचे हैं उनकी भी स्क्रीनिंग करके उम्र का मानदंड के अनुसार नियुक्ति की जा रही है। इस क्रम को केंद्र में भी जारी रखा जाएगा और युवा नेताओं को मौका दिया जाएगा। राज्यों में बेहतर काम कर रहे लोगों को केंद्रीय स्तर पर काम दिया जाएगा।

एम्बुलेंस ने 7 किलोमीटर जाने के लिए 8 हजार रुपए लिए, मामला दर्ज

पुणे । महाराष्ट्र में कोरोना का असर लगातार बढ़ रहा है। मरीजों की संख्या में हर दिन इजाफा हो रहा है। ऐसे में कई सारे लोग इस संकट की घड़ी में भी मरीजों को लूटने में लगे हुए हैं। ताजा मामला पुणे शहर में सामने आया है। जहां पर एक ऐम्बुलेंस के मालिक पर मुकदमा दर्ज किया गया है। जिसने एक मरीज ज्यादा पैसे लिए थे। पुणे शहर में का यह पहला मामला है बिबवेवाड़ी से दीनानाथ अस्पताल जाने के लिए ऐम्बुलेंस मालिक ने मरीज के परिवार 8 हजार रुपए लिए। जबकि घर से अस्पताल की कुल दूरी महज 7 किलोमीटर है। इस मामले में मरीज ने जिलाधिकारी को इसकी शिकायत की थी और उनके आदेश के बाद एफआईआर दर्ज की गई है। यह ऐम्बुलेंस सेवा, संजीवनी ऐम्बुलेंस सर्विस के नाम पर चल रही थी। जबकि लाइसेंस मोबाइल क्लीनिक के नाम पर था। लाइसेंस का भी गलत इस्तेमाल किया जा रहा था।